हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024

महाराष्ट्र में नामांकन के आखिरी दिन बड़ा खेल

अजित ने नहीं माना बीजेपी का 'प्रेशर', नवाब को दिया टिकट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मानखुर्द विधानसभा सीट से बनाया उम्मीदवार

भारतीय जनता पार्टी के पॉलिटिकल प्रेशर के बावजूद अजित पवार ने मुंबई के कद्दावर नेता नवाब मलिक को मानखुर्द विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। नामांकन के आखिरी दिन नवाब मलिक को मानखुर्द सीट के लिए एनसीपी का ए और बी फॉर्म सौंपा गया है। यह ए और बी फॉर्म अजित गुट की तरफ से ही नवाब मलिक को मिला है। मतलब नवाब अब इस सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार होंगे। इसे बड़ा सियासी खेल कहा जा रहा है। वहीं नामांकन दाखिल करने के बाद नवाब मलिक ने कहा कि मैंने निर्दलीय और एनसीपी के पर्चे पर नाम दाखिल किया है। एनसीपी का पर्चा वापस होता है तो मैं निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा। दरअसल, अणुशक्तिनगर से विधायक नवाब मलिक को टिकट नहीं देने का लगातार बीजेपी दबाव बना रही थी। इस दबाव की वजह से अजित ने शुरू में इस सीट से उनका टिकट काट उनकी बेटी सना मलिक को सिंबल दे दिया। इसी बीच नवाब मलिक ने मानखुर्द से पर्चा भरने की घोषणा कर दी। नवाब के इस स्टैंड के बाद बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेल्लार ने सार्वजनिक तौर पर बयान दिया कि हम किसी दाऊद के समर्थक को उम्मीदवार नहीं बना सकते हैं। शेल्लार के इस बयान के बाद अजित दिल्ली पहुंच गए थे, जहां पर उम्मीदवार सिलेक्शन पर उनकी बीजेपी हाईकमान से लंबी चर्चा हुई थी।

भाजपा को नवाब मलिक से क्या है दिक्कत?

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस लंबे समय से नवाब मलिक का विरोध करते आए हैं। जब महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सरकार थी, तब देवेंद्र फणडवीस नेता प्रतिपक्ष थे। फडणवीस ने उस समय नवाब मलिक पर भारत के घोषित आतंकी दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी से जुड़े होने के आरोप लगाए थे। नवाब मलिक ने एक मामले में फडणवीस की पत्नी अमृता पर भी निशाना साधा था। मलिक ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि आखिर **BJP** और ड्रग पेडलर का क्या कनेक्शन है? इसके बाद फडणवीस ने **D** कंपनी को लेकर नवाब मलिक पर कई आरोपों की झड़ी लगा दी थी। महाविकास अघाड़ी सरकार में मंत्री रहे नवाब मलिक दाऊद इब्राहिम और उनसे जुड़े लोगों से पैसे लेने के आरोप में जेल जा चुके हैं। उन्हें इसी साल इन आरोपों में जमानत मिली है।

सपा के अबू आजमी से मुकाबला

मानखुर्द शिवाजीनगर से इंडिया गठबंधन ने सपा के अबू आजमी का समर्थन किया है। फायरब्रांड अबू आजमी इस सीट से 2019 में चुनाव जीत चुके हैं। अबू आजमी महाराष्ट्र में अखिलेश यादव की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। मानखुर्द में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या को देखते हुए ही यहां से पार्टियां मुस्लिम उम्मीदवार उतारती है।

महायुति में सीट शेयरिंग पर बनी सहमति

महायुति के घटक दलों के बीच महाराष्ट्र की 288 सीटों पर सहमति बन गई है। भारतीय जनता पार्टी 148 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पाले में 80 सीटें आई हैं। वहीं, अजित पवार की एनसीपी ने 53 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। महायुति ने अपने कोटे से अन्य छोटे दलों को भी 6 सीटें दी हैं। साथ ही गठबंधन राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस को एक सीट शिवडी पर समर्थन करेगा।

भाजपा को एक और झटका, पूर्व विधायक एमएनएस में शामिल

महाराष्ट्र में बीजेपी को एक और झटका लगा है। बीजेपी की नेता और पूर्व विधायक तृप्ति सावंत ने पार्टी का दामन छोड़कर राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में शामिल हो गई हैं। इसके बाद उन्हें बांद्रा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से एमएनएस का उम्मीदवार भी घोषित कर दिया गया है। इस सीट से बाबा सिद्दीकी के बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी चुनाव लड़ रहे हैं। बता दें 2015 के बांद्रा पूर्व विधानसभा उपचुनाव में तृप्ति सावंत ने शिवसेना के टिकट पर नारायण राणे को हराया था।

हिजबुल्लाह ने चुना नया चीफ, साइंस ग्रेजुएट कासिम को कमान

बेरूत। इजरायली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद बाद अब संगठन ने अपने नए नेता का चुनाव कर लिया है। डिप्टी सेक्रेटरी नईम कासिम को हसन नसरल्लाह के उत्तराधिकारी के रूप में चुना गया है। कासिम को संगठन के सबसे शुरुआती सदस्यों में से एक बताया गया है। हिज्बुल्लाह के गठन के बाद से ही वह इसमें महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता रहा है, और संगठन के के भीतर उसकी पहचान एक प्रमुख रणनीतिज्ञ की है। कासिम ने 1970 के दशक में लेबनान विश्वविद्यालय से केमिस्ट्री में बीएससी की डिग्री हासिल की। कासिम फ्रेंच, अंग्रेजी, अरबी, फारसी समेत कई भाषाओं का जानकार है। कासिम ने 'हिज्बुल्लाहः द स्टोरी फ्रॉम विदिन' नाम की किताब लिखी है, जिसमें हिज्बुल्लाह बनने और उसकी विचारधारा का विवरण है।

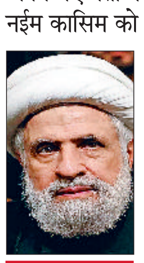

- फ्रेंच, अंग्रेजी सहित आधा दर्जन भाषाओं का जानकार

इस वक्त ईरान में है कासिम

नईम कासिम इस वक्त ईरान में है। इजरायली हमले में हसन नसरल्लाह और हाशेम सफीद्दीन समेत हिजबुल्लाह के शीर्ष नेता मारे जा चुके हैं। माना जा रहा था कि कासिम इजरायल का अगला टारगेट हो सकता है। इजरायल ने हिजबुल्लाह के शीर्ष नेतृत्व को लगभग खत्म कर दिया है। मारे गए नेताओं में हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह, संस्थापक सदस्य फौद शुकर, शीर्ष कमांडर अली कराकी, केंद्रीय परिषद के उप प्रमुख नबील कौक, ड्रोन यूनिट प्रमुख मोहम्मद सरूर, मिसाइल यूनिट चीफ इब्राहिम कुबैसी, ऑपरेशन कमांडर इब्राहिम अकील और वरिष्ठ कमांडर मोहम्मद नासिर शामिल हैं।

भारत-चीन सीमा से पीछे हटे सैनिक, अस्थाई निर्माण भी हटा

देपसांग-डेमचोक में पूरा हुआ डिसइंगेजमेंट

अब जल्द शुरू होगी गश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख के देपांग और डेमचोक इलाकों में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पीछे हटने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) दोनों ही वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास संवेदनशील क्षेत्रों में कर्मियों की वापसी और सैन्य बुनियादी ढांचे को खत्म करने की पुष्टि कर रही हैं। सत्यापन प्रक्रिया दोनों सेनाओं द्वारा संयुक्त रूप से संचालित की जाएगी, जिसमें यह पुष्टि करना शामिल है कि सहमत शर्तों के अनुसार पदों को खाली कर दिया गया है और प्रतिष्ठानों को हटा दिया गया है। सूत्रों ने कहा, 'वर्तमान में, विश्वास के आधार पर काम किया जा रहा है।'

अब भी कई मुद्दे हैं लंबित, जिन पर होगी चरणबद्ध चर्चा

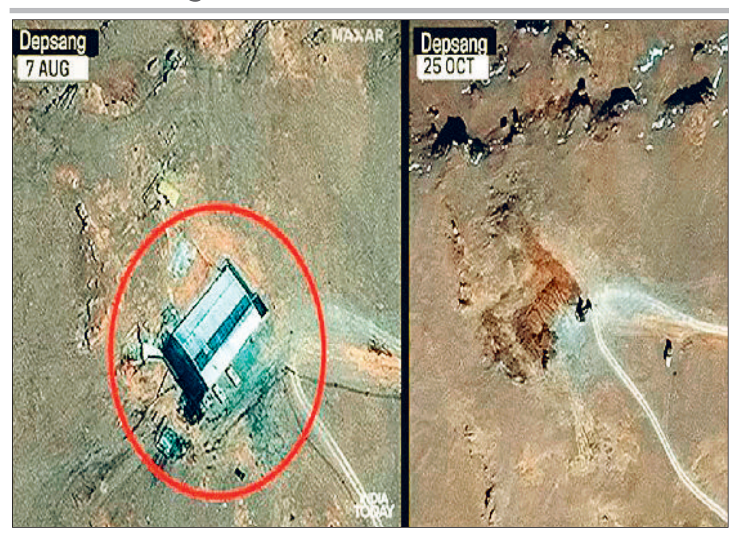

2020 के पहले की व्यवस्था होगी बहाल

बता दें कि यह घटनाक्रम विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर द्वारा 27 अक्टूबर को कहा गया था कि भारत और चीन जल्द ही लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त फिर से शुरू करेंगे, जो अप्रैल 2020 में सीमा गतिरोध शुरू होने से पहले की व्यवस्था को बहाल करेगा। पिछले हफ़्ते भारत ने घोषणा की थी कि उसने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त करने के लिए चीन के साथ समझौता कर लिया है, जो इस क्षेत्र में चार साल से चल रहे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने कहा था कि देपसांग और डेमचोक में गश्त और पीछे हटने पर सहमति बन गई है। हमें उम्मीद है कि 2020 की स्थिति बहाल हो जाएगी।' एलएसी पर गश्त करने पर चीन के साथ सफल समझौते का मतलब यह नहीं है कि दोनों देशों के बीच मुद्दे सुलझ गए हैं। जयशंकर ने पुणे में एक कार्यक्रम में कहा था,'(सैनिकों के पीछे हटने का) नवीनतम कदम 21 अक्टूबर को हुआ समझौता था जिसके तहत देपसांग और डेमचोक में गश्त की जाएगी। इससे अब हम अगले कदम पर विचार कर सकेंगे। ऐसा नहीं है कि सब कुछ हल हो गया है, लेकिन सैनिकों के पीछे हटने का पहला चरण है और हम उस स्तर तक पहुंचने में सफल रहे हैं।'

चार बफर जोन के बारे में कोई चर्चा नहीं

गलवान क्षेत्र सहित चार बफर जोन के बारे में अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा कि कोर कमांडर स्तर पर चर्चा बफर जोन में गश्त फिर से शुरू करने की संभावना पर फैसला करेगी, जो डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में गश्त की सफल शुरुआत के बाद होगी। दोनों देशों के स्थानीय सैन्य कमांडर दिन के लिए नियोजित कार्यों का समन्वय करने के लिए प्रत्येक सुबह हॉटलाइन पर दैनिक चर्चा में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, वे प्रोटोकॉल की समीक्षा और संरेखण के लिए प्रतिदिन एक या दो बार निर्दिष्ट बिंदु पर व्यक्तिगत बैठकें करते हैं।

मंदिर में उत्सव के दौरान पटाखों में विस्फोट, 150 घायल

तिरुवनन्तपुरम। केरल के नीलेश्वरम के पास सोमवार को एक मंदिर उत्सव के दौरान आतिशबाजी दुर्घटना में 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें से 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में पटाखों के एक स्टोर में आग लगती हुई दिखाई दे रही है। कुछ सेकंड बाद, मंदिर उत्सव स्थल पर एक बड़ा विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि बिना अनुमति आतिशबाजी करने और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप में मंदिर समिति के 8 सदस्यों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि लापरवाही के कारण आतिशबाजी भंडारण क्षेत्र में आग लग गई।

ऐसे हुई दुर्घटना

पुलिस ने बताया कि घायलों को कासरगोड, कन्नू और मैंगलोर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा संदेह है कि यह दुर्घटना वीरकावु मंदिर के पास आतिशबाजी भंडारण सुविधा में आग लगने से हुई। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना आधी रात के आसपास हुई। कलेक्टर और जिला पुलिस प्रमुख सहित जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। बताया गया कि 33 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन

दीप पर्व पर सभी प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं...

- मां महालक्ष्मी की कृपा से हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश धन- धान्य और सुख-संपदा से परिपूर्ण रहे।
- गांवों से लेकर शहरों तक हर क्षेत्र में विकास और समृद्धि की रोशनी हो।
- माताओं- बहनों की हथेली हमेशा धन-धान्य से परिपूर्ण रहे।
- खेतों में समृद्धि की फसल लहराए और किसानों के भंडार हमेशा अन्न से भरे रहें।
- बच्चे- युवा सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर हों और उनके सपने साकार हों।
- सभी के जीवन में सुख- संपन्नता आए और तरक्की का प्रकाश हो।
- समृद्धि की मुस्कान सभी के चेहरों पर खिले, आपसी प्रेम और भाईचारा हो।

इन शुभकामनाओं के साथ एक विनम्र अपील भी है कि दीपावली के मौके पर स्थानीय कुम्हारों के हाथों से बने मिट्टी के दीपों से अपने घर सजाएं और त्यौहारों में स्थानीय उत्पादकों से खरीदी कर उनकी भी दीपावली को खुशियों से रोशन कर दें...

पुनः शुभकामनाओं सहित
विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, बुधवार 30 अक्टूबर 2024

अजब-गजब प्रत्याशी, किसी ने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने तो किसी ने लड़ना है, सोचकर भर दिया पर्चा

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

अलग खबर

रायपुर लोकसभा चुनाव की तरह रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में भी बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। उपचुनाव के लिए 46 प्रत्याशियों ने नामाकन दाखिल किया है, जिनमें 34 निर्दलीय प्रत्याशी हैं। इन निर्दलीय प्रत्याशियों में कई प्रत्याशी अजब-गजब भी हैं, जिनमें कोई मोहल्ले के कुछ लोगों के कहने पर चुनावी मैदान पर कूद पड़ा है, तो किसी ने सिर्फ चुनाव लड़ना है सोचकर नामांकन दाखिल किया है, तो कोई अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए चुनाव लड़ रहा है। यही नहीं, नामांकन दाखिल करने वाले निर्दलीय प्रत्याशियों में एक प्रत्याशी करीब ढाई सौ किलोमीटर दूर बस्तर के ▶▶|शेष पेज 2 पर

हरिभूमि से चर्चा में निर्दलीय प्रत्याशियों ने बताया- चुनाव लड़ने का विचार कैसे और क्यों आया

जयंत अग्रवाल

नंदनी नायक

सबिस्ता खान

लड़ेंगे तभी तो जीतेंगे चुनाव

टिकरापारा रायपुर निवासी सबिस्ता खान ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पर्चा भरा है। उन्होंने बताया कि वह पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रही हैं। पेशे से वह शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दल का प्रत्याशी हो, चुनाव जीतने के बाद वह अपने वादों के अनुरूप काम नहीं करता। छोटे-छोटे काम के लिए लोगों को धक्के खाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि निर्दलीय प्रत्याशी के लिए चुनाव जीतना आसान नहीं है, लेकिन लड़ेंगे तो ही चुनाव जीतेंगे।

पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने चुनाव में उतरा

पुरानी बस्ती रायपुर निवासी जयंत अग्रवाल ने बताया कि उसके पिता की अंतिम इच्छा थी कि वह चुनाव लड़े। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष उसके पिता का निधन हुआ था। मृत्यु से पूर्व उसके पिता ने जयंत से कहा था कि उसके जाने के बाद वह कोई भी चुनाव हो उसमें प्रत्याशी के रूप में जरूर खड़ा होना। जयंत ने बताया कि पिता की मृत्यु होने के बाद सबसे पहले उपचुनाव हो रहा है, इसलिए वह अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए इस चुनाव में खड़ा हुआ है। उसका मानना है कि चुनाव में हर कोई जीत के लिए खड़ा होता है, लेकिन उसके पिता का मानना था कि हार से ही व्यक्ति को अनुभव मिलता है। यह अनुभव ही उसे आगे जीत की राह की ओर ले जाता है।

चुनाव लड़ना है, सोचकर नामांकन भर दिया

कुंदरापारा बैरनबाजार निवासी नंदिनी नायक ने भी उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। यह दूसरी बार है जब वह विधानसभा में चुनाव लड़ेंगी। वर्ष 2023 में इसी सीट से चुनाव लड़ चुकी नंदनी के पक्ष में उस समय 135 वोट ही पड़े थे, जिसके कारण उसकी जमानत राशि भी जब्त हो गई थी। नंदनी गरीब वर्ग से है। उसका पति ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का जीवन-यापन करता है। नंदनी का कहना है कि चुनाव जीतने के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है, जिसके बिना चुनाव जीतना मुश्किल है, लेकिन उसका उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं है। वह सिर्फ यह सोचकर चुनाव लड़ती है कि उसे चुनाव लड़ना चाहिए।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कैंसर की तीन दवाओं की कीमत होगी कम

नई दिल्ली। सरकार ने दवा कंपनियों से कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन दवाओं की कीमतें कम करने को कहा है ताकि कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। दवाओं- ट्रैस्टुजुमैब, ओसिमर्टिनिब और डर्वालुमैब के लिए एमआरपी कम करने का निर्देश दिया है।

ट्रक में आग, छत्तीसगढ़ के क्लीनर की मौत

शिवपुरी। मप्र के शिवपुरी जिले में मंगलवार की सुबह ट्रक में आग लगने से चालक और उसके सहायक की जलने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान हरियाणा निवासी चालक रिजवान अंसारी और छत्तीसगढ़ निवासी क्लीनर मोनू बदक के रूप में हुई है। यह घटना सतनवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई।

सबसे पुराने चिड़ियाघर को विरासत का दर्जा

कोलकाता। कोलकाता के अलीपुर चिड़ियाघर को विरासत का दर्जा देते हुए एक नीला फलक लगाया गया है। पिछले महीने ही इस चिड़ियाघर ने 150 साल पूरे किए हैं। करीब 19 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस चिड़ियाघर का उद्घाटन 24 सितंबर, 1875 को किया गया था।

अहमदाबाद से केशोद के लिए सीधी उड़ान

अहमदाबाद। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अहमदाबाद से जूनागढ़ जिले के केशोद के बीच सीधी उड़ान सेवा की शुरुआत हुई। श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने तीर्थयात्रियों और भक्तों के लिए केशोद हवाई अड्डे से सोमनाथ मंदिर तक निःशुल्क पिकअप बस सेवा भी शुरू की है।

'डिजिटल अरेस्ट' कर 40 लाख की ठगी

इंदौर। इंदौर में 'डिजिटल अरेस्ट' के ताजा मामले में ठग गिरोह ने एक 70 वर्षीय व्यक्ति को जाल में फंसाया। उसे 40.70 लाख रुपए का चूना लगा दिया। 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी का नया तरीका है। ऐसे मामलों में ठग खुद को कानून अधिकारी बताकर ऑडियो या वीडियो कॉल करके डराते हैं।

शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में झारखंड और छत्तीसगढ़ में कार्रवाई

ईडी का बड़ा एक्शन, आईएएस चौबे समेत अफसरों के 15 ठिकानों पर छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रांची/रायपुर

खास खबर

प्रवर्तन निदेशालय के झारखंड कार्यालय द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत हाल में एक आपराधिक मामला दर्ज किए जाने के बाद रांची और रायपुर में 15 परिसरों पर छापे मारे गए। छापेमारी के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दलों ने प्रवर्तन निदेशालय के दलों को सुरक्षा प्रदान की। ईडी ने छत्तीसगढ़ पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा रायपुर में सात सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी का संज्ञान लिया, जिसमें चौबे, छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी और चार अन्य के नाम शामिल हैं। ईडी अफसरों ने बताया कि झारखंड काडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में झारखंड पंचायती राज विभाग के सचिव चौबे, राज्य के आबकारी विभाग के संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह, शराब व्यापारियों और संबंधित व्यक्तियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है। चौबे राज्य में 2022 की आबकारी नीति के कार्यान्वयन के ▶▶|शेष पेज 2 पर

ईडी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले की जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने झारखंड के आईएएस अफसर विनय कुमार चौबे, कुछ अन्य सरकारी अफसरों और झारखंड व छत्तीसगढ़ में कई शराब व्यापारियों एवं बिचौलियों से संबद्ध परिसरों पर छापेमारी की। इससे पहले, मई में झारखंड के पूर्व मंत्री के करीबी के घर पर ईडी ने छापेमारी की थी, जिसमें करोड़ों रुपए कैश बरामद किए गए थे।

अफसरों के अलावा शराब व्यापारी और बिचौलियों पर भी कार्रवाई

निविदा की शर्तों में हेरफेर

प्राथमिकी के मुताबिक चौबे और गजेंद्र सिंह के संरक्षण में शराब आपूर्ति के लिए निविदा आवंटित करने के लिए ढेबर और उसेके 'सिंडिकेट' की प्लेसमेंट एजेंसियों ने निविदा की शर्तों में 'हेरफेर' किया। शराब थोक लाइसेंस देने के लिए अनिवार्य पात्रता शर्तों में दो लगातार वित्तीय वर्षों के लिए न्यूनतम 100 करोड़ रुपए का टर्नओवर होने की शर्त पेश की। ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाले' से जुड़े धनशोधन मामले में टुटेजा, ढेबर, त्रिपाठी और कुछ अन्य को गिरफ्तार किया है। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा।

छग में बनाया मसौदा, झारखंड में पेश किया

प्राथमिकी के मुताबिक छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग के विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ में लागू देसी और विदेशी शराब बेचने की नीति का मसौदा बनाया। उसे ही झारखंड सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। इस मसौदे के आधार पर झारखंड में नयी आबकारी नियमावली अधिसूचित की गई और उसे लागू किया गया। पुलिस ने आरोप लगाया कि इस कार्य के लिए त्रिपाठी को 1.25 करोड़ रुपए झारखंड सरकार से मिले।

रायपुर, कुम्हारी समेत चार ठिकानों पर जांच

रायपुर। झारखंड में शराब घोटाला मामले को लेकर ईडी की टीम मंगलवार को तीन शराब कारोबारी तथा एक शराब फैक्ट्री के अधिकारी के घर छापे की कार्रवाई करने पहुंची। झारखंड शराब घोटाले के तार छत्तीसगढ़ से जुड़े होने की वजह से ईडी की टीम ने छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम ने जयस्तंभ चौक स्थित एक बार के साथ अशोका रतन, कटोरातालाब तथा कुम्हारी स्थित शराब फैक्ट्री के अधिकारी के यहां जांच की ईडी ने झारखंड में जो पूर्व में छापे की कार्रवाई की है, उसमें इस बात के प्रमाण मिले हैं कि शराब घोटाला करने छत्तीसगढ़ में बैठकर नीति बनाई गई थी। बैठक में झारखंड आबकारी विभाग के आला अधिकारी सहित सचिव स्तर के अधिकारी शामिल हुए थे। ▶▶|शेष पेज 2 पर

ईओडब्लू ने भी दर्ज की एफआईआर

झारखंड शराब घोटाला मामले के तार छत्तीसगढ़ से जुड़े होने की वजह से राज्य की जांच एजेंसी ईओडब्लू ने भी झारखंड, रांची के विकास कुमार के आवेदन पर एफआईआर दर्ज की है। विकास के आवेदन पर ईओडब्लू ने झारखंड उत्पाद विभाग के तत्कालीन सचिव विनय कुमार चौबे, तत्कालीन संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

एक लाख के नकली नोट के साथ पकड़ाया युकां उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

माकड़ी ब्लॉक युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष को पुलिस ने एक लाख से अधिक के नकली नोट के साथ पकड़ा है। 500-500 रुपए के नकली नोटों को ओडिशा से लाकर छत्तीसगढ़ में खपाने की तैयारी थी।

- छत्तीसगढ़ में खपाने की थी तैयारी
- फरसगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

फरसगांव एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गुहाबोरंड निवासी राजेश शोरी पीठ में बैग लटकाए हुए बाइक में माकड़ी से फरसगांव की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय शिंदे तत्काल अपनी टीम के साथ पासंगी पुलिया के पास घेराबंदी कर के बाइक से आ रहे राजेश को रोका। तलाशी के दौरान उसके बैग से 500-500 रुपए के 200 नकली नोट मिले। राजेश के घर जाकर तलाशी लेने पर 10 नोट और बरामद किया गया। इस तरह से 500-500 के कुल 210 नोट कीमत 1,05,000 रुपए बरामद ▶▶|शेष पेज 2 पर

बाइक पर लिखा था युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष

पुलिस ने बताया कि राजेश बैग लेकर जिस बाइक से आ रहा था, उसके सामने प्लेट पर युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष लिखा था। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक माकड़ी ब्लाक युवा कांग्रेस का उपाध्यक्ष है। मकड़ी से फरसगांव में नकली नोट खपाने जा रहा था। नोटों के खेप ओडिशा से लाई गई थी, उसके बाद ग्रामीण इलाकों में खपाया जा रहा था। त्योहारों पर नकली नोट खपाने वाले गिरोह क्षेत्र में सक्रिय हो जाता है।

बेलरगांव में पसरा मातम

तालाब में डूबने से दो बहनों समेत तीन बच्चियों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नगरी

ग्राम बेलरगांव में धनतेरस पर्व पर दिल को झकझोर करने वाली घटना घटी है। यहां तालाब में डूबने से दो सगी बहन समेत तीन बच्चियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

- परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

बताया जाता है कि बेलरगांव के भूखर्रा तालाब में काजल यादव पिता धन्नूराम यादव (14), यामिनी यादव पिता धन्नूराम यादव (18) और सेविका कोर्राम पिता सुरेश कुमार ▶▶|शेष पेज 2 पर

दिवाली की खुशी मातम में बदली

धमतरी जिले के नगरी ब्लाक के ग्राम बेलरगांव में मंगलवार को नहाने गई तीन बच्चियों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इससे गांव में शोक की लहर छा गई। दीपावली त्योहार मनाने की तैयारी व खुशी में जुटे पूरे गांव में मातम छा गया। ग्रामीणों की आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं। मृत बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

फ्लाईओवर के नीचे दीवार से टकराई बस, 12 की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 30 अन्य घायल हो गए। सालासर से आ रही एक निजी बस अनियंत्रित होकर फ्लाईओवर के नीचे दीवार से टकरा गई। इससे बस का चालक की तरफ वाला हिस्सा तहस नहस हो गया।

- इधर, राजस्थान में बड़ा हादसा 30 यात्री घायल

इनकी हो गई मौत

मृतकों में विनीता (32), सीमा (22), किरण कंवर, कमला (35), बनारसी (55), आदित्य (16) तथा प्रमोद सिंह (35) शामिल हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताते हुए घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, सीकर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है।

सात दिन बीते, सिम्स में डीन की कुर्सी पर खींचतान, डॉक्टर-स्टाफ दो फाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

डीन की कुर्सी के लिए चल रही खींचतान के कारण सिम्स अस्पताल व मेडिकल कालेज की व्यवस्था चरमराने लगी है। एक ओर हाईकोर्ट से स्टे लेकर डॉ. कमल किशोर सहारे निलंबन आदेश पर रोक का हवाला देते हुए कुर्सी पर काबिज हैं, वहीं डॉ अर्चना सिंह बतौर प्रभारी डीन व्यवस्था संभाल रही हैं।इस खींचतान से स्टाफ, डाक्टर और अन्य विभागों के कर्मचारी दो फाड़ हो गए हैं। 7 दिन बाद भी शासन स्तर पर कोई फैसला नहीं लिया जा सका है। सिम्स में पिछले 7 दिनों से ▶▶|शेष पेज 2 पर

व्यवस्था चरमाने के हालात

डॉ. सहारे ने लगाया चेंबर में अपना बोर्ड

खास बात यह है कि शासन के आदेश पर पदस्थ डीन डा. रमनेश मूर्ति छुट्टी पर हैं, ऐसे में उन्होंने डॉ सहारे को चार्ज नहीं दिया है, लेकिन डॉ. सहारे लगातार लोगों को अपने डीन होने की बात कह रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कालेज व अस्पताल के ग्रुप में आदेश जारी कर कोर्ट का हवाला देते हुए उनका आदेश नहीं मानने वालों को चेतावनी दी है। जबकि जानकार अधिकारी कहते हैं ▶▶|शेष पेज 2 पर

कोर्ट में हंगामा, पुलिस चौकी में आगजनी

जज और वकील में बहस पुलिस ने बरसाई लाठियां

एजेंसी ▶▶| गाजियाबाद

गाजियाबाद जिले की एक कोर्ट में अधिवक्ताओं और पुलिसकर्मियों के समूहों के बीच झड़प हो गई। कोर्ट में अग्रिम जमानत के एक मामले की सुनवाई को लेकर सत्र न्यायाधीश और अधिवक्ता के बीच बहस के बाद अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद पुलिस पहुंच गई। घटना के वीडियो ▶▶|शेष पेज 2 पर

वायरल हुआ वीडियो

इससे पहले, सोशल मीडिया पर इस हंगामे की वीडियो क्लिप में कथित तौर पर अदालत के अंदर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच झड़प होती दिखाई दे रही है। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ पुलिसकर्मियों के हाथों में डंडे हैं। एक पुलिसकर्मी को लड़ाई में शामिल दूसरे पक्ष पर हमला करने के लिए हवा में कुर्सी पकड़े हुए भी देखा गया। एक अधिवक्ता के सिर पर कथित तौर पर चोट के निशान भी देखे गए।

16 दिनों में 510 से अधिक घरेलू-अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को धमकियां

फिर 100 से अधिक विमानों को धमकी पर सुरक्षित लैंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/मुंबई

विभिन्न भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 100 से अधिक उड़ानों को मंगलवार को बम की धमकियां मिलीं। पिछले 16 दिनों में 510 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को ऐसी धमकियां मिली हैं, जो बाद में अफवाह साबित हुईं। इनमें ज्यादातर धमकियां सोशल मीडिया के जरिए दी गयीं। सूत्रों का कहना है कि एयर इंडिया की करीब 36 उड़ानों, इंडिगो की करीब 35 उड़ानों और विस्तारा की 32 उड़ानों को धमकियां मिलीं। संबंधित प्राधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया।

ऐसे मिले धमकी भरे मैसेज

बताया जा रहा है कि एयर इंडिया के विमानों के लिए धमकी भरे कुछ संदेश टॉयलेट में लिखे मिले, जबकि कुछ ईमेल और सोशल मीडिया के जरिए भेजे गए थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने सभी प्रोटोकॉल का पालन किया और जांच पड़ताल के बाद यात्रियों को घर जाने दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को एडवाइजरी: जारी फर्जी धमकी कॉल पर कड़ा रुख अपनाते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने पिछले हफ्ते सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को एक सलाह जारी की, जिसमें उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी नियमों और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों का पालन करने और बम की धमकी वाले पोस्ट को 'तुरंत' हटाने के लिए उचित प्रयास करने के लिए कहा गया, अन्यथा जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

इधर, सलमान, जीशान को धमकी देने वाला धरा गया

मुंबई/नोएडा। मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और राकांपा नेता जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उत्तर प्रदेश के नोएडा से 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पहले विधायक जीशान सिद्दीकी के हेल्पलाइन नंबर पर धमकी भरा संदेश भेजा और बाद में उस पर 'वॉयस कॉल' किया, जिसमें जान से मारने की धमकी दी।

चिंतन

स्वास्थ्य सेवा को सबके लिए बेहतर बनाने की जरूरत

सरकार के जनकल्याणकारी दायित्व में स्वास्थ्य बड़ा मुद्दा है। अक्सर कहा जाता है कि अगर सरकार सबको शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा सुनिश्चित कर दे, तो देश की तरक्की तेजी से होगी। दुर्भाग्य से देश में सरकारें ऐसा नहीं कर पाई हैं। बीमारी जाति, धर्म और अमीर-गरीब देखकर नहीं आती है। सबको शिक्षा व स्वास्थ्य की आवश्यकता है। देश में स्वास्थ्य सेवा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन राज्य सरकारों की स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं होने से इस क्षेत्र की हालत बहुत खराब रही है। केंद्र में पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद स्वास्थ्य पर अधिक फोकस शुरू हुआ। मोदी के पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में सरकार ने गरीबों को इलाज सुविधा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की। योजना के तहत पात्र लाभार्थी को चिकित्सा के लिए अधिकृत सरकारी व निजी अस्पतालों में पांच लाख तक के इलाज की सुविधा दी गई। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए यह क्रांतिकारी योजना साबित हुई, शुरू में 1760 बीमारियों को शामिल किया गया, लेकिन इस योजना में निजी अस्पतालों को शामिल करने से व्यापक स्तर पर दुरूपयोग होने लगा, कम खर्च वाले इलाज को भी बड़ा बताकर सरकार से बड़े अमाउंट जारी करवाने लगे। इस योजना से अनुचित फायदा उठाने वाले अस्पतालों की गरिमा गिरी। सरकार ने इलाज सूची से 196 बीमारियों को हटा दिया। अच्छा होता सरकार इस योजना के लिए केवल सरकारी अस्पताल को ही सूचीबद्ध करती, बाकी पैसों से देश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जाता। मोदी सरकार ने जन औषधि केंद्र शुरू कर महंगी दवा बेचने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाई, इससे भी लोगों को फायदा हुआ। अब मोदी 3.0 सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को विस्तार देते हुए 70 वर्ष व उससे अधिक उम्र के सभी आर्थिक वर्ग के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक मुफ्त इलाज देने की सुविधा शुरू की। इसके लिए सरकार ने आरोग्य देवता कहे जाने वाले भगवान धनवंतरि के अवतरण दिवस धनतेरस व 9वें आयुर्वेद दिवस को चुना, यह बड़ा कदम है। इस योजना से छह करोड़ से अधिक बुजुर्गों को इलाज में मदद मिलेगी। बेशक ये स्वास्थ्य योजनाएं शानदार हैं, पर इनके क्रियान्वयन में बहुत झोल भी है। सरकारी अस्पताल कम हैं, इसमें भी अधिकांश का स्वास्थ्य ढांचा जर्जर है, कुछ अच्छे अस्पताल हैं, तो उन पर मरीजों का बड़ा बोझ है। चिकित्सक, नर्स, उपचार उपकरण आदि की कमियां हैं। कोरोना के दौर में देश के स्वास्थ्य ढांचे की पोल खुल चुकी है। सरकार की ओर से नियामक नहीं होने से निजी क्षेत्र में इलाज का बजटीय सिस्टम विकसित नहीं हो सका है। चीन की तरह भारत सरकार ने अपने स्वदेशी चिकित्सा सिस्टम को खुले मन से अंगीकार नहीं किया, इसलिए प्रिवेंटिव हेल्थ सिस्टम विकसित ही नहीं हो सका। मोदी सरकार इस ओर ध्यान जरूर दे रही है, पर गति बहुत सुस्त है। योग, आयुर्वेद व देसी चिकित्सा सिस्टम में भारत की आर्थिक ताकत बनने की क्षमता है। पश्चिम मॉडर्न मेडिसिन की कमियों व बाजारवादी प्रवृत्तियों से मुक्ति की जरूरत है। 18 राज्यों में हेल्थ प्रोजेक्ट्स से स्वास्थ्य सेवा बेहतर करने में मदद मिलेगी। मिशन इंद्रधनुष, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यू-विन प्लेटफॉर्म, प्रकृति परीक्षण अभियान व नमामि गंगे नेचुरल फॉर्मिंग और जड़ी-बूटियों के उत्पादन को बढ़ावा देने से स्वास्थ्य क्षेत्र बेहतर हो रहा है, लेकिन अभी स्वास्थ्य ढांचा व फार्मा क्षेत्र में बहुत कुछ और किए जाने की जरूरत है। स्वास्थ्य सेवा को सबके लिए पारदर्शी, सर्वसुलभ, बजटीय व नियम सम्मत बनाया जाना चाहिए।

लक्ष्मी के रूप में समाई प्रकृति

समुद्र मंथन
प्रमोद भार्गव

जब देवों ने असुरों के साथ मिलकर सागर-मंथन किया तो उसमें से चौदह प्रकार के रत्नों की प्राप्ति हुई। इन्हीं रत्नों में ऐरावत नाम का हाथी और लक्ष्मी भी थीं। समुद्र-मंथन से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी और गज का जन्मजात संबंध स्वाभाविक है। लक्ष्मी को पृथ्वी के प्रतीक के रूप में भी माना गया है। इस नाते उन्हें भूदेवी भी कहा जाता है। वैसे भी विष्णु की दो पत्नियां थीं। एक लक्ष्मी और दूसरी पत्नी श्रीदेवी हैं। भूदेवी होने के कारण लक्ष्मी पृथ्वी की प्रतीक हैं। इस नाते गज मेघों के प्रतीक हैं। इसीलिए वर्षा पूर्व बादलों के गरजने की क्रिया को मेघ-गर्जना कहा जाता है। लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते गजों का प्रतीक भी यही है कि गज बरसकर पृथ्वी को अभिसिंचित कर रहे हैं।

समुद्र-मंथन के दौरान जिस स्थल से कल्पवृक्ष और अप्सराएं मिलीं, उसी के निकट से महालक्ष्मी मिलीं। ये लक्ष्मी अनुपम सुंदरी थीं, इसलिए इन्हें भगवती लक्ष्मी कहा गया है। श्रीमद् भागवत में लिखा है कि 'अनिंद्य सुंदरी लक्ष्मी ने अपने सौंदर्य, औदार्य, यौवन, रंग, रूप और महिमा से सबका चित्त अपनी ओर खींच लिया। देव-असुर सभी ने गुहार लगाई कि लक्ष्मी हमें मिले। स्वयं इंद्र अपने हाथों पर उठाकर एक अद्भुत व अनूठा आसन लक्ष्मी को बैठने के लिए ले आए। उनकी कटि बहुत पतली थी। वक्षस्थल परस्पर सटे व उभरे हुए थे। उन पर चंदन और केसर का लेप लगा था। जब वे चलती थीं, तो उनकी पायजेब से मधुर ध्वनि प्रस्फुटित होती थी। ऐसा लगता था, मानो कोई सोने की लता इधर-उधर घूम रही है। इस लक्ष्मी को विष्णु ने अपने पास रख लिया।

समुद्र-मंथन में लक्ष्मी मिलीं, इसे हम यूं भी ले सकते हैं कि लक्ष्मी के मायने धन-संपदा या सोने-चांदी की विपुलता से भी होता है। समुद्र-मंथन के क्रम में जब देव-दानव समुद्र पार कर गए तो सबसे पहले हिरण्यकशिपु दैत्य को सोने की खदान मिली थी। इसे हिरकेनिया स्वर्ण-खान आज भी कहा जाता है। इस खदान पर वर्चस्व के लिए भी देव और असुरों में विवाद व संग्राम छिड़ा था। अंततः हिरण्यकशिप का इस पर अधिकार माना गया, क्योंकि इसे ही यह खान दिखाई दी थी। इसे यूं भी कह सकते हैं कि इस सोने की खान को खोजने में हिरण्यकशिप की ही प्रमुख भूमिका रही थी। दरअसल लक्ष्मी के विलक्षण रूप का वर्णन प्रकृति के रहस्यों से भी जुड़ा है। वैसे तो देवी लक्ष्मी के अनेक रूप हैं, परंतु उनका सर्वाधिक प्रचलित रूप वह है, जिसमें देवी पूर्ण रूप से खिले हुए पद्म-प्रसून पर अविचल मुद्रा में बैठी हुई हैं। उनके दोनों हाथों में नालयुक्त कमल हैं। साथ ही उनके दोनों तरफ कमल-पुष्प पर ही दो हाथी अपनी ऊपर उठाई सूंडों में घड़े लिए हुए लक्ष्मी का जल से अभिषेक कर रहे हैं। लक्ष्मी के इस रूप और इससे भिन्न रूपों का कौतुक-वृत्तांत रामायण से लेकर अधिकांश पुराणों में अंकित है। लक्ष्मी का जलाभिषेक करते गजों से घनिष्ठ संबंध है। जब देवों ने असुरों के साथ मिलकर सागर-मंथन किया तो उसमें से चौदह प्रकार के रत्नों की प्राप्ति हुई। इन्हीं रत्नों में ऐरावत नाम का हाथी और लक्ष्मी भी थीं। समुद्र-मंथन से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी और गज का जन्मजात संबंध स्वाभाविक है। लक्ष्मी को पृथ्वी के प्रतीक के रूप में भी माना गया है। इस नाते उन्हें भूदेवी भी कहा जाता है। वैसे भी विष्णु की दो पत्नियां थीं। एक लक्ष्मी और दूसरी पत्नी श्रीदेवी हैं। भूदेवी होने के कारण लक्ष्मी पृथ्वी की प्रतीक हैं। इस नाते गज जलद अर्थात मेघों के प्रतीक हैं। इसीलिए वर्षा पूर्व बादलों के गरजने की क्रिया को मेघ-गर्जना कहा जाता है। जब तक धरती पर बादल बरसते नहीं हैं, तब तक फसलों के रूप में अन्न-धान्य पैदा नहीं होते हैं। लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते गजों का प्रतीक भी यही है कि गज बरसकर पृथ्वी को अभिसिंचित कर रहे हैं, जिससे पृथ्वी से सृजन संभव हो सके। इस कारण लक्ष्मी को सृजन की देवी भी कहा जाता है। सौभाग्य लक्ष्मी को उपनिषद में 'सकल भुवन माता' कहा गया है। सृजन अर्थात सृष्टि माता-पिता दोनों

के संसर्ग से संभव है। अस्तु लक्ष्मी मातृशक्ति की और गज पितृशक्ति के प्रतीक हैं। गज को पुरुषार्थ का प्रतीक भी माना गया है। गोया, लक्ष्मी और गगन के समतुल्य गज संसार के माता-पिता माने जा सकते हैं। गज दिशाओं के प्रतीक भी हैं, इसलिए इन्हें दिग्गज भी कहा जाता है। इस कारण वे राज्य की चतुर्दिक सीमाओं के भी प्रतीक हैं। वैसे भी पुरातन काल में जो चतुरंगी सेनाएं हुआ करती थीं, उनमें गज-सेना भी होती थी, जो सीमांत प्रांतों में चारों दिशाओं में तैनात रहती थी।

कमल पर आरूढ़ लक्ष्मी से कमल का गहरा व आत्मीय रिश्ता है। सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा स्वयं कमलभव हैं, जो भगवान विष्णु की नाभि से प्रस्फुटित कमल पर ही विराजमान हैं। इसी कारण विष्णु को 'पद्मनाभ' और 'पद्माक्षी' कहा गया है। कमल पर बैठी होने के कारण लक्ष्मी को 'कमला' भी कहा जाता है। कमल की यह विशेषता है कि वह कीचड़ में पैदा होने के पश्चात भी स्वच्छ है, स्वछंद है एवं निर्मल है। जल में जीवन-यापन करते हुए भी वह निर्लिप्त है। अनेक पांखुरियों से युक्त व खिला होते हुए भी वह एकात्मता का द्योतक है। कमल की जड़, नाल, पंखुड़ियां व बीज सब मानव उपयोगी हैं, इसलिए कमल को समशष्टिगत गुणों वाले पुष्पों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। व्यष्टि में समष्टि का समन्वयात्मक संदेश देता हुआ कमल लोकमंगल का आह्वान कराता है, इसलिए ऋषि-मुनियों ने कमल को सांस्कृतिक प्रधानता व सर्वोच्चता की पहचान से निरुपित किया है। लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते हुए कलश, पूर्ण-कलश अर्थात लोक मंगलकारी कलशों के प्रतीक हैं। जल जीवन का आरंभिक उद्गम स्थल होने के साथ, जीवन का प्रमुख आधार भी है।

जल से ही पद्म उत्पन्न हुआ है और पद्म से ब्रह्मा और ब्रह्मा से संपूर्ण सृष्टि। इसी कारण कलश को हिरण्यगर्भ की संज्ञा से विभूषित किया गया है। कलश के संदर्भ में सांस्कृतिक मान्यता है कि इसमें त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास है। कलश के मुख पर ब्रह्मा, ग्रीवा में शिव और मूल में विष्णु तथा मध्य में मातृगणों का निवास होता है। अर्थात ये सभी देव-गण कलश में प्रतिष्ठित होकर किसी मांगलिक कार्य को सकारात्मक गति देने का काम करते हैं। इस कारण कलश भी लक्ष्मी के समान ही सृष्टि और महाशक्ति का प्रतीक माना गया है। मूर्ख और अशुभ का प्रतीक माने जाने के बावजूद उल्लू धन की देवी भगवती का वाहन है। हालांकि ऋग्वेद के श्री-सूक्त में वैभव की देवी लक्ष्मी की विस्तार से चर्चा है, लेकिन इस वृत्तांत में उल्लू को लक्ष्मी के वाहन के रूप में कहीं नहीं दर्शाया गया है। समुद्र-मंथन से लक्ष्मी तो प्रकट हुईं, लेकिन उल्लू के प्रकट होने का विवरण नहीं है। कहते हैं कि जब लक्ष्मी को धन की देवी के रूप में प्रतिष्ठा मिल गई, तो उनकी स्थान-स्थान पर पूजा होने लग गई। इस कारण उन्हें अलग वाहन की आवश्यकता अनुभव होने लगी। उन्हें भगवान विष्णु के व्यस्त रहने के कारण भी अपने उपासकों के पास जाने में विलंब होने लगा। ऐसे में लक्ष्मी के लिए ऐसे वाहन की खोज शुरू हुई, जो विष्णु के वाहन गरुड़ की तुलना में उड़ान भरने में दक्ष तो हो ही, रात में भी उड़ान भरने में समर्थ हो। क्योंकि लक्ष्मी के भक्त धन-वैभव की पूजा रात्रिकाल में ही दीपों की रोशनी में करते हैं। अब हम सब जानते ही हैं कि जीव-जगत के अधिकांश प्राणी रात में आहार-भक्षण के बाद निद्रा में लीन हो जाते हैं। केवल उल्लू ही रात में जागता है और आहार के लिए शिकार को भटकता है। गोया, निशाचर उल्लू रात में विचरण करने के कारण लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयुक्त ठहरा दिए गए और उल्लू लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयोग में आने लग गए। इन वृत्तांतों से भगवती लक्ष्मी के प्रकृति से जुड़े रूप का स्पष्ट आभास होता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

दीपावली विशेष
विवेक शुक्ला

देश में मुसलमान, ईसाई यहूदी भी मनाते हैं दिवाली

अब प्रकाश पर्व का माहौल बन चुका है। कुछ दिन के बाद सर्वत्र प्रकाश होगा। अगर कोई ये सोच रहा है कि दिवाली को सिर्फ हिन्दू ही मना रहे हैं, तो यह कहना सही नहीं होगा। दिवाली पर लाखों मुसलमान, ईसाई और यहूदी भी दीये जलाएंगे। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया को करीब 25 सालों से दिवाली पर रोशन किया जा रहा है। यहां शुरुआती वर्षों में, दिवाली पर फूलों से रंगोली बनाई जाती थी। बाद में, इधर दीये जलाने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। दरगाह को 2022 से धनतेरस पर भी रोशन किया जाने लगा है। मुंबई में हाजी अली दरगाह को भी रोशन किया जाता है। बिहार के छपरा में कई मुस्लिम परिवार हैं जो हर साल दिवाली का त्योहार मनाते हैं। दरअसल भारत एक ऐसा देश है जहां सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर रहते हैं और त्योहारों को साथ मिलकर मनाते हैं। दिवाली, हिंदुओं का प्रमुख त्योहार, भारत में अन्य धर्मों के लोगों द्वारा भी मनाया जाता है। राजधानी में प्रोटेस्टेंट ईसाइयों से जुड़ी प्रमुख संस्था दिल्ली ब्रदरहुड हाउस (डीबीएस) दीपावली के अवसर पर 1925 में बने 'ब्रदर्स हाउस को रोशन करती है। इधर गिरिजाघरों से जुड़े पादरी रहते हैं। ये अपने दिल्ली-सोनीपत की सीमा पर संचालित सेंट स्टीफंस कैंब्रिज स्कूल में भी दिवाली पर लाइटिंग करते हैं। इधर रहने वाले सभी पादरी देश के अलग-अलग भागों से हैं। ये गिरिजाघरों में पादरी का काम देखने के अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, स्कूल और दूसरे समाज सेवा के काम भी करते हैं। मूल रूप से तमिलनाडू के रहने वाले सोलोमन जॉर्ज कहते हैं, 'हम भारत में रहते हुए दिवाली से कैसे दूर रह सकते हैं? दिवाली प्यार, भाईचारे का त्योहार है, और खुद को अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का त्योहार है।' डीबीएस में रहने वाले पादर मानते हैं कि रोशनी के इस पर्व को खुशियों का पर्व भी कहा सकता है। दीपावली के आने से पहले ही सारे माहौल में प्रसन्नता छा जाती है। मशहूर लेखक तथा मौलाना आजाद उर्दू यूनिवर्सिटी के पूर्व चांसलर फिरोज बख्त अहमद कहते है, 'दीपोत्सव तो अंधकार से प्रकाश की तरफ लेकर जाने वाला त्योहार है। अंधकार व्यापक है, रोशनी की अपेक्षा। दिन के पीछे भी अंधेरा है रात का। दिन के आगे भी अंधेरा है रात का।' फिरोज बख्त अहमद भी दिवाली पर अपने घर और दफ्तर को दीयों से रोशन करते हैं। दिवाली में, मुस्लिम और ईसाई अपने हिंदू पड़ोसियों के साथ दीये जलाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। यूं तो यहूदी धर्म को इजराईल के साथ जोड़कर देखा जाता है। पर भारत के मुंबई, केरल, दिल्ली वगैरह में बसे हुए यहूदी दिवाली को मनाते हैं। राजधानी का एकमात्र जूदेह हयम सिनगॉग में छोटी दिवाली और फिर दिवाली पर दीये जलाए जाएंगे। यह सारे उत्तर भारत में यहुदियों की एकमात्र सिनगॉग है। इसके रेब्बी एजिकिल आइजेक मालेकर कहते हैं कि दिवाली पर जब अंधेरा घना होने लगेगा तो वे दीये जलाकर प्रकाश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के करीब दरगाह मटका पीर में भी दिवाली पर दीपोत्सव होगा। दिवाली पर मटका पीर में आलोक सज्जा की पुरानी रिवायत है। हज़रत शेख़ अबूबकर तूसी हैदरी क़लन्दरी का उपनाम मटका पीर इसलिए पड़ा था क्योंकि वो अपने पास एक मटका रखते थे। वो मटके का पानी लोगों को पिलाते तो लोगों के दुःख-दर्द दूर हो जाते। इसीलिए बाबा के दर्शनों के लिए लोगों की भीड़ लगने लगी। ये सिलसिला अब भी बदस्तूर जारी है। उधर, इस्लामिक विद्वान इमाम उमेर इलियासी वायरल बुखार से पीड़ित होने के बावजूद आजकल अपने साथियों को बता रहे हैं कि इंडिया गेट के करीब स्थित गोल मस्जिद के बाहर दिवाली पर दीये किस तरह से जलाए जाएंगे। यह परंपरा, उनके पिता मौलाना जमील इलियासी ने 1960 के दशक में शुरू की थी। वे ऑल इंडिया इमाम कॉन्फ्रेंस के संस्थापक थे। वे साइकिल पर मिठाई के डिब्बे खरीद कर लाते थे ताकि दिवाली से पहले उन्हें अपने दोस्तों और मुलाजिमों को बांट दें। उन्हें इंडिया गेट का फकीर भी कहते थे। शायद इसलिए कि गोल मस्जिद इंडिया गेट से चंद कदमों की दूरी पर है। राजधानी दिल्ली में स्थित बिशप हाउस पर भी दिवाली पर आलोक सज्जा की जाएगी। बिशप हाउस देश के प्रोटेस्टेंट ईसाई समाज के प्रमुख बिशप का मुख्यालय है। ये भारत की सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक है। मुस्लिम और ईसाई भी इस त्योहार को मनाते हैं, जो दर्शाता है कि भारत में धर्म की सीमाएं पार करके सभी एक साथ आ सकते हैं और त्योहारों को एक-दूसरे के साथ मना सकते हैं। यह हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हमारे लोगों के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव का प्रमाण है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है

संकलित
दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं।- आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पीढ़ियों के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

तुलसीदास जी द्वारा विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

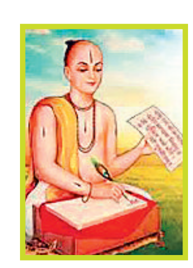

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गयी और उस हत्या के प्रायश्चित के लिए वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता था: राम राम! श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। फिर उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद पवाया, जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितो ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा वह उपाय कहिये? इसपर ब्राह्मणों ने कहाः यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहाँ शर्त रखी गयी थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहाः हे नंदीश्वर ! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिये। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया। इस चमत्कार को देखकर सभी श्री रामचंद्र जी की एवं रामनाम की जय जयकार करने लगे और श्रीतुलसीदास जी की नामनिष्ठा पर बलिहार हो गए।

अयोध्या दीपोत्सव

अयोध्या दीपोत्सव समारोह के मंगलवार को राम की पैड़ी पर नृत्य करते हुए नर्तक।

आज की पाती

जागरूकता अभियान चलाया जाए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बढ़ते साइबर ठगी के मामलों पर जो चिंता इस बार के रेडियो प्रोग्राम में जताई, वो बहुत अच्छी बात है। मोदी ने साइबर ठगी से बचने के जो उपाय बताए, उन पर लोगों को खुद भी जागरूक होना चाहिए और दूसरों को भी करना चाहिए। देश में ऑनलाइन और ऑफलाइन ऐसे फ्रॉड हो रहे हैं जो लोगों के खून-पसीने की कमाई को मिट्टी में मिला रहे हैं। कई प्रदेशों में पैसा दोगुना करने के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। इसमें कंपनी ने लोगों को पैसा डबल करने का झांसा दिया और उनके पैसे लेकर कंपनी रफ्फूचक्कर हो गई। आरबीआई ने लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए हुए हैं, फिर भी न जानें लोग क्यों झांसे में आ जाते हैं। *- मंयक झा, कांकेर*

करंट अफेयर

पाक में पोलियो टीकाकरण करने वालों पर हमला

पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में मंगलवार को पोलियो टीकाकरण दल पर हमला करने वाले तीन आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। सूत्रों ने यहां बताया कि एक अन्य घटना में आतंकवादियों ने उसी प्रांत के एक 'डिस्पेंसरी' में पोलियो टीकाकरण करने वाली टीम को बंधक बना लिया। पोलियो टीकाकरण टीम पर हमले की इस घटना से एक दिन पहले सोमवार को पाकिस्तान ने 4.5 करोड़ बच्चों के टीकाकरण के लिए अपना तीसरा राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू किया। पहली घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे औरकजई कबायली जिले में हुई, जहां पोलियो टीकाकरण कर्मियों पर हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कम से कम तीन आतंकवादियों को मार गिराया। किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। उत्तरी वजीरिस्तान की तहसील शेवा में हुई दूसरी घटना में आतंकवादियों ने ममेत कोट 'डिस्पेंसरी' में पोलियो टीकाकरण टीम को बंधक बना लिया। सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस अधिकारियों से हथियार भी जब्त कर लिए।

ऑफ बीट

घरेलू धूल के माइट से क्या होती है एलर्जी

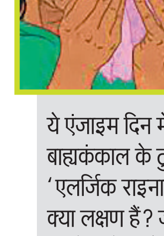

लोग अक्सर मानते हैं कि उन्हें घर की धूल से एलर्जी है। वास्तव में घर की धूल के सूक्ष्म 'माइट' (मकड़ी जैसा बहुत छोटा जंतु जो पेड़-पौधों, पशुओं, कालीनों आदि में छुपा रहता है, इसे एक किस्म का पिस्सू भी कहा जा सकता है) से एलर्जी है। घर की धूल के माइट मकड़ियों और चिचड़ के परिवार से संबंधित हैं। वे केवल 0.2-0.3 मिमी जितने होते हैं। वे 65-100 दिनों तक जीवित रहते हैं, और मादा अपने जीवन में 60-100 अंडे देती है। घर की धूल के माइट समशीतोष्ण जलवायु और नमी पसंद करते हैं। वे हमारे और जानवरों की त्वचा की कोशिकाओं को खाते हैं, साथ ही फफूंद को भी खाते हैं, जिसे वे विशेष एंजाइमों का उपयोग करके पचाते हैं। ये एंजाइम दिन में करीब 20 बार उनके मल में उत्सर्जित होते हैं। वे अपने बाह्यकंकाल के टुकड़े भी बाहर निकालते हैं। ये सभी टुकड़े इस प्रकार के 'एलर्जिक राइनाइटिस' से पीड़ित लोगों में एलर्जी के लक्षणों को बढ़ाते हैं। क्या लक्षण हैं? जब घरेलू धूल के माइट की एलर्जी से पीड़ित लोग एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों को सांस के माध्यम से अंदर लेते हैं, तो वे वायुमार्ग और आंखों की श्लेष्मा झिल्ली (म्यूकस मेम्ब्रेन) में प्रवेश कर जाते हैं।

ट्रेंड

हम कार्रवाई भी करेंगे

सेबी अध्यक्ष माधबी बुच आईसीआईसीआई से किस बात के पैसे ले रही थीं? अध्यक्ष रहते हुए असूचीबद्ध कंपनियों में शेयर कैसे रख सकती थीं? एजेंसियों ने जांच नहीं की, मीडिया ने सवाल नहीं किया, सरकार ने कार्रवाई नहीं की। हमने जांच भी की है, सवाल भी कर रहे हैं और वक्त आने पर कार्रवाई भी होगी!

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

जीवंत दर्शन का प्रतीक

सौभाग्य और स्वास्थ्य का उत्सव धनतेरस भारतीय संस्कृति के जीवंत दर्शन का प्रतीक है। 150 से ज्यादा देशों में आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है, ये प्रमाण है आयुर्वेद को लेकर बढ़ रहे वैश्विक आकर्षण का।

-अनुराग ठाकुर, भाजपा सांसद

अद्भुत डिजिटल ढांचा

भारत अपने अद्भुत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए दुनिया में अद्वितीय है। सरकार को पूरा श्रेय है। इसने ग्रामीणों के बैंक खातों में सीधे लाभ हस्तांतरण के साथ उनके जीवन को बदल दिया है।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

प्रेरणा की खुराक

'विजय 69' में अपने प्यारे और बहुत फिट दोस्त अनुपम खेर को देखकर उत्साहित हूं। 69 साल की उम्र में, वह धीमा नहीं हो रहा है। आपको प्रेरणा की खुराक (और कुछ हंसी) चाहिए, तो 8 नवंबर को इसे देखना न भूलें, केवल नेटफ्लिक्स पर!

-अक्षय कुमार, अभिनेता

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

धनतेरस पर एक ही दिन में बाजार में 4000 करोड़ से अधिक बरसे

बाजार में जमकर बरसा धन, सराफा, ऑटोमोबाइल रियल एस्टेट, इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारियों की चांदी

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

धनतेरस पर मंगलवार को राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर के बाजारों में जमकर धन बरसा। लक्ष्मी माता की हर सेक्टर में ऐसी कृपा बरसी कि एक ही दिन में चार हजार ▶▶|शेष पेज 2 पर

800 करोड़ के मकान और प्लाट बिके

रीयल एस्टेट में रायपुर के साथ ही भिलाई, दुर्ग, कोरबा, बिलासपुर सहित हर शहर में मकान और प्लाट बिके हैं। बिल्डरों के मुताबिक मकानों से ज्यादा प्लाट बिके हैं। मध्यम वर्ग में प्लाट ▶▶|शेष पेज 2 पर

बर्तन-फर्नीचर, कपड़ों का 600 करोड़ का कारोबार

सोने और चांदी के साथ धनतेरस पर बर्तनों की खरीदी को भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में खासकर तांबे, कांसे और स्टील के बर्तन भारी संख्या में बिके। इसी के साथ लोगों के किचन के काम के ▶▶|शेष पेज 2 पर

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में बरसे 700 करोड़

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में बहुत खरीदारी हुई है। लोगों ने अपनी पसंद के महंगे मोबाइल से लेकर कम कीमत वाले मोबाइल, एलईडी, कंप्यूटर, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित अन्य ▶▶|शेष पेज 2 पर

सराफा बाजार में बरसे 15 सौ करोड़

राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के सभी शहरों में सराफा बाजारा में सुबह से लेकर रात तक सोने-चांदी के सिक्कों के साथ जेवरों की भी जमकर खरीदारी हुई है। धनतेरस पर सोना संभावना से कही परे 80 हजार से पार होकर 81500 रुपए दस ग्राम रहा। चांदी भी एक लाख रुपए किलो रही। रायपुर सराफा कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी ने बताया, ▶▶|शेष पेज 2 पर

700 करोड़ के 30 हजार वाहन बिके

ऑटोमोबाइल सेक्टर में जमकर बूम रहा। राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर में एक ही दिन में करीब 30 हजार वाहन बिक गए। इसमें सबसे ज्यादा करीब 25 हजार दोपहिया वाहन बिके हैं। इनकी ही कीमत करीब ढाई सौ करोड़ है। तीन हजार से ज्यादा कारें बिकी हैं। इनकी कीमत साढ़े तीन सौ करोड़ है। इसके अलावा ऑटो, कमर्शियल वाहन, ट्रैक्टर और अन्य वाहन भी बिके इनकी कीमत भी सौ ▶▶|शेष पेज 2 पर

खबर संक्षेप

शंटिंग के दौरान ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

प्रतापगढ़। मां बेल्हा देवी धाम रेलवे जंक्शन के अंतर्गत जेल रोड क्रासिंग फाटक के पास मंगलवार की सुबह शंटिंग के दौरान एक ट्रेन के दो एसी डिब्बे पटरी से उतर गए। डिब्बे पटरी से उतर जाने की वजह से क्रासिंग लगभग छह घंटे अवरुद्ध रही। इससे लोगों को आवागमन में असुविधा हुई।

अंतरराज्यीय स्वर्ण आभूषण चोर गिरोह का भंडाफोड़

राउरकेला। ओडिशा में कीमती सामान की सफाई के नाम पर भोले-भाले लोगों से सोना ठगने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड कर पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया हैं। राउरकेला शहर के सेक्टर-7 थाने में शिकायत की जांच करते हुए गिरोह का भंडाफोड़ किया।

प्रधानमंत्री ने सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा कवर देने की शुरुआत की

अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को मिलेगा मुफ्त इलाज

बुजुर्गों के लिए 5 लाख का इलाज होगा मुफ्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धनवंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के मौके पर 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों के लिए खास तोहफा दिया है। उन्होंने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा कवर देने की शुरुआत की है। इस योजना के तहत 70 साल या उससे ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।यह योजना सभी बुजुर्गों के लिए है। चाहे उनकी आमदनी कुछ भी हो। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित कार्यक्रम ▶▶|शेष पेज 2 पर

- 4.5 करोड़ परिवारों के 6 करोड़ बुजुर्ग होंगे लाभान्वित

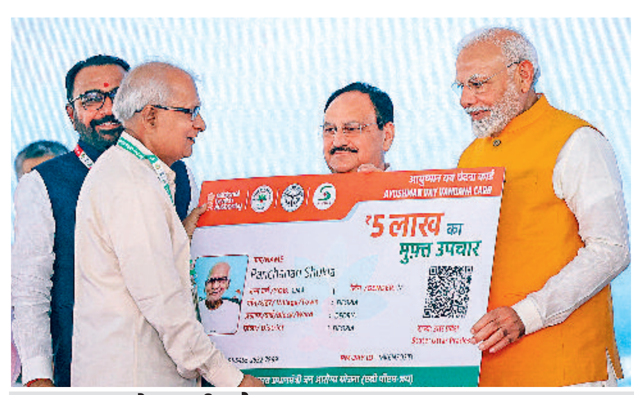

12850 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने धनवंतरी जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर लगभग 12,850 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि इस साल के आम चुनावों के दौरान उन्होंने वादा किया था कि 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाया जाएगा।

दिल्ली और बंगाल में सुविधा नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा और उन्हें 'आयुष्मान वय वंदना' कार्ड दिया जाएगा, मगर अफसोस है कि वह अन्य राज्यों में लोगों की सेवा तो कर पाएंगे, लेकिन दिल्ली और पश्चिम बंगाल में नहीं। उन्होंने कहा, मैं देश के लोगों की सेवा तो कर पा रहा हूं लेकिन राजनीतिक स्वार्थ की दीवारें मुझे दिल्ली और पश्चिम बंगाल के बुजुर्गों की सेवा करने से रोक रही हैं। मेरे दिल में कितना दर्द होता होगा, इसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर पाऊंगा। दिल्ली में 2025 और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होने हैं।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड

बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड दिया जाएगा। यह योजना एक मील का पत्थर साबित होगी। घर में अगर किसी बुजुर्ग के पास आयुष्मान वय वंदना कार्ड होगा तो परिवार का खर्च कम होगा और उनकी चिंता भी घटेगी।

किसे मिला पहला कार्ड

पीएमजेएवाय-यूपी (आयुष्मान भारत उत्तर प्रदेश) के एक्स पेज पर एक पोस्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवरिया, उत्तरप्रदेश के लाभार्थी पंचानन शुक्ला को पहला आयुष्मान वय वंदना कार्ड प्रदान किया।

जो पहले से कवर उन्हें कैसे मिलेगा लाभ

इस योजना के तहत उन सभी वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा जो पहले से ही एबी पीएम-जेएवाय के तहत कवर हैं। उन्हें 5 लाख रुपए तक का अतिरिक्त कवर मिलेगा।

इनके पास क्या विकल्प

70 साल या उससे ज्यादा उम्र का बुजुर्ग किसी अन्य स्वास्थ्य बीमा योजना जैसे कि केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना, आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का लाभ ले रहा है, तो वह योजना चुन सकता है।

धनतेरस पर पीएम मोदी ने दी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की सौगात

बिलासपुर। धन्वंतरी जयंती व नौवें आयुर्वेद दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने 240 बिस्तरों के सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का वर्चुअली लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि सीएम विष्णु देव साय रहे। इसके साथ ही देश के विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को हरी झंडी ▶▶|शेष पेज 2 पर

हॉस्पिटल का सीएम ने किया अवलोकन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हास्पिटल के अलग-अलग हिस्से में स्थापित उपकरणों का अवलोकन किया। स्वास्थ्य योजना अंतर्गत विभिन्न सामग्री एवं प्रमाण पत्र का भी वितरण किया। उन्होंने 37 ▶▶|शेष पेज 2 पर

इस दिवाली
॥ शुभ मुहूर्त आया ॥
हीरो साथ लाया

लिमिटेड पीरियड ऑफर्स

₹4500# तक की नकद छूट | ₹12000** तक विशेष लाभ (स्कूटर्स) | कम ब्याज दर @ 0%^ (स्कूटर्स) | कम डाउन पेमेंट @ ₹1999^

Toll Free Number: 1800 266 0018

India's First 5 Year Warranty* *Conditions apply

$ADDITIONAL CASH DISCOUNT AVAILABLE ON Flipkart amazon

~INSTANT CASHBACK AVAILABLE ON HDFC BANK pine labs PAY LATER

Special offers for CSD/CPC/Corporate employees. Reach us at: institutionalsales@heromotocorp.com

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Actual value may vary, offer is for a limited period only or till stock lasts. #Offer amount may vary for model/variant and states. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. Offer is for a limited period or till stock lasts. ~The 5% cashback upto ₹5000/- is applicable on minimum transaction of ₹40,000, subject to the credit card company's, T&Cs. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. $Flipkart and Amazon offers are subject to the sole discretion & T&Cs of respective organisations.

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरूनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांड़ातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरूदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरूनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 8085053343/7898813343, गोहरा पादरः गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, इरपिनारः अंशु ऑटो, 6261421161, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983

FCB INTERFACE/6878/OCT2024/HINDI

जैकेट के शेष

अजब-गजब प्रत्याशी...

कोंडागांव जिले का निवासी है, जिसने अपने समाज के लोगों को आगे बढ़ाना है सोचकर नामांकन पत्र भरा है। उसका मानना है कि चुनाव में उसे जीत मिले या नहीं, लेकिन उसके माध्यम से बस्तर और उसके समाज का नाम रायपुर में होगा। उसके लिए यही जीत होगी।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में नामांकन फार्म जमा करने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अब 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी, वहीं प्रत्याशी 30 अक्टूबर तक नामांकन वापस ले सकेंगे। इस विधानसभा सीट के लिए 46 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें निर्दलीय प्रत्याशियों की संख्या 34 है। हरिभूमि ने शनिवार को चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल करने वाले आधा दर्जन से अधिक निर्दलीय प्रत्याशियों से बातचीत कर उनके चुनाव में खड़े होने के पीछे मुख्य उद्देश्य के बारे में जानने का प्रयास किया। इसके लिए हरिभूमि ने कई प्रत्याशियों के घर जाकर और बहुतों से मोबाइल फोन पर भी संपर्क किया।

मोहल्ले वालों ने कहा इसलिए खड़ा हो गया : वीरभद्र नगर रायपुर निवासी संतोष वर्मा गरीब वर्ग से है। उसका मोहल्ले में पान ठेला है। उसका कहना है कि वह मोहल्ले वालों के कहने पर वह चुनाव लड़ रहा है। वह पहली बार कोई चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोहल्ले वालों को उम्मीद है कि वे चुनाव में जीतेंगे और मोहल्ले के साथ विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की समस्या का निराकरण करने के साथ विकास कार्य भी करेंगे। संतोष वर्मा ने कहा कि अगर वह चुनाव जीतते हैं, तो सबसे पहले वह अपने मोहल्ले में शासकीय स्कूल का निर्माण कराएंगे, क्योंकि उनके मोहल्ले के बच्चों को पढ़ने के लिए करीब एक किलोमीटर चलकर दूसरे मोहल्ले जाना पड़ता है। हालांकि नामांकन स्क्रूटनी में संतोष के नामांकन पत्र में त्रुटि पाई गई, जिसके कारण उसका नामांकन निरस्त कर दिया गया है।

समाज और बस्तर का नाम हो होगा : कोंडागांव बस्तर निवासी शंकरलाल विश्वकर्मा पेशे से हस्तशिल्प कलाकार है। वे पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनका कहना है कि बस्तर में विधानसभा चुनाव में लड़ने का उन्हें मौका नहीं मिला, लेकिन अपने समाज के लोगों को आगे बढ़ाने के साथ बस्तर का नाम हो, इस उद्देश्य से उन्होंने रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। उनका कहना है कि वे जीते या नहीं, लेकिन उनके चुनाव लड़ने से रायपुर में उनके समाज और बस्तर का तो नाम होगा।

ईडी का बड़ा...

दौरान झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव और राज्य के आबकारी सचिव थे। पुलिस की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि झारखंड शराब नीति 2022 राज्य के शराब सिंडिकेट को अवैध रूप से लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई थी, जिससे झारखंड सरकार को नुकसान हुआ। पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक टुटेजा, ढेबर, त्रिपाठी और अन्य ने एक 'सिंडिकेट' बनाया और झारखंड सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य की आबकारी नीति में संशोधन करने की साजिश रची। पुलिस के समक्ष दर्ज शिकायत के मुताबिक उन्होंने झारखंड में भारतीय और विदेशी शराब की आपूर्ति के लिए 'सिंडिकेट' के सदस्यों को ठेके दिए, जिससे धोखाधड़ी हुई और 2022 और 2023 के बीच राज्य सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। 'सिंडिकेट' पर जाली होलोग्राम के साथ बेहिसाब देसी शराब बेचने और अपनी करीबी कंपनियों को अवैध रूप से विदेशी शराब की आपूर्ति का आवंटन करने का भी आरोप है। प

रायपुर, कुम्हारी समेत चार...

एफआईआर में इनके भी नाम : झारखंड शराब घोटाला मामले में ईओडब्लू ने जो एफआईआर दर्ज की है, उनमें झारखंड के आबकारी अधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ के सेवानिवृत्त आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी तथा अन्य के नाम शामिल हैं।

एक लाख के नकली...

किया गया। राजेश को बीएनएस की धारा 179 के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय शिंदे, सउनि पीतांबर खटकर, प्रआर भूपेंद्र साहू, आर. धनीराम सलाम, रतिराम मण्डावी की अहम भूमिका रही।

जज और वकील में...

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जिसमें अदालत परिसर में अधिवक्ताओं और लाठी लिए पुलिसकर्मियों के बीच झड़प होती दिखाई दे रही है। गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया, वकीलों के एक समूह ने जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान जिला न्यायाधीश पर दबाव डालने की कोशिश की और हमला करने का प्रयास किया। मिश्रा ने कहा कि बाद में एक स्थानीय पुलिस चौकी में भी आग लगा दी गई। एक अधिवक्ता ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि वकीलों के एक समूह ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार से अग्रिम जमानत के एक मामले को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने की मांग की, जिसके लिए उन्होंने इंकार करते हुए कहा कि मामले की सुनवाई संख्या के अनुसार की जाएगी। उन्होंने दावा किया, इस पर वकील के एक समूह ने जिला न्यायाधीश के खिलाफ नारेबाजी की। मामला तब बिगड़ गया जब अदालती कार्यवाही बाधित हुई और न्यायाधीश ने पुलिस को बुलाया। पुलिस ने अदालत कक्ष में पहुंचकर लाठियां बरसाईं, जिससे 12 से अधिक वकील घायल हो गए। इस बीच, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नाहर सिंह यादव ने घटना की शिकायत इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भेजी है। जिसमें उन्होंने बताया किया है कि मंगलवार सुबह 11 बजे वकील जितेंद्र सिंह और अभिषेक यादव अग्रिम जमानत का विरोध करने के लिए अदालत पहुंचे। उन्होंने बताया कि अदालत में भीड़भाड़ होने के कारण वकीलों ने जिला न्यायाधीश से प्राथमिकता के आधार पर दलीलें सुनने या मामले को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने का आग्रह किया।

सात दिन बीते, सिम्स...

2 डीन काम कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर डॉ कमल किशोर सहारे और प्रभारी के रूप में डॉ अर्चना सिंह के बीच फाइलें घूम रही हैं। इसका असर सिम्स मेडिकल कालेज और अस्पताल दोनों पर पड़ रहा है। डॉ कमल किशोर सहारे के स्टे लेने के बावजूद शासन की ओर से स्थिति साफ करते हुए कोई आदेश अब तक जारी नहीं किया गया है। डॉ सहारे स्वशासी कार्यालय के कक्ष में बैठकर फाइलें देख रहे हैं, लेकिन नीतिगत मामलों उनकी उपस्थिति नहीं है। डॉ अर्चना सिंह अस्पताल के साथ ही मेडिकल कालेज में प्रवेश से लेकर व्यवस्था संभाल रही हैं। पूरा मेडिकल कॉलेज स्टाफ उहापोह की स्थिति में है, क्योंकि शासन से स्पष्ट आदेश नहीं है कि फाइल किसे भेजी जाए। ऐसे में व्यवस्था चौपट हो रही है।

सिम्स के स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर : 0 सिम्स में दो डीन होने के कारण सिम्स में इलाज और प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा रही है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सका है कि कर्मचारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। दोनों डीन फाइलों में साइन करते हैं, जिससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

0 डॉ सहारे 22 अक्टूबर से लगातार कार्यालय छोड़ स्वशासी कक्ष में अपना कार्यालय लगा रहे हैं, सभी फाइलें उन तक जाती हैं। उन्होंने एक सकुर्लर जारी कर कर्मचारियों को स्टे का हवाला देकर प्रभारी डीन के पास फाइल पहुंचाने से रोक कर दिया है। 0 सिम्स में हाल ही में डाक्टरों के इंटरव्यू हुए हैं, लेकिन डॉ सहारे प्रक्रिया से अलग रहे।

0 शासन के आदेश के बाद पदस्थ डीन डा रमनेश मूर्ति 1 नवंबर तक छुट्टी पर हैं, ऐसे में प्रभारी डीन के तौर पर डॉ अर्चना सिंह काम कर रही हैं, आपात स्थिति में भी वे मौजूद रहती हैं। हाल ही में एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद डॉ अर्चना ने ही छात्रा का शव गृहग्राम तक पहुंचवाया था, जबकि इस मामले को लेकर डॉ. सहारे अनभिज्ञ थे।

कौन सही- कौन गलत : राज्य शासन से लेकर सिम्स प्रबंधन के अन्य अफसर का इस विवाद को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है।डॉ सहारे की दलील है कि वे छुट्टी पर थे तभी उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। अब स्टे मिला है लिहाजा वे ही डीन हैं। दूसरी ओर राज्य शासन से नियुक्त डीन डॉ मूर्ति अभी छुट्टी पर हैं। उनके स्थान पर डॉ.अर्चना सिंह प्रभारी के रूप में काम देख रही हैं। डॉ सहारे के संबंध में राज्य शासन से सिम्स को कोई निर्देश नहीं मिले हैं। ऐसे में यह तय नहीं हो पा रहा है कि कौन सही है और कौन गलत।

डॉ. सहारे ने लगाया...

कि ऐसे में मामले में स्थिति साफ होने तक इंतजार किया जाता है, शासन के आदेश के बाद ही चार्ज लिया जा सकता है। डॉ. सहारे ने कार्यालय पहुंचते ही डॉ. रमनेश मूर्ति की नेमप्लेट फेंकवा कर बाहर अपना बोर्ड लगा दिया है, जबकि चेंबर में वे नहीं बैठ रहे हैं।

तालाब में डूबने से...

कोर्राम (14) नहाने गए थे। नहाने के दौरान अचानक एक बच्ची डूबने लगी। उसे डूबते देखकर उसे बचाने गई दोनों बच्ची भी डूब गई, तभी उसी रास्ते से आ रहे एक व्यक्ति ने मोहल्लेवासी व परिजनों को घटना की सूचना दी। सभी तालाब के पास पहुंचे। तीनों बच्चियों को पानी से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इधर घटना की सूचना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची सिहावा पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। पीएम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया है।

कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, रायपुर
नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, वाणिज्यिक कर विभाग, जी. एस. टी. भवन, प्रथम तल, अटल नगर, नवा रायपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/आब./स्था.(अराज.)/ 2024/5598 — रायपुर, दिनांक 28/10/2024

संक्षिप्त विज्ञप्ति

छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्यिकर कर (आबकारी) विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर का पत्र क्रमांक एफ 6-41/2023/ वा.क. (आब)/ पाँच, नवा रायपुर दिनांक 17.09.2024 के संदर्भ में आबकारी विभाग के लिये स्वीकृत केमिस्ट के 01 रिक्त पद की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों से दिनांक 29.11.2024 को सांय 05:00 बजे तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र भरने के पूर्व आवेदक स्वयं सुनिश्चित कर लें कि वे नियुक्ति हेतु निर्धारित अर्हता तथा अन्य शर्तों के अनुसार पात्रता रखते हैं :-

क्र.	पद का नाम	निर्धारित शैक्षणिक आर्हता
1	केमिस्ट	एम.एस.सी. रसायन शास्त्र (एनालिटिकल एक विषय के रूप में) प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण होना चाहिए ।

केमिस्ट के 01 रिक्त पद की भर्ती हेतु

क्र.	पदनाम	वेतनमान	पदों की संख्या				योग
			अ.ज.जा.	अ.जा.	अ.पि.वर्ग	अनारक्षित	
1	केमिस्ट	9300-34800 + ग्रेड पे 4300 (वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 अनुसार लेबल - 9)	निरंक	निरंक	निरंक	01	01
	कुल योग :-						01

आवेदन पत्र का प्रारूप एवं नियम व शर्तें आबकारी विभाग की वेबसाइट WWW.excise.cg.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है ।

(आबकारी आयुक्त द्वारा आदेशित) — अपर आयुक्त आबकारी छत्तीसगढ़

G-242503515/5

Directorate Urban Administration & Development
4TH Floor, D Block, Indravati Bhavan (HOD Building), Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002
Phone 0771-2222972 Email: ce.uad.cg1@gmail.com

RFP NOTICE

RFP No./DIR/2023-24/7888 NAVA RAIPUR ATAL NAGAR, DATED 28-10-2024.

"RFP for Selection of Consulting Firms/Agency/NGO/ Institute to support in implementing online SLB-PAS module for Directorate Urban Administration & Development (UAD), Chhattisgarh." (2nd Call)

Directorate Urban Administration & Development (UAD) is the Mission Directorate for implementation of all Centrally Sponsored Schemes of Urban Development in the State. Through this notice UAD invites bid for "RFP for Selection of Consulting Firms/Agency/NGO/Institute to support in implementing online SLB-PAS module for Directorate Urban Administration & Development (UAD), Chhattisgarh." (2nd Call)

Name of work	EMD	RFP Document Fee
"RFP for Selection of Consulting Firms/Agency/NGO/ Institute to support in implementing online SLB-PAS module for Directorate Urban Administration & Development (UAD), Chhattisgarh." (2nd Call)	INR 1,00,000/-	INR 10,000/-

1. RFP documents can be seen on the website http://uad.cg.gov.in and downloaded from the said portal.
2. The RFP can be postponed or cancelled at any time due to administrative reasons and no claim shall be entertained on this account.
3. Modifications/Amendments/Corrigendum, if any shall not be advertised in the newspaper but shall be published in the departmental website only. The undersigned reserves the right to change the terms and conditions, select/reject any application without assigning any reason thereof.
4. The eligible bidder may submit their bid with the RFP document along with EMD as detailed in RFP document. The Bid must be delivered through Registered post/Speed post only on address below to reach by 14/11/2024 by 3:00 PM. No personal delivery will be entertained.

Note: 1. Corrigendum's and addendum's issued during the 1st Call of this RFP have been incorporated in the 2nd Call.

-SD/-
Chief Engineer
Urban Administration & Development,
Chhattisgarh, Nava Raipur Atal Nagar

G-242503502/2

पेज एक के शेष

बाजार में जमकर बरसा धन...

करोड़ के आसपास कारोबार हो गया। सबसे ज्यादा 1500 करोड़ की खरीदी सराफा में हुई है। वहीं ऑटोमोबाइल सेक्टर में करीब 700 करोड़ के 30 हजार वाहन बिके हैं। रीयल एस्टेट में 800 करोड़ के घर और प्लाट बिके हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल सेक्टर में 700 करोड़ का कारोबार हुआ। इसके अलावा बर्तन, फर्नीचर, कपड़ा बाजार, मिठाई और गिफ्ट आइटम को मिलाकर 600 करोड़ का कारोबार हुआ है।

राजधानी रायपुर के साथ प्रदेश के सभी शहरों के बाजार में धनतेरस पर हर सेक्टर का बाजार सुबह से लेकर रात तक गुलजार रहा। राजधानी रायपुर में इतनी ज्यादा भीड़ रही कि लोगों को खरीदारी के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ा। हर सेक्टर के कारोबारी की चांदी हुई है। कारोबारियों की उम्मीद से ज्यादा का कारोबार हर सेक्टर में हुआ है।

800 करोड़ के मकान...

का क्रेज ज्यादा है। मकानों में एक से लेकर तीन करोड़ के मकान भी बहुत बिके हैं। इसी के साथ 20 से लेकर 50 लाख तक के मकान मध्यम वर्ग ने लिए हैं। प्लाट भी 20 लाख से एक करोड़ तक के बिके हैं।

बर्तन-फर्नीचर, कपड़ों का...

अन्य आइटम भी खरीदे हैं। फर्नीचर की जमकर बिक्री हुई है। फर्नीचर में लकड़ी के साथ स्टील के आइटम भी बिके। कपड़ों की भी अच्छी खरीदी हुई है। तीनों सेक्टरों को मिलाकर छह सौ करोड़ का कारोबार हो गया है। पंडरी कपड़ा बाजार के चंदर विधानी के मुताबिक तीन सौ करोड़ का कपड़ों और रेडीमेड का कारोबार हुआ है।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में...

इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स की जमकर खरीदारी की है। मालवीय रोड व्यापारी संघ के राजेश वासवानी के मुताबिक मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिलाकर पूरे प्रदेश में 700 करोड़ का कारोबार हुआ है।

सराफा बाजार में...

सोने से ज्यादा चांदी के सिक्के बिके है। इसी के साथ अष्टलक्ष्मी लोटा, श्रीयंत्र, कुबेर यंत्र, लक्ष्मी-गणेश मूर्ति, कछुआ की ज्यादा बिक्री हुई है। चांदी के गिफ्ट आइटम भी खूब बिके हैं।

700 करोड़ के 30 हजार...

करोड़ है। फाडा के छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विवेक गर्ग के बीते साल से ज्यादा अच्छा कारोबार हुआ है। जीके होंडा के संचालक पुनीत पारवानी के मुताबिक प्रदेश भर में 25 हजार दोपहिया वाहन बिकने का अनुमान है।

अब 70 वर्ष से अधिक उम्र...

में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के नागरिकों को भी शामिल करने की योजना की शुरुआत की। इस योजना से सभी आय वर्गों के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। पीएम मोदी ने कहा, मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुजुर्ग से क्षमा मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मुझे पता तो चलेगा कि आपको कष्ट है, लेकिन मैं आपकी मदद नहीं कर पाऊंगा। उन्होंने कहा, कारण अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकार 'आयुष्मान भारत योजना' से जुड़ नहीं रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए अपने ही राज्य के बीमार लोगों के साथ 'जुल्म करने की प्रवृत्ति' मानवता की दृष्टि से किसी भी तराजू पर खरी नहीं उतरती। मोदी ने कहा कि देश भर में 14,000 से अधिक प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र संचालित हैं, जहां दवाएं 80 प्रतिशत छूट पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इन जनऔषधि केंद्रों के कारण गरीब और मध्यम वर्ग सस्ती दवाओं की उपलब्धता के कारण 30,000 करोड़ रुपये बचाने में कामयाब रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, स्टेंट और घुटना प्रत्यारोपण जैसे उपकरणों की कीमतों में कमी की गई है, जिससे आम नागरिकों द्वारा 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की गई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि निःशुल्क डायलिसिस योजना और मिशन इंद्रधनुष अभियान घातक बीमारियों को रोक रहे हैं और गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के जीवन को बचा रहे हैं। मोदी ने बीमारियों से जुड़े जोखिम और असुविधाओं को कम करने के लिए समय पर निदान के महत्व पर जोर दिया।

धनतेरस पर पीएम मोदी ने...

दिखाते हुए प्रधानमंत्री ने 1200 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। भव्य कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान, भूपेंद्र सवन्नी, हर्षिता पांडे उपस्थित रहे। इस दौरान अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, कलेक्टर अवनीश शरण, एसपी रजनेश सिंह, सुपर स्पेशियालिटी हास्पिटल के अधीक्षक डॉ बीपी सिंह, सिम्स की प्रभारी डीन अर्चना सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

भारत की स्वास्थ्य समृद्धि विख्यात : पीएम : कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य समृद्धि पूरे विश्व में विख्यात है, पूरी दुनिया के लोग योग और पंचकर्म अपना रहे हैं। भारत सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

डॉ. रमन की योजना फिर से होगी शुरू : सीएम साय ने कहा कि साल 2018 से पहले बीजेपी की सरकार बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करता रही है, उन्होंने कहा कि रामलला के साथ ही अब हर लोगों को तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। इसमें 60 से अधिक वर्ष के लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह योजना राज्य सरकार द्वारा फिर से शुरू की जा रही है।

यह मिलेगी सुविधा : हास्पिटल में 200 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाया गया है। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा 109 करोड़ का ठेका किया गया था, जबकि 90 करोड़ रूपए की लागत से अबतक उपकरण लगाए गए हैं। 11 मंजिली बिल्डिंग में सीटी स्कैन, एमआरआई, डिजिटल एक्स-रे, कलर डॉपलर टीएमटी मशीन जैसी सुविधाएं हैं। 240 बिस्तर के अस्पताल में 70 आईसीयू एवं आईसीसीयू बेड रहेंगे। साथ ही 8 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर भी बनाए गए हैं। अस्पताल में न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, पल्मनोलॉजी और जनरल मेडिसीन सहित चार ओपीडी मंगलवार से शुरू हो चुके हैं। इसके साथ ही मरीजों के लिए ब्लड बैंक और पैथोलॉजी लैब भी शुरू किया गया है।

हॉस्पिटल का सीएम...

हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्रायसिकल, दूरस्थ अंचलों में संचालित हेतु दो बाइक एंबुलेंस, 5 सिकल कार्ड, 5 आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। स्वास्थ्य केंद्र में बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित वाले 7 केंद्रों को एनक्यूएएस प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिला अस्पताल सहित 3 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करगी कला, हरदी कला, नवागांव सलका तथा 3 उप स्वास्थ्य केंद्र मिट्ठू नवागांव, मझवानी, पेंडरवा शामिल है।

राशिफल

मेष — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। यात्रा से कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मिथुन — आत्मविश्वास बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क — मन में निराशा एवं असन्तोष भी रहेगा। कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह — परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी।

कन्या — कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। आय में वृद्धि होगी।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें। जीवनसाथी से मनमुटाव रहेगा।

वृश्चिक — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती है। सचेत रहें। लाभ के अवसरों में बढ़ोतरी होगी।

धनु — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर समुचित ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

मकर — परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। परिश्रम अधिक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं से चिंतित रहेंगे।

कुंभ — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु आलस्य की अधिकता भी हो सकती है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। साक्षात्कारादि में सफलता मिलेगी।

मीन — संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। किसी क्षेत्र में निवेश के अवसर प्राप्त होंगे।

पूर्व तट रेलवे

01) निविदा सूचना सं. WAT-TRD-25-24-25 DT221024

कार्यस्थल के साथ कार्य का नाम : वाल्टियर मंडल के दुव्वाडा, सिम्हाचलम नर्थ, विजयनगरम, पोंडुरु और नौपाड़ा TSS में 132/24KV, 21.6 MVAट्रैक्शन पावर ट्रांसफार्मर्स की 6 संख्यक का आवधिक ओवरहॉलिंग (POH)।

निविदा मूल्य (₹): 1,44,87,324.00, EMD (₹): 2,22,400/-, निविदा फॉर्म की लागत (₹): 5,900/-

02) निविदा सूचना सं. WAT-TRD-97-23-24 DT221024

कार्यस्थल के साथ कार्य का नाम : विभिन्न पोर्सिलेन इंसुलेटर्स को 1600 सीडी कंपोजिट इंसुलेटर्स से बदलने और वाल्टियर मंडल के NTPC साइडिंग में प्रदूषित क्षेत्र में विभिन्न इंसुलेटर्स की सफाई और विश्वसनीयता में सुधार के लिए अन्य कार्य।

निविदा मूल्य (₹): 80,29,940.00, EMD (₹): 1,60,600/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक : 13.11.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट http:// www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD)/ वाल्टियर

PR-674/P/24-25

कार्यालय नगरपालिका परिषद् नारायणपुर, जिला-नारायणपुर (छ.ग.)
दूरभाष- 07781-252278 Email- cmonarayanpur@rediffmail.com

क्रमांक /1671 / मु0न0अ0 / न.पा. परि. / 2024 — नारायणपुर, दिनांक 29/10/2024

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नगरपालिका परिषद नारायणपुर में निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल पद्धति निविदा पंजीकृत डाक/ स्पीडपोस्ट से त्री लिफाफा पद्धति में सीलबंद निविदाएं अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 19/11/2024 साय 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 20/11/2024 सायं 5.30 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि - 25/11/2024 अपरान्ह 3.00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 25/11/2024 सायं 5.30 बजे

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	निकाय क्षेत्रान्तर्गत अटल परिसर कार्य	30.00	22500.00	03 माह	सक्षम श्रेणी	1500.00
2	नगर क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्र.01 से 07 तक भवन, सड़क एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्य लोक निर्माण विभाग में प्रचलित भवन एवं रोड एस.ओ.आर. प्रभावशील दिनांक 01.01.2015 के प्रचलित दर पर	15.00	11300.00	31 मार्च 2025	सक्षम श्रेणी	750.00
3	नगर क्षेत्रान्तर्गत नगर क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्र. 08 से 15 तक भवन, सडक एवं आर. सी. सी. नाली निर्माण एवं मरम्मत कार्य लोक निर्माण विभाग में प्रचलित भवन एवं रोड एस.ओ. आर. प्रभावशील दिनांक 01.01.2015 के प्रचलित दर पर	15.00	11300.00	31 मार्च 2025	सक्षम श्रेणी	750.00

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोवर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी वेबसाईट पोर्टल https://uad.cg.gov.in एवं नगरपालिका परिषद् नारायणपुर में कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् नारायणपुर

वन विभाग छत्तीसगढ़ बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर

नीलाम विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 04.11.2024 को इमारती काष्ठ का नीलाम रखा गया है। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, नीलाम में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर नीलाम से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया बोली लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बोली लगावें । नीलाम में लॉट पर बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि 10 प्रतिशत के बराबर या 1000/- रूपये, इनमें से जो भी अधिक हो बयाने की राशि जमा करना अनिवार्य है। वर्ष 2024 का पंजीयन एवं फर्म का पेन नम्बर एवं जी.एस.टी. नम्बर की प्रति सत्यंकार कक्ष में जमा करें। **काष्ठागार सरगीपाल नीलाम समय 9.00 बजे प्रातः दिनांक 04.11.2024**

काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा		
	पुराना काष्ठ		
	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4
सागौन	441.231	2085	2160
साल	2778.192	180	364
बीजा	137.272	7	0
साजा	13.276	0	0
हल्दु	14.396	0	0
शीशम	0.000	0	0
सिवना	0.000	0	0
तिंसा	6.139	0	0
नीलगिरी	0.000	0	0
धावड़ा	11.776	0	0
अन्य	29.491	0	0
पाईन	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0
मुलायम काष्ठ	8.132	0	0
योगः-	3439-905	2272	2524

नया मिश्रित जलाऊ - 600 चट्टा
औद्योगिक बांस - 54.500 नो.टन

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

G-242503510/3

शब्द पहेली - 5677

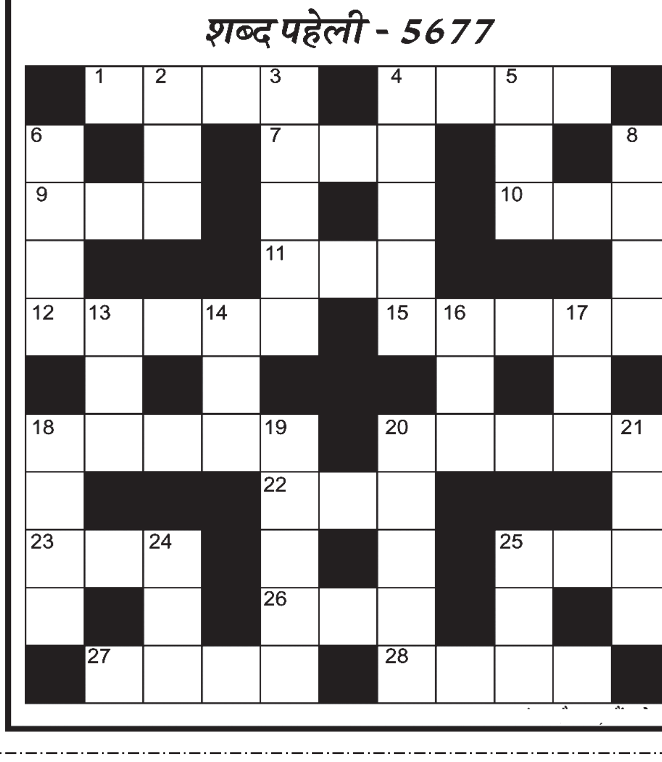

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -5676 का हल

सूडोकु नवताल - 5690
★★★★★ कठिनतम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5689 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

MANGA, SENACHA, BANGA, ORE

विदेश मंत्री जयशंकर ने भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों पर सचेत रहने का किया आग्रह

सेना कमांडरों के दो दिवसीय सम्मेलन में सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सेना कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा चरण नई दिल्ली में संपन्न हुआ। 28 और 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित इस चरण में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीमा सुरक्षा और भीतरी इलाकों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण रणनीतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन में 'भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विकसित भू-राजनीतिक परिदृश्य और अवसर' विषय पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संबोधित किया। डॉ. जयशंकर ने भारत को प्रभावित करने वाली जटिल वैश्विक और भू-राजनीतिक गतिशीलता को रेखांकित किया। उन्होंने सशस्त्र बलों से देश की अपेक्षाओं और वर्तमान विश्व व्यवस्था के विरोधाभासों और चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला, जिससे भारत के रणनीतिक हितों के अनुरूप एक प्रगतिशील, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बल सुनिश्चित किया जा सके।

तेजस विमान के लिए अमेरिकी जीई इंजन की आवक में देरी से नाखुश भारत, लगाया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के उन्नत संस्करण मार्क 1ए की प्रचंड हवाई गर्जना से दुश्मनों के थरथर कांपने का भारत का सपना फिलहाल जल्द पूरा होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। क्योंकि इसके लिए एफ-404-आईएन20 इंजन की सप्लाई करने वाली अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) अपनी तय समय सीमा से दो साल पीछे चल रही है। इससे बुरी तरह से नाराज भारत ने कंपनी को सबक सिखाने के लिए उस पर जुर्माना लगा दिया है। रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के सूत्रों ने बताया कि पहले जीई को पिछले साल अप्रैल महीने में वायुसेना के जंगी बेड़े को मजबूती प्रदान करने के लिए बनाए जा रहे तेजस विमानों के लिए इंजन की सप्लाई करनी थी।

पीएम, रक्षा मंत्री ने मुद्दे को उठाया : सूत्रों ने कहा कि इस मामले को बीते समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी अमेरिका की यात्रा के दौरान बाइडन प्रशासन के समक्ष उठाया था। 2023 की समय सीमा से चूकने के बाद अमेरिका की कंपनी ने तेजस के लिए भारत को इस वर्ष अप्रैल तक इंजन सौंपने का वादा किया था। लेकिन वो अपनी इस समय सीमा को भी पूरा नहीं कर पाई।

2021 में हुआ था समझौता

यहां बता दें कि वर्ष 2021 में रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 83 तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए कुल करीब 48 हजार करोड़ रुपए का एक समझौता किया था। इसके बाद इंजन के लिए अमेरिकी कंपनी जीई से अनुबंध किया गया। जानकारों का कहना है कि तेजी से बढ़ती सीमाई सुरक्षा चुनौतियों के बीच वायुसेना पहले से ही युद्धक विमानों की कुल 42 स्क्वाड्रन की तुलना में 32 स्क्वाड्रन से काम चला रही है। अगर जीई की तरफ से जल्द तेजस के लिए इंजन की आपूर्ति शुरू नहीं की जाती है तो भारत की तरफ से यह समझौता रद्द भी किया जा सकता है।

ईरानी मूल के जर्मन कैदी को आतंकवादी मामले में फांसी

दुबई। ईरानी सुरक्षा बलों द्वारा दुबई में 2020 में अगवा किए गए ईरानी मूल के जर्मन कैदी जमशीद शर्महद को आतंकवाद के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद ईरान में फांसी दे दी गई। 69 वर्षीय शर्महद हाल के वर्षों में विदेश में रह रहे कई ईरानी असंतुष्टों में से एक थे, जिन्हें या तो धोखे से या अपहरण करके ईरान वापस लाया गया था, क्योंकि तेहरान ने विश्व शक्तियों के साथ 2015 के परमाणु समझौते के टूटने के बाद असंतुष्टों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना शुरू कर दिया था। शर्महद की फांसी पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ जवाबी हमला शुरू करने के दो दिन बाद हुई है।

चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव को लेकर कांग्रेस के आरोपों को बताया निराधार तथा तथ्यहीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के बारे में कांग्रेस के आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। ईसीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण त्रुटिहीन था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। ईसीआई अधिकारियों के जवाब में 1642 पृष्ठों के साक्ष्य शामिल हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें कमीशनिंग के समय बैटरी रखना और उसके बाद 7-8 दिनों तक लगातार गिनती खत्म होने तक शामिल था। ईवीएम में बैटरी डिस्प्ले की स्थिति के बारे में पूरी तरह से बेतुकी बात को खारिज करते हुए, चुनाव आयोग ने साफ किया कि बैटरी वोल्टेज और क्षमता का ईवीएम द्वारा वोट गिनती से कोई संबंध नहीं है। ऐसा कोई भी संदेह कि बैटरी का स्तर मतदान परिणामों को प्रभावित करता है, बेतुका है।

कार्यालय कलेक्टर जिला कोण्डागांव एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-:: अधिसूचना ::-

क्रमांक 6037/20211020140032 /अ-82 / भू-अर्जन / 2021-22

कोण्डागांव, दिनांक 25/10/2024

चूंकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की ग्राम-उरंदाबेड़ा / बारदा, तहसील-फरसंगांव भू-अर्जन अन्तर्गत बड़ेडोंगर- उरंदाबेड़ा - कोनगुड़ मार्ग के नदी पर सेतुमय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्राम-उरंदाबेड़ा की निजी भूमि रकबा 0.678 हे. एवं ग्राम - बारदा की निजी भूमि रकबा 0.396 हे. इस प्रकार कुल रकबा 1.074 हे. भूमि की आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है

-: अनुसूची :-

1. भूमि का वर्णन -
1. जिला - कोण्डागांव
2. तहसील - फरसगांव
3. ग्राम - उरंदाबेड़ा / बारदा
4. भूमि का क्षेत्रफल - 0.678 हेक्टेयर / 0.396 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	प्रभावित रकबा (हेक्टेयर में)
ग्राम - उरंदाबेड़ा		
4/3 क	1.086	0.056
4/3 ग 1	1.086	0.040
4/2	0.809	0.146
7/1	0.809	0.089
45	1.376	0.202
4/2ख	0.538	0.028
43/2ख	0.226	0.097
43/2ड./1	0.162	0.020
योग :- 08	**6.092**	**0.678**
ग्राम - बारदा		
44/4/झ	1.052	0.202
44/4/च	2.651	0.101
43/5	1.011	0.093
योग :- 03	**4.714**	**0.396**

2-भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) फरसगांव के कार्यालय में किया जा सकता है। 3- उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नहीं है ।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(कुणाल दुदावत)
कलेक्टर जिला - कोण्डागांव
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G-242503523/1

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल - 462016 (म.प्र.)

प्रवेश सूचना

एम.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) 2.5-वर्षीय कार्यक्रम सत्र 2024-27 (RCI से मान्यता प्राप्त)

अर्हता :- (a) वह अभ्यर्थी जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विकलांगता क्षेत्र दृष्टि बाधित (VI), श्रवण बाधित (HI), बौद्धिक विकलांगता (ID), अधिगम अक्षमता (LD) में न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.एड. (विशेष शिक्षा) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो या किसी भी संबद्ध विश्वविद्यालय और/या UGC द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय के तहत शिक्षण विभाग से RCI पंजीकरण के साथ B.Ed. (विशेष शिक्षा) के समकक्ष मानी जाने वाली कोई अन्य डिग्री उत्तीर्ण की हो।

(b) वह अभ्यर्थी जिसने बी.एड. सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संबंधित विकलांगता क्षेत्र में विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (D.Ed. Spl. Edu.-VI/HI/ID/LD) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो और प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50% अंकों के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

(c) विशेष शिक्षा में पी.जी. डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी (शैक्षणिक सत्र 2014-15 तक)।

(d) बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम., बी.एड. (विशेष शिक्षा) (4 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण छात्र।

(e) उपरोक्त के साथ अभ्यर्थी के पास वैध आर.सी.आई. पंजीकरण होना चाहिये।

कार्यक्रम शुल्क - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रुपये 55000/- एवं पंजीयन शुल्क रुपये 2000/-

प्रवेश परीक्षा - ऑफलाइन माध्यम से **दिनांक 10.11.2024 समय 12.00 बजे** आयोजित होगी।

एम.एड. (विशेष शिक्षा) कार्यक्रम के प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन - आवेदन दिये गये link-**https://forms.gle/RSpJwDy4txhufXoEA** के माध्यम से **दिनांक 29.10.2024 से 07.11.2024 तक** ऑनलाइन भरे जायेंगे, परीक्षा हेतु योग्य अभ्यर्थियों की सूची **दिनांक 08.11.2024 को** विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.mpbou.edu.in** पर प्रकाशित होगी।

नोट - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्गों के लिये स्थान आरक्षण सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.mpbou.edu.in** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/117123/2024

कुलसचिव

विशेष रेलगाड़ियाँ दिनांक 30.10.2024

ट्रेन संख्या	से	प्रस्थान का समय	तक
1481	पूणे	19:55:00	दानापुर
1282	दानापुर	10:45:00	पूणे
1143	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	10:03:00	दानापुर
1144	दानापुर	21:03:00	लोकमान्य तिलक टर्मिनल
1146	आसनसोल	21:00:00	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल
1418	कोहलापुर सी साहु महाराज	22:00	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल
1046	प्रयागराज	18:05:00	लोकमान्य तिलक टर्मिनल
1053	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	12:15:00	वाराणसी
1415	पूणे	06:05:00	गोरखपुर
1416	गोरखपुर	17:03:00	पूणे
1079	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल	22:03:00	गोरखपुर
1080	गोरखपुर	14:03:00	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल
1433	पूणे	09:45:00	धारका बालाजी
1068	करीमनगर	19:05:00	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल
1205	पूणे	15:05:00	दानापुर
1206	दानापुर	05:03:00	पूणे
1207	नागपुर	10:04:00	समस्तीपुर
1176	सावंतवाड़ी रोड	23:25:00	पूणे
1177	पनवेल	09:04:00	सावंतवाड़ी रोड
1452	करीमनगर	06:00	पूणे
1025	दादर	14:05:00	बलिया
1026	बलिया	15:15:00	दादर
1020	गोरखपुर	00:45:00	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल
1139	नागपुर	15:05:00	मडगावं
2832	भुवनेश्वर	20:55:00	धनबाद
2831	धनबाद	16:00:00	भुवनेश्वर
8579	विशाखापट्नम	19:00:00	सिकन्दराबाद
8539	विशाखापट्नम	08:20:00	कोल्लम
8311	सम्बलपुर	18:45:00	ईरोड
8507	शालीमार	05:00:00	विशाखापट्नम
2397	गया	14:15:00	आनंद विहार टर्मिनल
2398	आनंद विहार टर्मिनल	08:02:00	गया
3253	पूणे	15:00:00	सिकन्दराबाद
07255/ 07256	हैदराबाद/ सिकन्दराबाद	22:50:00/ 21:00:00	पूणे
2393	पूणे	20:01:00	नई दिल्ली
2394	नई दिल्ली	13:02:00	पूणे
3325	धनबाद	10:01:00	कानपुर
5219	मुजफ्पुर	13:03:00	आनंद विहार
5220	आनंद विहार	08:00:00	मुजफ्फरपुर
5283	मुजफ्फरपुर	06:03:00	आनंद विहार
5284	आनंद विहार	07:00:00	मुजफ्फरपुर
3310	जम्मू तवी	23:25:00	धनबाद
3245	दानापुर	15:00:00	एसएमवीटी बेंगलुरु
3252	एसएमवीटी बेंगलुरु	23:50:00	दानापुर
3027	हावड़ा	23:55:00	न्यु जलपाईगुड़ी
3136	पूणे	12:15:00	कोलकाता
3510	खातीपुरा	14:03:00	आसनसोल
3484	नई दिल्ली	10:03:00	भागलपुर
4132	एसएमवीटी बेंगलुरु	07:01:00	प्रयागराज
1927	कानपुर	12:30:00	मदुरई
4123	प्रयागराज	14:30:00	हजरत निजामुद्दीन
5109	छपरा	17:45:00	आनंद विहार
5005	गोरखपुर	14:04:00	अमृतसर
5097	तेलप्रोलु	18:25:00	दौराई
5021	टनकपुर	18:25:00	उधना जं.
5003	गोरखपुर	21:15:00	नई दिल्ली
5038	आनंद विहार टर्मिनल	11:10:00	भुवनेश्वर
5636	गया	18:15:00	श्रीनगर
5671	गया	15:00:00	आनंद विहार टर्मिनल
5736	कटिहार	21:00:00	अमृतसर
4075	नई दिल्ली	23:45:00	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
4096	आनंद विहार टर्मिनल	09:00:00	अयोध्या कैन्ट
4059	जयनगर	17:00:00	आनंद विहार टर्मिनल
4067	दरभंगा	18:00:00	दिल्ली
4678	फिरोजपुर	13:25:00	पटना
4553	सहारनपुर	04:04:00	अंबाला
4554	अंबाला	20:02:00	सहारनपुर
4022	आनंद विहार टर्मिनल	11:04:00	सीतामढ़ी जंक्शन
4031	सहरसा जंक्शन	13:00:00	आनंद विहार टर्मिनल
4043	गोरखपुर	17:25:00	आनंद विहार टर्मिनल
4217	वाराणसी जंक्शन	06:25:00	लखनऊ
4218	लखनऊ	16:03:00	वाराणसी जंक्शन
2246	हजरत निजामुद्दीन	23:55:00	पटना
4047	कटिहार	18:00:00	आनंद विहार टर्मिनल
2252	नई दिल्ली	07:25:00	पटना
2270	लखनऊ	14:15:00	छपरा
2269	छपरा	22:20:00	लखनऊ
2247	पटना	07:30:00	नई दिल्ली
4051	जयनगर	18:00:00	नई दिल्ली
4054	नई दिल्ली	14:20:00	बरौनी
4608	जम्मू तवी	20:20:00	हावड़ा
4036	नई दिल्ली	12:00:00	भागलपुर

ट्रेन संख्या	से	प्रस्थान का समय	तक
4034	दिल्ली	23:45:00	जयनगर
2262	नई दिल्ली	00:20:00	राजगीर
2261	राजगीर	23:20:00	नई दिल्ली
9627	अजमेर जंक्शन	09:00:00	सोलाहपुर
4711	बीकानेर	13:25:00	बांद्रा टर्मिनस
9723	जयपुर	08.01:00	बांद्रा टर्मिनस
9603	उदयपुर सिटी	01:05:00	श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा
4706	जयपुर	13:05:00	श्रीगंगानगर
4705	श्रीगंगानगर	23:45:00	जयपुर
9721	जयपुर	06:15:08	उदयपुर सिटी
9722	उदयपुर सिटी	15:05:00	जयपुर
9639	मदार जंक्शन	04:03:00	रोहतक
9640	रोहतक	13:02:00	मदार जंक्शन
9733	जयपुर	07:00:00	भिवानी
9734	भिवानी	16:05:00	जयपुर
9655	अजमेर जंक्शन	19:55:00	वलसाड
4813	भगत की कोठी	17:20:00	दानापुर
7487	सिकंदराबाद	19:04:00	चैन्नई
7625	नादेड़	23:00:00	पनवेल
7517	सिकंदराबाद	17:00:00	नागरसोल
7651	जालना	23:03:00	छपरा
7695	सिकंदराबाद	21:01:00	रामनाथपुरम
7192	मदुरई	05:03:00	कचेगुड़ा
7193	सिकंदराबाद	18:04:00	कोल्लम
7007	सिकंदराबाद	15:15:00	रक्सौल
7222	सांतरागाछी	12:02:00	सिकंदराबाद
7166	कटक	22:03:00	हैदराबाद
7445	काकीनाडा	21:01:00	लिंगमपल्ली
7195	काजीपेट	15:00:00	दादर
7650	मुजफ्फरपुर	04:50:00	चेर्लापल्ली
7069	सिकंदराबाद	07:25:00	सांतरागाछी
7176	गोरखपुर	08:10:00	सिकंदराबाद
2842	चेन्नई सेंट्रल	04:03:00	शालीमार
8629	राँची	16:50:00	गोरखपुर
8294	लोकमान्य तिलक	11:50:00	बिलासपुर जं.
6089	चेन्नई सेंट्रल	13:03:00	सांतरागाछी
6098	अम्बाला कैंट	15:30:00	चेन्नई सेंट्रल
6084	सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल	12:45:00	कोचुवेली
6547	यशवंतपुर जंक्शन	19:03:00	बेलगाम
6567	मैसूरू जंक्शन	18:00:00	विजयापुरम
6587	सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल	17:45:00	भगत की कोठी
6533	सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल	21:15:00	कारवार
6209	क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण	07:30:00	चेन्नई सेंट्रल
6210	चेन्नई सेंट्रल	16:00:00	क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण
6597	सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल	13:00:00	कारवार
6565	यशवंतपुर जंक्शन	23:50:00	मंगलौर जंक्शन
7374	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:15:00	हुबली जंक्शन
7324	हुबली जंक्शन	08:00:00	यशवंतपुर जंक्शन
7323	यशवंतपुर जंक्शन	17:15:00	कालाबुरगी
6216	कोट्टयम	11:10:00	यशवंतपुर जंक्शन
7335	बेलगाम	12:30:00	मनुगुरु
7336	मनुगुरु	15:40:00	बेलगाम
1662	दानापुर	11:45:00	रानी कमलापति
1705	जबलपुर	19:35:00	दानापुर
9059	सूरत	14:02:00	ब्रह्मपुर
9056	उधना जं.	16:15:00	बांद्रा टर्मिनस
9055	बांद्रा टर्मिनस	09:05:00	उधना जं.
9112	गोरखपुर	05:00:00	वडोदरा जंक्शन
9051	दादर	00:05:00	भुसावल जंक्शन
9052	भुसावल जंक्शन	17:04:00	दादर
9057	उधना जं.	20:00:00	मंगलौर जंक्शन
9324	इन्दौर जंक्शन	11:15:00	पूणे
9075	मुंबई सेंट्रल	11:00:00	काठगोदाम
9525	हापा	00.04:00	नाहरलगुन
9183	मुंबई सेंट्रल	22:05:00	वाराणसी
9033	उधना जं.	20:35:00	बरौनी जंक्शन
9034	बरौनी जंक्शन	09:25:00	उधना जं.
9524	दिल्ली छावनी	13:02:00	ओखा
9321	डॉ. आम्बेडकर नगर	10:03:00	श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा
9313	उज्जैन जंक्शन	21:00:00	भोपाल जं.
9314	भोपाल जंक्शन	02:01:00	उज्जैन जंक्शन
9044	गोरखपुर जंक्शन	13:00:00	दहानू रोड
9061	उधना जं.	22:00:00	गाजीपुर सिटी
9027	बांद्रा टर्मिनस	11:00:00	मालदा टाउन
9445	साबरमती	22:00:00	लखनऊ ने
9597	राजकोट जंक्शन	15:15:00	गोरखपुर जंक्शन
9116	गया	10:00:00	वडोदरा जंक्शन
9004	दिल्ली जंक्शन	11:45:00	मुंबई सेंट्रल
9017	उधना जं.	21:40:00	महुवा जंक्शन
9040	जयनगर	11:30:00	उधना जंक्शन
9449	अहमदाबाद जंक्शन	22:00:00	गोरखपुर जंक्शन
9125	वडोदरा जंक्शन	00:25:00	छपरा

भारतीय रेल
WWW.indianrailways.gov.in
हमें फॉलो करें /RailMinIndia

परंपरा

डा. राघवेन्द्र कुमार ' राज '

भाइयों की दीर्घायु होने का महापर्व'-भाईदूज

चतुर्मास का अंतिम पवित्र मास कार्तिक मास आराधना और उपासना के लिए प्रख्यात रहा है।जो योग निद्रा की जागृति का प्रतीक है।धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी कार्तिक मास महत्वपूर्ण रहा है।सदियों से कार्तिक मास का आगमन अखंड प्रेम, अटूट बंधन, अनन्य आस्था की दिव्य आलोक पर्व के साथ होता चला आया है। साहस, आमोद -प्रमोद,शक्ति और आनंद का अद्भुत संचार भारतीय लोकपर्व 'दीपोत्सव' के रूप में दृष्टिगोचर होने लगता है। 'दीपोत्सव' के हृदयस्थल पर अवस्थित लोकपर्व 'भाई दूज' वास्तव में भाइयों की दीर्घायु होने की सद्षेणाओं का महापर्व ही है।कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि भ्रातृ द्वितीया, भाई दूज और यम द्वितीया के नाम से जानी जाती रही है। इसे छत्तीसगढ़ अंचल में 'मातर पर्व' के रूप में भी मनाया जाता है। मोहन जोदड़ों सभ्यताकालीन युग में मातृ देवी के पावन चरणों में दीप प्रज्जवलन की बड़ी प्राचीन परंपरा रही है। जो आज पर्यन्त चली आ रही है। मां के चरणों में समर्पित आराधना और साधना का पर्व ही 'मातर पर्व' है। लौकिक धरातल की दृष्टि से देखा जाए तो यह पर्व ग्राम्य पर्व ही है। जो लोगों को उमंग और उल्लास की भूमि पर लाकर खड़ा कर देती है। गांवों के दइहान के बीच खुड़हर स्थापित कर पूजन अर्चन के साथ संध्या काल खीर का प्रसाद स्वरूप वितरण, राऊत ग्वालों के द्वारा लाठी संचालन और नर्तन के साथ दोहों की प्रस्तुति पर्व को आकर्षक बना देती है।

लोकगीत

डा. रमाकांत सोनी

नारी मन की अभिव्यक्ति सुआ नृत्य में

सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जिसमें नारी मन की भावना, सुख दुख की अभिव्यक्ति और उनका लावण्य देखने को मिलता है। इस नृत्य का आरंभ दीपावली के समय गौरा पर्व (शंकर पार्वती के विवाह) के साथ होता है जो अगहन माह तक चलता है। सुआ नृत्य और गीत कुमारी कन्याओं और विवाहित स्त्रियों द्वारा समूहों में नाचा और गाया जाता है। बांस की सजी टोकरी में धान रखकर उस पर मिट्टी के बने सुआ को सजाकर रखा जाता है। यह सुआ की जोड़ी शंकर और पार्वती के प्रतीक होते हैं। इस धान के उप्पर मिट्टी का दीया भी रखा जाता है। इन सामग्रियों के साथ इन्हें लाल रंग के कपड़े में ढक कर सिर पर बांस की टोकरी को रख कर यह लोक गायिकाएं किसान घर पहुंचकर आंगन के बीच में टोकरी रख कर उसके चारो ओर गोलाकार रचना कर खड़ी हो जाती हैं। अब टोकरी से कपड़ा हटा लिया जाता है और संध्या बेला में दीप जलाकर सुआ को संबोधित करती हुई आधी झुकी मुद्रा में तालियों के ताल पर नाचती हैं। सामूहिक रूप से एक दल एक पंक्ति को गाते हुए नाचता है तो दूसरा दल उसके प्रत्युत्तर को जोड़ते हुए ताल देते गाते हुए गोल घूमते गाते हैं। इस नृत्य में नाद, लय, गीत, गीति तथा भाव सौंदर्य की ध्वनि होती है। भावों की मार्मिक और मधुर अभिव्यक्ति जो अपने सहज शिल्प के कारण मन को सीधे प्रभावित करता है। इस समूह लोक नृत्य में हाथों की तालियों से निकली संगीत की मधुर ध्वनि हृदय को स्पंदित करती हैं, और समस्त नारी जाति की विरह व्यंजना को अभिव्यक्ति देती हुई गाती हैं -

पईयां मैं लागव चंदा सुरुज के रे
सुवना तिरिया जनम झन देय।
तिरिया जनम मोर गऊ के बरोबर
रे सुवना जिहाँ पठोय तिहा जाय।

पुस्तक समीक्षा

मनका (दोहा सहस्त्रावली)

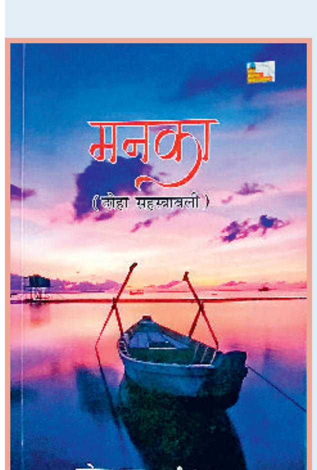

कृति के नाव: मनका (दोहा सहस्त्रावली)
कृतिकार: चोवा राम वर्मा ' बादल '
प्रकाशक: न्यू वर्ड पब्लिकेशन दिल्ली
छत्तीसगढ़ी अनुवाद: चम्पेश्वर गोस्वामी
मूल्य: दो सौ पचास रुपए

साहित्य की विभिन्न विधाओं में दोहा का महत्वपूर्ण स्थान है। दोहा को पढ़ने और बोलने में जितना सरल लगता है, उतना ही कठिन लिखने में होता है। इसके साथ छंद बद्ध दोहों के अनेक प्रकार को लेखन करना कार्य है, क्योंकि यह मात्राओं पर आधारित होता है। इस विधा पर अंचल के साहित्यकार बादल जी ने अपनी इस कृति के माध्यम से सामाजिक जीवन से जुड़े हर पहलुओं को अच्छा चित्रित करने का प्रयास किया है। आप लगातार दोहा पर काम कर रहे हैं इसलिए सुलझे लेखन की क्षमता इस पुस्तक में देखने को मिल रही है। संदेश परक पाठकों को भी यह कृति अच्छी लगेगी।

छत्तीसगढ़ में कार्तिक मास को धरम महिना कहा जाता है और इस मास में तुलसी चौरा में दीया जलाना बड़ा शुभ माना जाता है। कवि भी यही कहते हैं- कातिक महिना धरम के रे माय। तुलसी में दियना जलाए हो माय।।

तुलसी में दियना जलाए हो माय

दीपावली परब विशेष : प्रो. अश्विनी केशरवानी

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि स्व. श्री हरि ठाकुर दीवाली को विशुद्ध कृषि संस्कृति पर आधारित त्योहार मनाते हैं। इस समय खेतों में धान की बाली लहलहाने लगती है और बाली के धान पकने लगते हैं। किसान इसे देखकर झूम झूमकर गाने लगता है-

दिया बाती के तिहार
होगे घर उजियार
गोइ अचरा के जोत ल
जगाए रहिबे
दूध भरे धान
होगे अब तो जवान
परौं लक्ष्मीं के पांव
निक बादर के छांव
सुवा रंग खेत खार
बन दूबी मेढ़ पार
गोई फरिका पलक के लगाए रहिबे।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन तक चलने वाले इस त्योहार का आरंभ धनतेरस याने धनवंतरि त्रयोदश से होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान धनवंतरि अपने हाथ में अमृत कलश लिए प्रगट हुए थे। समुद्र मंथन में जो 14 रत्न निकले थे, भगवान धनवंतरि उनमें से एक हैं। वे आरोग्य और समृद्धि के देव हैं। स्वास्थ्य और सफाई से इनका गहरा संबंध होता है। इसीलिए इस दिन सभी अपने घरों की सफाई करते हैं और लक्ष्मी जी के आगमन की तैयारी करते हैं। इस दिन लोग यथाशक्ति धन के रूप में सोना-चांदी और बर्तन आदि खरीदते हैं।

दूसरे दिन कृष्ण चतुर्दशी होता है। इस दिन को नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण नरकासुर का वध करके उनकी कैद से हजारों राजकुमारियों को मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में उजाला किये थे। तीसरे दिन आता है दीपावली। दीपों का त्योहार..लक्ष्मी पूजन का त्योहार। असत्य पर सत्य की, अंधकार पर प्रकाश की, और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक त्योहार है दीपावली। इस त्योहार को मनाने के पीछे अनेक लोक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। श्रीरामचंद्र जी के 14 वर्ष बनवास काल की समाप्ति और अयोध्या आगमन पर उनके स्वागत में दीप जलाना, अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसी अमावस्या को भगवान विष्णु जी ने धन की देवी लक्ष्मी जी का वरण किया था। इसीलिए इस दिन सारा घर दीपों के प्रकाश से जगमगा उठता है। पटाखे और आतिशबाजी की गूंज उनके स्वागत में होती हैं। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को पूजा अर्चना करके प्रसन्न किया जाता है और घर को श्री सम्पन्न करने की उनसे प्रार्थना की जाती है।

चौथे दिन आती है गोवर्धन पूजा। यह दिन छत्तीसगढ़ में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसे छोटी दीवाली भी कहा जाता है। मुंगेली क्षेत्र में इस दिन को पान बीड़ा कहते हैं और अपने अपने घरों में मिलने आये लोगों का स्वागत पान बीड़ा देकर करते हैं। इस दिन गोवर्धन पहाड़ बनाकर उसमें श्रीकृष्ण और गोप गोपियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। राऊत लोग गाय की पूजा करते हैं और नाचते गाते हैं-

चार महिना चराएव,
खाएव दही के मोरा।
आगे मोर दिन देवारी,
छोड़े बर तोर निहोरा।

इस दिन छत्तीसगढ़ में शौर्य के प्रतीक रावत नाच का शुभारंभ होता है। नाचते हुए वे गाते हैं-

लगगे कातिक महिना संगी,
घर कोठार बनाबो।
आही देवारी लाही अंजोरी,
जम्मो अंधियार मिटाबो।।

पांचवें दिन आता है भाईदूज का पवित्र त्योहार। यमराज के वरदान से इस दिन बहन अपने भाई का आत्मीय स्वागत करके मोक्ष का अधिकारी बनती हैं। पांच दिन तक चलने वाले इस त्योहार को लोग बड़े धूमधाम और आत्मीय ढंग से मनाते हैं।

छत्तीसगढ़ के चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर जलसेन जलाशय में 16 एकड़ में फैला हुआ है। कौशल्या मंदिर के आसपास जो तालाब है उनमें मखनबोध तालाब, बड़े लेडारी तालाब, छोटे लेडारी तालाब, सिंगाही तालाब, सोंधी तालाब, गोट्टरी तालाब और जलसेन तालाब प्रमुख है। भौगोलिक दृष्टि से यह महत्वपूर्ण क्षेत्र है यह सभी तालाब एक दूसरे से जुड़े हुए है। इस मंदिर में पहले महिलाओं का प्रवेश निषेध था, ऐसी जानकारी मिलती है कि मंदिर तालाब के मध्य में होने के कारण पुरुष ही तैरकर दर्शन के लिए पहुंचते थे। इस जलाशय के चारों ओर परिक्रमा पथ है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में इस परिक्रमा पथ पर भक्त गण परिक्रमा करते थे, तथा वे कौशल्या माता की जन्मभूमि चबूतरा का पूजा अर्चना कर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

माता कौशल्या मंदिर और जलाशय

इस परिक्रमा पथ पर चार मंदिर तट पर बने हैं जिसमें शिव और हनुमान मंदिर हैं। इतना लंबा परिक्रमा पथ संभवतः अन्यत्र क्षेत्र में कहीं नहीं मिलता। तत्कालीन युग की स्मृति एक प्राचीन चबूतरा से होता है, मान्यता है कि सिंगाही तालाब के मध्य में स्थित चबूतरा है उसे माता कौशल्या माई की जन्मस्थली का प्रतीकात्मक स्वरूप माना जाता है। आदिकाल से इस चबूतरे पर दीपक प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना करने की परंपरा चली आ रही है। चंदखुरी वासी इसे सबसे प्राचीन चबूतरा मानते हैं। पुल निर्माण के पूर्व ग्रामवासी इसी चबूतरे की पूजा अर्चना कर उससे आशीर्वाद लेकर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। यहां प्रतिदिन दीप जलाकर पूजा करने की परंपरा आज भी जारी है। रामायण के बाल काण्ड में उत्तर कोसल और दक्षिण कोसल का उल्लेख मिलता है, जिसमें एक कोसल का राजा भानुमंत को बताया गया है। राजा अपनी सुरक्षा के लिए जलाशयों का निर्माण कराते थे, ताकि दुश्मन सीधे आक्रमण न कर सके। यह एक प्राचीन परंपरा है। राजा भानुमंत ने भी ऐसा ही किया था।

धार्मिकः डा. हेमू यदु

तीज-तिहार

जगदीश देशमुख

प्रकृति पूजन के प्रतीक आय गोवर्धन पूजा

छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा के दिन ला देवारी तिहार के रूप में मनाए जाथे। पुराण अऊ धार्मिक ग्रंथ के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण गऊ ला मानव जीवन में उपयोगी बतात ऋषि आऊ कृषि संस्कृति के संदेश दिस। संगे संग गोवर्धन पर्वत के पूजा के कारण बताईन कि जीवन जिए के सबो तत्व एमा समाय हे। ओहि हा आज के दिन गोवर्धन पूजा अऊ देवारी तिहार के रूप में मनाथन। भगवान कृष्ण हा यदुवंश में जन्म लिस। गाय के पालन पर जोर दिस, तेकर सेती ऊंकर नाव गोपाल परिस। जेकर सेती यदुवंशी मन के देवारी तिहार में महत्वपूर्ण भूमिका होथे। मंझनिया किसान मन अपन गाय ला खिचरी खवाथें। खिचरी खवाय के पाछू धार्मिक अऊ वैज्ञानिक महत्व बताय गेहे। ईहि बेरा रौताइन मन अपन मालिक मन घर कोठा मा हाथा दे बर आथे। राऊत मन देवारी तिहार के दिन अपन मालिक मन के गाय ला सोहाई बांधते। अतका बेर राऊत नाचा दल दोहा पारके मालिक मन ला जोहारथें। येकर बदला मे मालिक मन पईसा, चाउर दार, कपड़ा लपता देके राऊत मन ला बिदा करथें। गोवर्धन खुंदाय के पहली मड़ई बैरक निकाले जाथे। गांव गली मा बाजा गाजा सन मालिक ला निकाले बर ऊंकर घर जाथें। सांझ बेरा खैरखा दाड़ मा गोवर्धन खुंदाय जाथे। गोवर्धन खुंदाय के बाद सकलाय सबो मन गाय के गोबर के टीका माथ में लगा के भाईचारा संग एकता के संदेश देथें। ऐकर बाद मालिक मन ला बाजा उनकर घर पहुंचाय ला घलोक जाथें। ऐ तरह ले तिहार मानके भाईचारा के सुंदर संदेश समाज में दे जाथे।

संस्कृति

लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल

रोम रोम में बसते हैं जहां राम

छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का नैनिहाल रहा है जहां प्रभु श्री राम को भाचा भी कहा जाता है । आजादी के पहले से ही दबे -कुचले समाज के लोगों के साथ भेद -भाव ,ऊंच -नीच , जाति भेद रहा है जिन्हें दलित कहा गया ।उन दिनों उन्हें मंदिर में प्रवेश से मनाही थी । छत्तीसगढ़ में रामनामी समाज निवासरत हैं । छत्तीसगढ़ के जांजगीर -चांपा जिले के चारपारा गांव के सतनामी परशुराम भारद्वाज के द्वारा 1890 के आसपास रामनामी सम्प्रदाय की स्थापना हुई थी। इसके पूर्व से आंदोलन होती रही है। उस समय इस सम्प्रदाय के लोगों को मंदिर में पूजा - अर्चना और प्रवेश की मनाही थी, वे फिर भी प्रभु राम को निर्गुण रूप में जप कर रहे थे। इतिहास गवाह है, पहले सभा के रूप में समाज इक्कठे होकर भजन करते थे।भजन मेला आयोजन के सम्बन्ध में यहां प्रचलित किंवदंती के अनुसार एक बार सावन-भादो माह में जब महानदी में बाढ़ आई हुई थी, तब कुछ रामनामी छोटी डोंगी से नदी पार कर रहे थे। बाढ़ में फंसकर उनकी डोंगी डूबने लगी तब उन्होंने प्रार्थना की और संकल्प लिया की, यदि उनकी डोंगी सही सलामत पार हो गयी तो वे बड़े भजन का आयोजन करेंगे। उनकी

प्रार्थना के बाद डोंगी स्वतः ही किनारे जा लगी। इसके बाद उन कृतज्ञ रामनामियों ने महानदी के किनारे बसे पिरदा गांव में पहले बड़े भजन का आयोजन किया और इस प्रकार बड़े भजन मेले का उदभव हुआ। आरंभ में बड़े भजन रामनामी सम्प्रदाय की एक धार्मिक सामाजिक गतिविधियां थी,जिसका उद्देश्य रामनामी समाज की एकता समरसता और उनका प्रचार -प्रसार था। धीरे धीरे इसके साथ बाजार और मनोरंजन भी जुड़ गया। यह अब व्यापक अखिल भारतीय रामनामी महासभा मेले के रूप में होता है ।

रामनामी समुदाय के रोम रोम में प्रभु राम बस्ते हैं 150 वर्षों से राम की अलख जगाते आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में रामनामी सम्प्रदाय के लोग 1911 से लगातार पूस माह की एकादशी से सम्मेलन करते आ रहे हैं, 2025 में 116 वां सम्मेलन होगा । यह सम्मेलन पिरदा गांव से प्रारंभ हुई थी वर्तमान में यह गांव नव सृजित जिला सक्ति के अंतर्गत आता है। 100 वां वर्ष पर यहां सम्मेलन पुनः हुई थी।100 वर्ष के बाद से पिरदा गांव में हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष के सप्तमी से कार्तिक पूर्णिमा तक दिन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन होते आ रहा है।पिरदा गांव में यह 13 वां वर्ष है जहां तीन दिन तक सम्मेलन होगा। रामनामी समुदाय ने महासम्मेलन में आदर्श विवाह का पहले परिचय दिया था। ईनकी भेषभूषा सादा होती है और खानपान भी शाकाहारी होने के साथ ही सरल जीवन यापन करते है। इनके शरीर में राम राम की गोदना गुदी हुई होती है।वे मांस मदिरा जैसे व्यसन से दूर रहते हैं। महासम्मेलन में पूरे छत्तीसगढ़ के रामनामी सम्मेलन में पहुंचकर प्रभु राम की यशगान कर उनकी अलख जगाते हैं।

2 लाख के गांजे के साथ ओडिशा का एक तस्कर पकड़ा गया

जगदलपुर। ओडिशा से स्कूटी में गांजा लेकर आ रहे एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से दो लाख का गांजा बरामद किया गया है। युवक को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। बस्तर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए नगरनार पुलिस ने ओडिशा के गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2 लाख का गांजा के अलावा स्कूटी, मोबाइल व नगद राशि बरामद किया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, खैरागढ़
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा./ संधा.) संभाग, छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्री. कं. लिमि. खैरागढ़
सीआईएनः U40108CT2003SGC015822, ई-मेलः eeonm.khairagarh@cspc.gov.in

क्रमांक 054/4500/ सामान्य / विज्ञा. प्रकाशन / खैरागढ़, दिनांक 29/10/2024

// दीपावली पर्व हेतु विशेष विद्युत शिकायत निवारण केन्द्र //

दीपावली के शुभ अवसर पर दिनांक 31.10.2024 को अनवरत विद्युत प्रदाय हेतु निम्नानुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाये अनुसार स्थायी/ अस्थायी शिकायत केन्द्र में शाम 04.00 बजे से रात्रि 12.00 बजें तक विशेष ड्यूटी लगाई गयी हैं। इस अवधि में विद्युत प्रदाय बंद होने पर संबधित अधिकारी / कर्मचारी से संपर्क करें ताकि विद्युत व्यवधान संबंधी समस्या तत्काल हल की जा सकें। इस हेतु सभी अधिकारी / कर्मचारी का दूरभाष / मोबाईल नं. दिया जा रहा हैं। साथ ही मोर बिजली एप के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

क्र.	अधिकारी/ कर्मचारी का नाम	पद	मोबाइल नं.	स्थान
1	श्री उत्तम साहू	सहायक अभियंता	6232941136	132 के.व्ही. उपकेंद्र कुम्ही
2	श्री सत्यम शर्मा	कनिष्ठ अभियंता	7338968037	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र खैरागढ़
3	सुश्री मदालसा विश्वकर्मा	सहायक अभियंता	6232941142	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र छुईखदान
4	श्रीमती किरण जांगड़े	सहायक अभियंता	6232941156	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र गण्डई
5	श्री क्रांति कूमार सुन्हरे	सहायक अभियंता	6232941157	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र अतरिया
6	सुश्री ममता कर्मकार	सहायक अभियंता टी.एस.जी.	9752572743	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र मुढीपार
7	श्री धर्मेन्द्र कुमार साहू	कनिष्ठ अभियंता	6232941137	33/11 के. व्ही. उपकेंद्र अमलीपारा
8	श्री एस. के. कोड़ापे	कनिष्ठ अभियंता	6232941141	33/11 के.व्ही.उपकेंद्र खम्हारडीह
9	श्री हरिप्रसाद जंघेल	कनिष्ठ अभियंता	6232941139	33/11 के. व्ही. उपकेंद्र लिमों
10	श्री चेतन कुमार सिहारे	कनिष्ठ अभियंता	7746060038	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र बुंदेली
11	श्री शतीश ठाकुर	कनिष्ठ अभियंता	8770966477	33/11 के.व्ही.उपकेंद्र बैहाटोला
12	श्री रवि प्रकाश	कनिष्ठ अभियंता	9993211073	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र साल्हेवारा
13	श्री नंद कुमार यादव	परिचारक श्रेणी-02	9669079652	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र मंडला
14	श्रीकांत तिवारी	परिचारक श्रेणी-01	6232942149	33/11 के.व्ही.उपकेंद्र झुरानदी
15	श्री शंकर पटेल	लाईन सहायक श्रेणी-02	9171883525	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र उदयपुर
16	श्री गौतम शील	परीक्षण सहा. श्रेणी-01	9171883503	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र ईटार
17	श्री गौकरण जांगड़े	परीक्षण सहा. श्रेणी-01	7999813221	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र राहुद
18	श्री भुवन लाल वर्मा	लाईन सहायक श्रेणी-01	6232942217	33/11 के.व्ही.उपकेंद्र जालबांधा
19	श्री विकास कुमार	लाईन परि. संविदा	6232942146	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र धोधा (बिरनपुर)
20	श्री प्रकाशदास वैष्णव	लाईन सहायक श्रेणी-1	8965826082	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र पैलीमेटा
21	श्री गौतम साहू	लाईन सहायक श्रेणी-2	6232941980	33/11 के.व्ही. उपकेंद्र साल्हेभर्री

"सुरक्षित और प्रदुषण मुक्त दीवाली मनाये"
"प्रकृति की सुन्दरता बनाये रखे,"

कार्यपालन अभियंता (संचा./ संधा.) संभाग
छ.स्टेट.पा.डिस्ट्री. कं.लिमि., खैरागढ़

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मुंगेली जिला - मुंगेली (छ.ग.)

क्रमांक / मण्डी / निर्माण / 24 - 25 / 782 मुंगेली, दिनांक 28/10/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

लोक निर्माण विभाग छ.ग. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु प्रपत्र "ए" (तीन लिफाफा पद्धति) में निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. निविदा प्रपत्र कम करने के लिये कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर शुल्क नगद जमा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का तिथि - 22.11.2024 (अपरान्ह 5.00 बजे)
02. निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि - 25.11.2024 (अपरान्ह 5.00 बजे)
03. निविदाएं रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट से कार्यालय में प्राप्त करने का तिथि - 02.12.2024 (अपरान्ह 5.00 बजे)
04. निविदा खोलने का तिथि - 03.12.2024 (दोपहर 2.00 बजे)

क्र.	कार्य का नाम	कार्य स्थल	अनुमानित लागत राशि (लाख रु. में)	बयाने की राशि रू. (एफ. डी. आर.में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्यावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	लागू दर अनुसूची
1	सी.सी. रोड इंटरलॉकिंग कांक्रीट एण्ड ब्लाक कार्य।	मदकूदीप	17.17 लाख	17,000	डी एवं उच्च	6 माह	2,000/-	लो.नि.वि.सड़क पुल निर्माण दिनॉक 01.01.2015 से प्रभावशील
2	01 नग कव्हर्ड शेड निर्माण कार्य	मदकूदीप	15.00 लाख	15,000	डी एवं उच्च	6 माह	2,000/-	

उपरोक्त कार्य हेतु निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारियों कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त / देखे जा सकते है, जो कि निविदा अनुबंध का अनिवार्य भाग होगा।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली
जिला - मुंगेली (छ.ग.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली
जिला - मुंगेली (छ.ग.)

S-41977/1

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, डोंगरगांव
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)

क्रमांक 054/544700/सामान्य / विज्ञा. प्रकाशन / 1743 डोंगरगांव दिनांक 29/10/2024

आवश्यक सूचना

समस्त सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं से निवेदन है कि निम्नलिखित आसान उपायों (सावधानी) के साथ दिपावली सुरक्षित तरीके से मनाये।

01. फटाखे इत्यादि विद्युत के तारो ट्रांसफार्मरों व अन्य विद्युत उपकरणों से पर्याप्त दूरी पर चलाये।
02. बिजली के झालर अच्छी इंसुलेशन के खरीदे तथा सुनिश्चित कर ले कि उसमे कही भी कटे-छीले तार न हो।
03. बिजली के झालर व अन्य रोशनी करने वाले उपकरण प्रशिक्षित मिस्त्री से ही लगवाये, इन्हे कभी भी खुद से लगाने का प्रयास न करे।
04. बिजली के अतिरिक्त झालर लगाते समय य सुनिश्चित कर ले कि आपके घर के तार व मीटर इस अतिरिक्त भार को सहने में सक्षम है, अन्यथा आपके मीटर एवं तार में आग लगने से दुर्घटना होने की संभावना रहेगी।
05. विद्युत लाईन, उपकरणों / ट्रांसफार्मर आदि में खराबी आने पर अनाधिकृत रूप से सुधार कार्य का प्रयास न करे, तथा ऐसी स्थिति में विभाग संबंधित कर्मचारी / अधिकारी को सूचित करें।
06. विद्युत लाईनों सें सुरक्षित दूरी बनाये रखे।
07. कटी-फटी सर्विस लाईनों का उपयोग न करे।
08. बाड़ी / खेतो की बाड़ / कटीले तार आदि में विद्युत प्रवाहित न करे।
09. बच्चो को विद्युत उपकरणों / लाईनों के आसपास न खेलने दे।

आप सभी को सुरक्षित एवं मंगलमय दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें।

"विद्युत बिलों का भुगतान नियत समय में करे"
"तथा विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही से बचें"

कार्यपालन अभियंता(संचा./संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.,डोंगरगांव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड
CSPDCL
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय - कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग, छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमि. कुरूद

-:: दीपावली में विद्युत व्यवस्था हेतु अतिरिक्त शिकायत केन्द्र ::-

दीपावली-2024 के शुभ अवसर पर मगरलोड उपसंभाग एवं आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु दिनांक 31.10.2024 (गुरुवार) एवं 01.11.2024 (शुक्रवार) को संध्या 4:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु निम्नांकित अतिरिक्त शिकायत केन्द्र की स्थापना की गयी है। अतः सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं से निवेदन है कि निकटतम शिकायत केन्द्रों में अपनी विद्युत संबंधी शिकायत दर्ज करवाकर त्वरित निराकरण करावें।

क्रं.	शिकायत केन्द्र का स्थल	दूरभाष / मोबाईल नंबर	संबंधित क्षेत्र
1	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मगरलोड	93993–97205, 77709 - 41352	मगरलोड उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
2	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मेघा	89658–64596, 76106-90728	मेघा उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
3	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अमलीडीह	76928-41800, 93401-12047	अमलीडीह उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
4	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मोंहदी	97544-27060, 99812-37340 98275-77174	मोंहदी उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
5	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बोरसी	85189-34465, 95890-86840, 62680-12802	बोरसी उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
6	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र सिंगपुर	62650-78637, 9340992726, 89628-28009	सिंगपुर उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
7	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मोहेरा	93994–52628, 91118 - 31638	मोहेरा उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
8	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र भेण्ड्री	78792-23140, 84352-18618, 62637-80156	भेण्ड्री उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
9	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नवागांव (खि.	87703-08925, 99778-69091	नवागांव (खि.) उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
10	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र करेली (बड़ी)	96853-74776, 96915-03377	करेली (बड़ी) उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
11	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नवागांव (बु.)	90057-24030, 96855-78864	नवागांव (बु.) उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
12	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कुण्डेल	81032-37095, 83194-46018, 79747-52301	कुण्डेल उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।
13	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र हसदा	91170-78926, 82230-57648	हसदा उपकेन्द्र से संबंधित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र।

"समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं, स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत करें।"

1. श्री के. एस. चन्द्रवंशी, सहायक अभियंता मगरलोड मो.नं. :- 77730-40823
2. श्री पंकज, कनिष्ठ अभियंता मगरलोड, मो.नं. :- 93993-97205
3. श्री संजय यादव, कनिष्ठ अभियंता भेण्ड्री, मो.नं. :- 84352-18618
4. श्री लोकेश ठाकुर, कनिष्ठ अभियंता कुण्डेल, मो.नं. :- 79747-52301

(जी. के. बंजारे)
कार्यपालन अभियंता (सं/स) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि. कुरूद

घटना भिलाई-3 थाना क्षेत्र का है

सांसद के खेत से सबमर्सिबल पंप और केबल ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज >> भिलाई

सांसद विजय बघेल के खेत में लगे सबमर्सिबल पंप और केबल तार को अज्ञात ने 27-28 अक्टूबर की रात चोरी कर फरार हो गए। हो गए हैं। सांसद के खेतों की देखभाल करने वाले रिसाली भाठा निवासी कृष्णा यादव घटना की शिकायत भिलाई तीन थाने में दर्ज कराई है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि कृष्णा ग्राम उरला खार स्थित खेतों की रखवाली करता है। बीते 27 अक्टूबर को रोज की तरह वो खेतों की देख रेख के लिए गया था। शाम 5.30 बजे खेत में बने कमरे में ताला लगाकर अपने घर रिसाली चला गया था। 28 अक्टूबर सोमवार की सुबह 8 बजे जब वो फिर से खेत पहुंचा तो देखा कि खेत में बने कमरे का ताला टूटा पड़ा था। अंदर जाकर देखा तो कमरे के अंदर से सबमर्सिबल मोटर, केबल वायर 500 मीटर 2.5 एमएम और खेत में लगे दो सबमर्सिबल मोटर का केबल वायर करीबन 35 फीट 2.5 एमएम गायब मिला। कृष्णा ने बताया कि चोरी गए सामान की कुल कीमत 45 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस आसपास में चोरी के लोगों की तलाश में जुटी हुई है। पाटन, कुम्हारी और भिलाई तीन के ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों से बोर पंप और तार चोरी की कई वारदाते अब तक हो चुकी है।

हनुमान जी की प्रतिमा तोड़ी बजरंगियों में उपजा आक्रोश

धमतरी। छिपली मार्ग में हनुमान मंदिर की प्रतिमा को तोड़कर अवांछित तत्वों ने सड़क पर फेंक दिया था। बजरंग दल ने इस पर नाराजगी जताते हुए अवांछित तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को बजरंग दल के सदस्य कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने बताया कि नगरी विकासखंड में छिपली मार्ग में नहर किनारे हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। कुछ अज्ञात उपद्रवियों ने हनुमान जी की प्रतिमा को तोड़कर सड़क में फेंक दिया था। इससे हिन्दुओं की आस्था को ठेस लगी है। उन्होंने शीघ्र ही आरोपियों को ट्रेस कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

नेशनल हाईवे पर मिला अधेड़ का शव हत्या की आशंका

महासमुंद। कबड्डी का मैच देखने गए एक अधेड़ का शव मिला है। मृतक के शरीर पर चोट और गला घोंटने के निशान पाए जाने पर पुलिस ने प्रथम दृष्टया हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पटेवा पुलिस ने बताया कि 27 अक्टूबर को 3 बजे नवागांव पड़ाव-बोड़रा पड़ाव के मध्य एनएच 53 पर एक व्यक्ति का शव पाया गया था। जिसकी जांच के दौरान मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 40-45 वर्ष के परिजन भाई मंशाराम साहू, मनोहर साहू के द्वारा अपने बड़े भाई आशाराम साहू पिता धरमू साहू (48 साल) निवासी गढसिवनी थाना तुमगांव जिला महासमुंद के रूप में पहचान किया गया।

दिवाली पार्टी मनाने काटे रेलवे के केबल सभी सिग्नल फेल

राजनांदगांव। दिवाली त्यौहार पर पार्टी मनाने के लिए शहर के दो युवकों ने रेलवे के सिग्नल का केबल की चोरी कर ली। दोनों ही आरोपियों द्वारा केबल काटे जाने के कारण पश्चिमी यार्ड के सभी सिग्नल फेल हो गए थे। आनन-फानन में जब टीम मौके पर पहुंची, तब उन्हें केबल चोरी होने की सूचना मिली। जिसके बाद टीम ने खोजबीन की और चोरी हुए केबल के साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। रेलवे पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 29 अक्टूबर की देर रात करीबन 2.46 बजे मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष नागपुर से राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पश्चिमी यार्ड में सिग्नल फेल होने की सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद मंडल सुरक्षा आयुक्त नागपुर दीपचंद आर्य के दिशा-निर्देशन में रेल सुरक्षा बल पोस्ट राजनांदगांव प्रभारी निरीक्षक तरुणा साहू उप निरीक्षक के प्रसाद आरक्षक राहुल घाहरे आरक्षक प्रमोद यादव आरक्षक राजेंद्र रायकवाड़ के साथ घटनास्थल पर पहुंची, जहां सिग्नल विभाग के एसएसई हीरालाल उनके अधीनस्थों के साथ मौजूद मिले। जिनके साथ मिलकर मौका मुआयना करने पर राजनांदगांव पश्चिमी यार्ड के सभी सिग्नल फेल पाए गए एवं सिग्नल की चार नग 30 कोर कुल 36 मीटर केबल काटकर चोरी होना पाया गया।

पिंजरे में कैद हुआ खूंखार तेंदुआ

नगरी। ग्राम अरसीकन्हार में एक खूंखार तेंदुआ वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। यह तेंदुआ पिछले कई महीने से मवेशियों पर हमला कर रहा था और ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बना हुआ था। मामला सीतानदी-उदंती अभ्यारण्य क्षेत्र के अरसीकन्हार रेंज का है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया था। इससे पहले शिकारियों के फंदे में फंसाने का प्रयास किया गया। फंदे में फंसा तेन्दुआ छूटकर जंगल की ओर भाग गया था। उसके बाद कई पालतू पशुओं का शिकार किया था। उसके बाद जंगल में कैमरा में लगाकर देखा गया।

कार्यालय जनपद पंचायत गरियाबंद जिला गरियाबंद (छ.ग.)

क्रमांक/3247/ज.पं./अधो./2024-25 गरियाबंद, दिनांक 24/10/24

रूचि की अभिव्यक्ति
(Expression Of Interest - EOI)

विकासखंड गरियाबंद, जिला गरियाबंद अन्तर्गत ग्राम पंचायत चिखली में दुग्ध प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की जा रही है। उक्त इकाई संचालन, प्रबंधन एवं रखरखाव (O&M) हेतु फर्म का चयन किया जाना है। फर्म यथा- व्यक्तिगत फर्म / साझेदारी फर्म / सीमित कंपनी स्व. सहायता समूह, सहकारी किसान उत्पादक कंपनी / संगठन, निजी एजेंसियां आदि हो सकती है, जो दिशा-निर्देशो के अनुरूप पूरी तरह संचालन हेतु तैयार दुग्ध प्रसंस्करण इकाई संचालन करने में सक्षम हो। उक्त दुग्ध प्रसंस्करण इकाई की क्षमता लगभग 3000 लीटर प्रति दिवस है।

इस हेतु 1. संस्था संबंधित उक्त व्यवसाय / व्यवसायों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाई कार्य में 01 वर्ष का अनुभव होना चाहिए या 2. ऐसे संस्था / फर्म जो उक्त व्यवसायों में संलग्न हो तथा छ.ग. सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1973 /कंपनीज एक्ट 1956 / ट्रस्ट रजिस्टर्ड एण्ड इंडियन ट्रस्ट एक्ट के तहत पंजीकृत हो (संस्था का पंजीयन विज्ञप्ति प्रसारण के दिनांक न्यूनतम 01 वर्ष का हो) या 3. सरल क्रमांक 01 व 02 के अनुसार पंजीकृत फर्म जो संचालन का अनुभव रखता हो।

इस हेतु इच्छुक संस्था / फर्म से मोहरबंद प्रपत्र में रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है। अन्य नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिले की वेबसाईट https://gariaband.gov.in/ पर उपलब्ध है।

निविदा प्रारंभ की तिथि - दिनांक 29.10.2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - दिनांक 18.11.2024, समय शाम 5.30 बजे तक
निविदा खोले जाने की तिथि - दिनांक 19.11.2024, समय अपरान्ह 4.00 बजे

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत गरियाबंद

S-41973/2

म.प्र. वन विभाग
कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन)
वन भवन, तुलसी नगर-462003, मध्य प्रदेश, भोपाल
दूरभाष एवं फैक्स नं. 0755-2674354 E-mail : pccfprod@mp.gov.in

वनोपज के घोष विक्रय (ई-नीलामी) की सूचना

मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग के विभागीय काष्ठागारों/ बाँसागारों में माह नवम्बर, 2024 में विभिन्न स्थलों पर विभिन्न तिथियों में ईमारती काष्ठ, जलाऊ चट्टे बाँस एवं अन्य सामग्री के ई-नीलाम की तिथियाँ पूर्व से अधिसूचित है। नीलाम की तदर्थ तिथियाँ, नीलाम का प्रकार तथा काष्ठागारों में विक्रय हेतु उपलब्ध वनोपज व अन्य सामग्री की जानकारी मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग की वैब साईट mpforest.gov.in/vanopaj.mp.gov.in पर देखी जा सकती है।

जी - 18321/24
वन प्राकृतिक धरोहर है। इनका संरक्षण कीजिये।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन)
म.प्र. भोपाल

AFFIDAVIT/SELF DECLARATION
(FOR CHANGE OF NAME OF DAUGHTER OF DECEASED SOLDIERS AND VETERANS AND SERVING SOLDIERS)

1. I, **KANCHAN MANDAVI** W/o MANESHWAR legel Mother of Daughter Name LAWANYA MANDAVI Presently residing at AVAS PARA PO.PAKANJURE TEH. PAKHANJURE DIST. KANKER STATE CHHATTISGARH PIN 494776) do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:
(a) That I have changed my name from - **LAWANYA to LAWANYA MANDAVI** due to **ARTY RECORD** That my date of birth is **15-01-2016 (Fifteen- First of Jan. two thousnd Sixteen)**
(b) That I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my Name
(c) That both Names **LAWANYA and LAWANYA MANDAVI** pertain to one an and the same person.
(d) That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as Under all occasions what so sver be known as only **(LAWANYA MANDAVI)**
(e) That what is statec above is true and correct to best of my knowledge, infromation and belief, Nothing material has been concealed there from.

Signature of Deponent

VERIFICATION

I the Deponent above named to hereby solemnly dedare and verify that the contents of the above afidavit are true to the bes of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppersssed threr from.

कंचन
Signature of Deponent

AFFIDAVIT/SELF DECLARATION
(FOR CHANGE OF NAME OF SON OF DECEASED SOLDIERS AND VETERANS AND SERVING SOLDIERS)

1. I, **KANCHAN MANDAVI** W/o MANESHWAR legel Mother of SON Name JINNAT MANDAVI Presently residing at AVAS PARA PO.PAKANJURE TEH. PAKHANJURE DIST. KANKER STATE CHHATTISGARH PIN 494776) do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:
(a) That I have changed my name from - **JINNAT to JINNAT MANDAVI** due to ARTY **RECORD** That my date of birth is **22.06.2008 (TWENTY SECOND OF JUNE TWO THOUSND EIGHT)**
(b) That I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my Name
(c) That both Names **JINNAT AND JINNAT MANDAVI** pertain to one an and the same person.
(d) That, I shall at all times hereafter in all records, deeds and writing and in all proceeding dealing with transactions, private as well as Under all occasions what so sver be known as only **(JINNAT MANDAVI)**
(e) That what is statec above is true and correct to best of my knowledge, infromation and belief, Nothing material has been concealed there from.

Signature of Deponent

VERIFICATION

I the Deponent above named to hereby solemnly dedare and verify that the contents of the above afidavit are true to the bes of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppersssed threr from.

कंचन
Signature of Deponent

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्युशन कंपनी लिमिटेड न. राजिम

क्र कायं/नरा/सा/प्रका/4399 **दीपावली पर्व हेतु विशेष शिकायत निवारण केन्द्र** न.राजिम दिनांक 29/10/2024

दीपावली के शुभ अवसर पर नवापारा राजिम संभाग के समस्त उपभोक्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए सूचित किया जाता है कि उपभोक्ताओं की विद्युत शिकायतों के त्वरित निराकरण करने हेतु दिनांक 31.10.2024 एवं 01.11.24 को सायं 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक अतिरिक्त शिकायत केन्द्र स्थापित किये गये है। माननीय उपभोक्तागण अपने संबंधित क्षेत्र के शिकायत केन्द्र में शिकायत दर्ज करवाकर शीघ्र निराकरण करवा सकते है। नियमित शिकायत केन्द्र यथावत रहेंगे।

क्र.	शिकायत केन्द्र का नाम	दूरभाष / मो. नंबर	संबंधित क्षेत्र
1	उपसंभाग फिंगेश्वर	7869621578 (एस.के. साहू, AE)	उपसंभाग फिंगेश्वर के समस्त क्षेत्र
2	फिंगेश्वर उपकेन्द्र	7000893376 (ओमेश चंद्राकर JE), 8965937011 (रविशंकर बंसोड)	फिंगेश्वर शहर एवं वितरण केन्द्र के समस्त क्षेत्र
3	पुराना बस स्टैण्ड, फिंगेश्वर	9669581718 (टिकेश्वर निर्मलकर)	फिंगेश्वर एवं आसपास के क्षेत्र
4	बासीन वितरण केन्द्र	6260187386 (ढालेन्द्र ठाकुर, JE), 9171878068 (पन्ना राम साहू)	बासीन वितरण केन्द्र के समस्त क्षेत्र
5	वि.के. कार्यालय कौंदकेरा	7879367788 (जॉनसन बंजारे, JE), 9770797407 (आकाश चंद्राकर)	कौंदकेरा वितरण केन्द्र के समस्त क्षेत्र
6	उपसंभाग अभनपुर	8103023517 (अजय ठाकुर, AE), 7509358013 (मुकेश बंजारे) 8319864779 (बलराम ध्रुव)	उपसंभाग, अभनपुर के समस्त क्षेत्र अभनपुर शहर एवं वितरण केन्द्र के समस्त क्षेत्र
7	बस स्टैण्ड, अभनपुर	8889297913 (चेतनगिरी गोस्वामी), 7697565852 (ज्ञानचंद ध्रुव)	बस स्टैण्ड, बडे उरला, शिक्षकनगर एवं आसपास के क्षेत्र
8	अभनपुर थाना ट्रांसफार्मर	9522749322 (देवप्रसाद कुर्रे), 9691311150 (गुलाब)	थाना ट्रांसफार्मर, उपरपारा एवं अभनपुर बस्ती क्षेत्र
9	खोरपा सबस्टेशन	7646906535 (धीरेन्द्र कुमार, JE.), 7477265636 (संतराम धीवर)	खोरपा वितरण केन्द्र के समस्त क्षेत्र

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

(एस.के. गुप्ता)
कार्यपालन यंत्री (सं / स.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि., न. राजिम

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित बेमेतरा

क्र./10-33/सामा / 3834 **दिपावली ड्यूटी चार्ट की सूचना** बेमेतरा दिनांक 29/10/24

(सं./ सं.) संभाग छ. स्टे. पॉ. डिस्ट्र. कम्प. लिमि. बेमेतरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दीपावली के शुभ अवसर पर दिनांक 31 अक्टूबर 2024 को विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से निरंतर बनाए रखने तथा ब्रेक डाऊन होने पर अतिशीघ्र सुधार कार्य करने के उद्देश्य से निम्नलिखित अधिकारियों / कर्मचारियों की निम्नानुसार ड्यूटी लगाई जाती है। समय सायं 4. 00 बजे से रात्रि 12.00 बजे तक रहेगा।

क्र.	स्थान का नाम	प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारी का नाम एवं पद	मोबाईल क्रमांक	संबंधित क्षेत्र/ग्राम
1	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नांदघाट	श्री हरीश कुमार फर्वी, कनिष्ठ यंत्री नांदघाट	7987300656	नांदघाट उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
2	2 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र टेमरी	श्री कैलाश देशमुख, ला. परि श्रेणी -01	9109625798	टेमरी उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
3	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मारो	श्री जीत राम साहू लाईन मेन	9575994767	मारो उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
4	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बदनारा	श्री दिलीप वर्मा, लाईन परि. संविदा	6267773008	बदनारा उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
5	132 के.व्ही. उपकेन्द्र नवागढ़	श्री माहेन दास बैरागी, कनिष्ठ यत्री	6260865917	132 के0व्ही0 उपकेन्द्र नवागढ़ संबंधित क्षेत्र।
6	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नवागढ़	श्री नवीन कुमार वर्मा, सहायक यंत्री नवागढ़	8770558290	नवागढ़ उपकेन्द्र के अंतर्गत से संबंधित क्षेत्र।
7	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पुटपुरा	श्री डिलेश्वर साहू, लाईन परि. श्रेणी -02	7000231554	पुटपुरा उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम
8	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र छिरहा	श्री सतीश निर्मलकर, ला. परि. श्रेणी -03	8085807477	छिरहा उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम
9	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अंधियारखोर	श्री राजसिंह ध्रुव, श्री अनुप ध्रुव	8517898964	अंधियारखोर उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
10	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र सम्बलपुर	श्री अनिल कुमार चंद्राकर कनिष्ठ यंत्री एवं श्री संजू बछोर संबलपुर वितरण केन्द्र के समस्त लाइन स्टाफ।	9479253855	सम्बलपुर उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
11	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गोढ़ीकला	श्री ओमशिव नागडे ला. परि. संविदा	9589916714	गोढ़ीकला उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
12	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गाडामोर	श्री राजेश यादव, लाई परि. श्रेणी -01	9713098194	गाडामोर उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
13	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र प्रतापपुर	श्रीमति कुमूद गौतम, कनिष्ठ यंत्री प्रतापपुर श्री रविशकर रात्रे, सहायक लाईन मेन	6261066793 9340633699	प्रतापपुर उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
14	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र चंदनू	श्री भावसिंह पाटिल, श्री हुपेश साहू	9713857568	चंदनू उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
15	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कुर्रा	श्री अशोक निर्मलकर, लाईन परि. श्रेणी -01	6232944807	कुर्रा उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।
16	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र मल्दा	श्री रिकू शर्मा, लाईन परि श्रेणी -03	6232944770	मल्दा उपकेन्द्र के अंतर्गत ग्राम संबंधित क्षेत्र।

"विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध है कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

कार्यपालन यंत्री (संचा/संधा) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि. बेमेतरा

छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्री. कंपनी लिमि., राजनांदगांव
CSPDCL
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की एक उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्या. कार्यपालन अभियंता (संधा./संचा.) संभाग, राजनांदगांव
(दूरभाष क्रमांक (07744) 225160 फैक्स नं. (07744) 225160

क्र. 013/11-00/सामान्य/5793 **आदेश** राज.दिनांक 29/10/2024

दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर दिनांक 31.10.2024 को विद्युत प्रदाय अनवरत बनाये रखने हेतु निम्नलिखित अधिकारियों का उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गये स्थानों में विशेष ड्यूटी लगाई जाती है।

स.क्र.	नाम	पद	मो. न.	ड्यूटी समय	कार्य स्थल
1	श्री एस.पी. ठाकुर	सहायक अभियंता	9754120529	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	आर. के. नगर सबस्टेशन
2	श्री अजय विश्वकर्मा	सहायक अभियंता	9770720096	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	बजरंगपुर नवागांव सब स्टेशन
3	श्री अनिल कुमार रामटेके	सहायक अभियंता	7999656010	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	नेहरू नगर सब स्टेशन
4	श्री नारायण प्रकाश वर्मा	सहायक अभियंता	8770340999	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	ग्रामीण उपसंभाग
5	श्री रोहित मंडावी	सहायक अभियंता	9165915291	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	कैलाश नगर सबस्टेशन
6	श्री राम कुमार साहू	सहायक अभियंता	9424124126	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	लालबाग सबस्टेशन
7	श्री अनिल कुमार धनकर	सहायक अभियंता	9827986172	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	सोमनी सबस्टेशन
8	श्री हिमांशु भुआर्या	सहायक अभियंता	7987695332	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	चिखली सबस्टेशन
9	कुमारी नेहा गढ़पायले	कनिष्ठ अभियंता	8223987044	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	मोहरा सबस्टेशन
10	श्री सिद्धार्थ सिंह	कनिष्ठ अभियंता	8982223854	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	तुमड़ीबोड़ वितरण केन्द्र
11	श्री कीर्ति कुमार देशमुख	कनिष्ठ अभियंता	9907246174	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	रेवाडीह सबस्टेशन
12	कुमारी एकता साहू	कनिष्ठ अभियंता	9131705008	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	कंचन बाग सबस्टेशन
13	श्री आशीष कछवाहा	कनिष्ठ अभियंता	7470918189	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	घुमका वितरण केन्द्र
14	श्रीमति सूरज जंघेल	कनिष्ठ अभियंता	7000983969	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	अर्जुनी वितरण केन्द्र
15	श्री पी. एल. कंवर	कनिष्ठ अभियंता	7587437477	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	ठेलकाडीह वितरण केन्द्र
16	श्रीमती पूजा चंद्राकर	कनिष्ठ अभियंता	8109965442	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	सिंघोला वितरण केन्द्र
17	श्रीमति मोनिका शाह मण्डावी	कनिष्ठ अभियंता	7646956300	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	बोरी वितरण केन्द्र
18	श्री धरमशील खोब्रागढ़े	कनिष्ठ अभियंता	9406099940	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	टेडेसरा उपकेन्द्र

"स्वाहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएं"
"विद्युत बिलों का भुगतान नियत समय में करे और विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही से बचे।"

आर. के. गोस्वामी
कार्यपालन अभियंता (वृत्त)
छ.स्टे. पॉ.डि.कं.लिमि., राजनांदगांव

खबर संक्षेप

मैरिको का शुद्ध लाभ 20.27 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी मैरिको लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 20.27 प्रतिशत बढ़कर 433 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 360 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। मैरिको ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 7.6 प्रतिशत बढ़कर 2,664 करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल समान अवधि में यह 2,476 करोड़ रुपये थी।

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 4,015 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 4,015 करोड़ रुपये रहा। बेंगलुरु स्थित बैंक का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 3,606 करोड़ रुपये रहा था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 34,721 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 31,472 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक ने 29,740 करोड़ रुपये की ब्याज आय दर्ज की, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 26,838 करोड़ रुपये थी।

स्पाइसजेट ने 310 करोड़ का बकाया टीडीएस चुकाया

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही तक 310 करोड़ रुपये का लंबित टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) बकाया चुका दिया है। आर्थिक समस्याओं का सामना कर रही एयरलाइन ने पिछले महीने 3,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, ''कंपनी ने 26 सितंबर, 2024 से शुरू होकर बकाया वेतन, जीएसटी देनदारियों और भविष्य निधि (पीएफ) अंशदान समेत लंबित बकाया के मद में 600 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है।

बाइटडांस के संस्थापक यिमिंग चीन के सबसे अमीर व्यक्ति, घटे अरबपति

एजेंसी ⏭ हांगकांग

चीन के सबसे अमीर लोगों की सूची में बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग शीर्ष पर हैं। हालांकि, सूची में शामिल कई लोगों की संपत्ति में पिछले एक साल में गिरावट आई है। हुरुन रिसर्च इंस्टिट्यूट की इस सूची के अनुसार, इस साल सूची में शामिल उद्यमियों की कुल संपत्ति तीन हजार अरब अमेरिकी डॉलर थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत कम है। अमेरिकी डॉलर में शुद्ध संपत्ति (नेटवर्थ) के आधार पर अरबपतियों की संख्या भी 142 घटकर 753 रह गई। हुरुन ने 2021 से अभी तक 1,185 अरबपतियों की गणना की है।

बाइटडांस, डॉयिक व टिकटॉक की मूल कंपनी

हुरुन के अनुसार, बाइटडांस के झांग 49.3 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ इस साल पहली बार सूची में शीर्ष पर हैं। बाइटडांस लोकप्रिय लघु-वीडियो मंच डॉयिन और टिकटॉक की मूल कंपनी है। इसने पिछले साल अपना राजस्व 110 अरब अमरीकी डॉलर तक बढ़ाया।

खास बातें

- चीन में अरबपतियों की संख्या घटकर 753 रह गई
- हुरुन के अनुसार झांग की कुल संपत्ति 49.3 अरब डॉलर

शानशान दूसरे स्थान पर खिसके

बोतलबंद पानी 'नोंगफू स्प्रिंग' के दिग्गज झोंग शानशान 2024 में 47.9 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। फरवरी में उनके ब्रांड 'नोंगफू स्प्रिंग' को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। उपभोक्ताओं ने इसकी बोतल के डिजाइन के लिए उस पर चीन से विश्वासघात करने का आरोप लगाया था। इससे 'नोंगफू स्प्रिंग' के बाजार मूल्यांकन में अरबों का नुकसान हुआ।

संयंत्र के निवेश या स्थान का विवरण अभी नहीं आया

द. कोरिया के पॉस्को समूह का एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए जेएसडब्ल्यू से करार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया के पॉस्को समूह ने मंगलवार को सज्जन जिंदल के जेएसडब्ल्यू समूह के साथ भारत में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस संयंत्र की शुरुआती क्षमता 50 लाख टन सालाना की होगी। उद्योग के अनुमान के अनुसार, इसपर करीब 40,000 करोड़ रुपये की लागत आ सकती है। इस संबंध में जेएसडब्ल्यू समूह की ओर से जारी बयान में प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र के निवेश या स्थान का विवरण नहीं दिया गया है। उद्योग के अनुमान के अनुसार, 10 लाख टन क्षमता की नई इस्पात परियोजना पर लगभग 8,000 करोड़ की लागत आती है।

बैटरी सामग्री व ऊर्जा क्षेत्र में भी सहयोग की रूपरेखा तैयार : घरेलू कारोबारी घराने ने बयान में कहा, ''जेएसडब्ल्यू समूह (जेएसडब्ल्यू) ने दक्षिण कोरिया के पॉस्को समूह (पॉस्को) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भारत में इस्पात, बैटरी सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई है। मुंबई के जेएसडब्ल्यू समूह के कॉरपोरेट मुख्यालय में जिंदल, पॉस्को के चेयरमैन चांग इन-ह्वा और दोनों व्यापारिक घरानों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

खास बातें

- संयंत्र की शुरूआती क्षमता 50 लाख टन सालाना होगी
- इस पर करीब 40,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी
- दोनों व्यापारिक घरानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया समझौता हस्ताक्षर किए

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई

जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने कहा, 'पॉस्को के साथ यह एमओयू भारतीय इस्पात उद्योग में योगदान देने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में भारत सतत विकास के लिए जबर्दस्त अवसर प्रस्तुत करता है और पॉस्को के साथ हमारी साझेदारी उस बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए जेएसडब्ल्यू की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।'

हमारा लक्ष्य नया मानक स्थापित करने की

जिंदल ने कहा, 'साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी और स्थिरता में एक ऐसा मानक स्थापित करना है जो भारत तथा उसके बाहर विनिर्माण के भविष्य को आकार दे सके।' यह साझेदारी भारत में 50 लाख टन सालाना की शुरुआती क्षमता वाले एक एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना पर केंद्रित होगी।

पॉस्को का कई साल से भारत में आने की कोशिश

पॉस्को कई साल से भारतीय बाजार में उतरने की कोशिश कर रही है। इसके पहले के प्रयासों में ओडिशा में 12 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश से 1.2 करोड़ टन की परियोजना स्थापित करना शामिल है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण में अत्यधिक देरी के कारण उसे अपनी इस योजना को छोड़ना पड़ा था।

पास्को पहले भी आरआईएनएल से करार कर चुका था

कंपनी ने अपनी हरित इस्पात संयंत्र परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के साथ अनुबंध किया। हालांकि, किस्मत ने उस समय भी पॉस्को का साथ नहीं दिया और आरआईएनएल ने 2021 में मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद विनिवेश का रास्ता चुना।

फर्जी कॉल, एसएमएस पर लगाम के सख्त नियमन जनवरी तक : ट्राई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने उम्मीद जताई है कि फर्जी कॉल एवं संदेशों पर लगाम लगाने से संबंधित परामर्श पत्र पर व्यापक चर्चा के बाद नियमनों को जनवरी तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

- ट्राई टेलीमार्केटिंग कंपनियों के लिए परामर्श पत्र जारी करेगा

इसके साथ ही लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार विभाग के हालिया संदर्भ के आधार पर ट्राई टेलीमार्केटिंग कंपनियों के लिए नियामकीय ढांचे से संबंधित परामर्श पत्र को भी तैयार और जारी करेगा। दूरसंचार नियामक के प्रमुख ने कहा कि फर्जी यानी स्पैम कॉल और दुर्भावनापूर्ण/ धोखाधड़ी वाले संदेशों से निपटने के लिए नियामक ने पिछले महीनों में जो कदम उठाए हैं वे महत्वपूर्ण हैं और प्रणाली को साफ-सुथरा बनाएंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि 'अभी और काम करने की जरूरत है। लाहोटी ने बातचीत में कहा, ''स्पैम कॉल एवं संदेशों पर हमारा परामर्श पत्र अगस्त के अंत में जारी किया गया था। हमें इसपर पहले ही टिप्पणियां मिल चुकी हैं और अब हम इनका विश्लेषण करेंगे और एक खुली चर्चा करेंगे।

बिना पंजीकरण 10 अंक की संख्या का उपयोग

फिलहाल दूरसंचार सेवा प्रदाता ग्राहकों को असीमित कॉल के साथ कई प्लान की पेशकश करते हैं। ट्राई को ऐसा महसूस हुआ कि अलग-अलग शुल्क होने से बिना पंजीकरण वाले टेलीमार्केटर भी 10 अंक की संख्या का इस्तेमाल कर वाणिज्यिक संचार कर सकते हैं।

अदाणी एंटरप्राइजेज लाभ आठ गुना होकर 1,741 करोड़

नई दिल्ली। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में आठ गुना होकर 1,741 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी को 228 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं: पुरी

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त रिफाइनरी क्षमता है। पुरी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि यह उनका व्यक्तिगत आकलन है कि जल्दी ही चीजें सामान्य हो जाएंगी। यह हर किसी के हित में है कि चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की की अनुमति नहीं दी जाए क्योंकि इससे हर कोई प्रभावित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने यहां 'रोजगार मेला' को लेकर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अलग से बातचीत में कहा, ''दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है।''

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR Zone-10
Email:-rmczone10@gmail.com

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO:40 RAIPUR DATED : 28/10/2024

Online bids are invited for the following works up to Date 19/11/2024 at 17:30 hours.

SI No.	System Tendr No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract
1	160693	कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड क्र. 54 अंतर्गत सिद्धी विनायक कालोनी में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	30.00 Lakh
2	160620	रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड क्र. 55 अंतर्गत हनुमान नगर कर्माधाम के पास सी.सी. रोड़ एवं नाली निर्माण कार्य।	40.00 Lakh

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 28/10/2024, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- (1) All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (2) Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No. 18004199140* or through Email ID helpdesk.eproc @cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

ZONE COMMISSIONER ZONE-10
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756, 6263818152

Appointment आवश्यकता

घरेलु/कुक कार्य

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे, वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में घर का झाड़ू पोछा, कपड़ा बर्तन, साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु पुरूष/महिलाये चाहिए। ग्रामीणों को प्राथमिकता पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले व शाकाहारी ही **संपर्क करें** 9300593000. (RO-1227)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

कुक

आवश्यकता है- इण्डियन, चाइनिस एवं तन्दुर में शेफ एवं सर्विस हेतु स्टीवर्ट की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार संचालक एस.एम.एम. रेस्टोरेंट मो.- 98931-39282. (आरो न.-612)

अन्य

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है। **संपर्क करें-** 7450945537, 9040788128.(RO-750)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500/-) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें :- 9065357020 (RO-3051)

Property प्रापर्टी

प्लाट/जमीन

बेचना है
एम्स से लगभग ½ कि.मी. की दूरी, मेनरोड पर 200 के फ्रंट के साथ लगभग 1,50,000 स्के.फिट कमर्शियल जमीन बेचना है
—इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें— एस. के. शर्मा 9425503284

प्लॉट उपलब्ध है- दिवाली धमाका-दया नगर रिसाली में आवासीय डायवर्टेड प्लाट उपलब्ध रेट 1299/- वर्गफ़ीट, साइज़ - 2400 एवं 900 वर्गफीट, बैंक लोन कंस्ट्रक्शन सुविधा उपलब्ध- 9589886655 /9589046655. (आरो - 609)

बेचना है
शंकर नगर मेन रोड पर 200 के फ्रंट के साथ लगभग 50,000 स्के.फिट कमर्शियल जमीन बेचना है
—इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें— एस. के. शर्मा 9425503284

For Rent किराया

तत्काल किराये से देना है- देवरी तरपोंगी के पास होटल / ढाबा तत्काल किराये से देना है । संपर्क करे:- मो.- 98271-66974, 95222-17771 (आरो न.-613)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare
हेपाटाईटिस, एच.आई.वी. हर्पिस रोग एवं यौन समस्या

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिए।
सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली व शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover — मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
मो. 7999450384, 7042974029

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304

स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मो. 7991031330, मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

एक ही साल में वनडे और टेस्ट दोनों में 1,000+ रन बनाने वाले भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

किसी एक साल (कैलेंडर वर्ष) में वनडे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर है। उन्होंने 1998 में 1,894 रन बनाए थे। ऐसे ही एक साल में टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन पाकिस्तान के मोहम्मद युसूफ (1,788) ने बनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुछ ऐसे भारतीय खिलाड़ी भी हुए हैं, जिन्होंने किसी एक साल में वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूप में 1000 से अधिक रन बनाए हैं।

सचिन तेंदुलकर (1997)

पूर्व महान बल्लेबाज तेंदुलकर ने 1997 में टेस्ट और वनडे में 1,000+ रन बनाए थे। उन्होंने उस साल 12 टेस्ट की 17 पारियों में 62.50 की औसत से 1,000 रन बनाए, जिसमें 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाए थे। उसी साल तेंदुलकर ने 39 वनडे में 30.63 की औसत से 1,011 रन बनाए थे। उन्होंने 2 शतक और 5 अर्धशतक भी अपने नाम किए थे।

विराट कोहली (2017 और 2018)

विराट कोहली 2 बार ऐसा कारनामा करने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2017 में 10 टेस्ट की 16 पारियों में 75.64 की औसत से 1,059 रन बनाए थे। उसी साल 26 वनडे में उन्होंने 76.84 की औसत से 1,460 रन अपने नाम किए थे। भारतीय दिग्गज बल्लेबाज ने 2018 में 13 टेस्ट में 55.08 की औसत से 1,322 रन बनाए, जबकि 12 वनडे में 133.55 की औसत से 1,202 रन बनाए थे।

गौतम गंभीर (2008)

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मौजूदा टीम के कोच गौतम गंभीर भी ऐसा कर चुके हैं। उन्होंने 2008 में 8 टेस्ट की 16 पारियों में 70.87 की औसत से 1,134 रन बनाए थे। उस दौरान उन्होंने 206 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 शतक और 6 अर्धशतक भी लगाए थे। उसी साल गंभीर ने 27 वनडे खेले, जिसमें 46.62 की औसत के साथ 1,119 रन अपने नाम किए। उन्होंने 3 शतक भी लगाए थे।

सौरव गांगुली (2007)

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2007 में 10 टेस्ट खेले, जिसकी 19 पारियों में 61.44 की औसत के साथ 1,106 रन बनाए थे। उन्होंने 3 शतक और 4 अर्धशतक लगाए थे। उसी साल गांगुली ने 32 वनडे की 30 पारियों में 44.28 की औसत से 1,240 रन बनाए, जिसमें 12 अर्धशतक शामिल थे। दिलचस्प रूप से गांगुली ने उस साल वनडे में कोई शतक नहीं लगाया और 98 रन उनका सर्वोच्च निजी स्कोर रहा था।

संगाकारा ने 4 बार किया है ये कारनामा

श्रीलंका के कुमार संगाकारा के नाम सबसे ज्यादा कैलेंडर वर्ष में वनडे और टेस्ट दोनों प्रारूप में 1,000 से ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 4 बार (2004, 2006, 2011 और 2014) ऐसा किया था।

खबर संक्षेप

बोपन्ना-एब्डेन ने एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारत के स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सत्रांत होने वाले प्रतिष्ठित एटीपी टेनिस फाइनल्स में जगह बना ली है। नथानील लेमोन्स और जैकसन विथ्रो की जोड़ी के रोलेक्स पेरिस मास्टर्स से बाहर होने के साथ बोपन्ना और एब्डेन ने टूर्नामेंट में जगह बना ली। बोपन्ना और एब्डेन ने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताब जीता था। भारतीय खिलाड़ी इस दौरान 43 साल 331 दिन की उम्र में दुनिया का नंबर एक बनने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना। बोपन्ना और एब्डेन ने इसके बाद मियामी ओपन का भी खिताब जीता।

भारत बनाम न्यूजीलैंड का तीसरा टेस्ट मैच 1 नवंबर से

टीम इंडिया के सामने क्लीन स्वीप से बचने की चुनौती, न्यूजीलैंड उत्साह से भरपूर

तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में कीवी टीम 2-0 की बढ़त में

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक नवंबर से खेला जाएगा। कीवी टीम ने इस सीरीज में कमाल का खेल दिखाया है। टीम ने भारतीय टीम 2-0 से पीछे छोड़ते हुए सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। टॉम लैथम की कप्तानी में खेलते हुए कीवी टीम ने इतिहास रच दिया।

वह आखिरी मैच में भी कड़ी टक्कर देंगे। दो टेस्ट मैचों में हुई हार के बाद क्लीन स्वीप से बचने यह टेस्ट मैच टीम इंडिया के लिए किसी भी हालत में जीतना जरूरी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने सीरीज के दूसरे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम को हराते हुए सीरीज में अजेय बढ़त हासिल की है। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ यहां 3 मैच खेले हैं और उसे 2 में जीत मिली है।

वानखेड़े में न्यूजीलैंड ने जीता है सिर्फ एक टेस्ट

न्यूजीलैंड ने इस मैदान पर कुल 3 टेस्ट सभी भारतीय टीम के खिलाफ खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 1 में जीत दर्ज की है। 1998 में कीवी टीम ने इस मैदान पर भारत को 136 रन से हराया था। न्यूजीलैंड का इस मैदान पर सर्वोच्च स्कोर 298 रन रहा है। 2021 में वानखेड़े स्टेडियम में हुए मैच में न्यूजीलैंड की टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 62 रन पर सिमटी थी, जो यहां पर सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड है।

भारत ने इस मैदान पर जीते हैं कुल 12 टेस्ट

भारतीय टीम ने इस मैदान पर कुल 26 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 12 में जीत दर्ज की है और 7 में शिकस्त झेली है। यहां पर भारत के 7 टेस्ट ड्रॉ पर भी समाप्त हुए हैं। भारत ने इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर 631 रन बनाया है, जो 2016 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाया था। भारत ने इस मैदान पर अपना सबसे कम स्कोर 100 रन बनाया है। यहां टॉस की भूमिका काफी अहम रहती है। कप्तान टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना पसंद करते हैं।

महिला क्रिकेट

मंधाना ने ठोका शतक, भारत ने न्यूजीलैंड से श्रृंखला जीती

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

स्मृति मंधाना की शतकीय पारी के दम पर भारत ने मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को छह विकेट से शिकस्त देकर तीन मैचों की महिला एक दिवसीय श्रृंखला को 2-1 से अपने नाम किया। भारत ने न्यूजीलैंड को 232 रन पर आउट करने के बाद 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर 236 रन बनाए। मंधाना ने 122 गेंद की पारी में 100 रन बनाने के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 70) के साथ 117 रन की शानदार साझेदारी की। शेफाली वर्मा ने 12 और यास्तिका भाटिया ने 35 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए ब्रुक हैलिडे ने 86 रन की शानदार पारी खेली। अनुभवी दीप्ति शर्मा ने तीन जबकि प्रिया मिश्रा ने दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 49.5 ओवर में ऑल आउट कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए हान्ना रो ने दो जबकि कप्तान सोफी डिवाइन और फ्रान जोनास ने एक-एक विकेट चटकाये।

■ तीन मैचों की सीरीज को किया 2-1 से अपने नाम

होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा - 9785823333, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा - 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) - 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) - 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) - 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) - 0788-4058968, 8823050444, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा - 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)- 9425564232, बलौदा बाजार: किरण होंडा - 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा- 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा - 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा- 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरू होंडा - 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा - 8720008800, 7970005301

For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com

Embassy

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

बिन्नी बाई सोनकर

गरीब परिवार में जन्म

बिन्नीबाई का जन्म 1927 में परंपरागत रूप से बाड़ी में सब्जी-भाजी उत्पन्न करने और बेचने वाले सोनकर परिवार में हुआ था। बिन्नी बाई, पिता घुटरू सोनकर की एकमात्र संतान थी। रायपुर के कुशालपुर, भाठागांव आदि जगहों में सोनकर समाज के लोग रहते हैं। सब्जी-भाजी का उत्पादन और विक्रय ही उनका मुख्य व्यवसाय है। अधिकांश खाते-पीते परिवार हैं, सपरिवार बाड़ियों में मेहनत करते हैं। पसीना बहाकर उन्होंने अब अच्छी संपत्ति भी अर्जित कर ली है। घुटरूराम के पास जितनी जमीन थी, वह तीन लोगों के लिए पर्याप्त थी। बचपन से ही बिन्नी खेती-बाड़ी के कार्यों में माता-पिता का हाथ बंटाती थीं।

कम उम्र में शादी फिर अलगाव

बिन्नी बाई का विवाह भी अल्पायु में हो गया था। ससुराल में भी सब्जी-भाजी का व्यवसाय था। नई-नवेली बहू बिना किसी संकोच के पति और सास के साथ खेती-बाड़ी में मदद करने लगी। लेकिन उनकी गृहस्थी की गाड़ी लंबे समय तक नहीं चल पाई। पति से अलग होने के बाद अपनी नवजात बिटिया के साथ बिन्नी बाई, पिता के घर आ गई। एक बेटे की तरह बिन्नी बाई अपने पिता का सहारा बनी। परिश्रम से तो उनका पुराना नाता था ही, पति विछोह को भूलने का मार्ग उन्होंने सब्जी की बाड़ियों में खोज निकाला। माता-पिता के निधन के बाद सारी जिम्मेदारियां बिन्नी बाई पर आ गईं। उचित समय पर बिन्नी बाई ने अपनी एकमात्र कन्या का विवाह भी कर दिया। नाटे कद की बिन्नीबाई को देखकर यह अनुमान लगाना कठिन था कि उनके इरादे कितने बुलंद हो सकते हैं। बेटी के विवाह के बाद बिन्नी बाई रायपुर के सोनकर पारा के घर में अकेली ही रह गईं। धूप और वर्षा की परवाह किए बगैर वे अपने कारोबार में लगी रहतीं। दिन में दो बार बाजार जाने के अलावा बाड़ी की देखभाल भी वे अकेले ही करतीं।

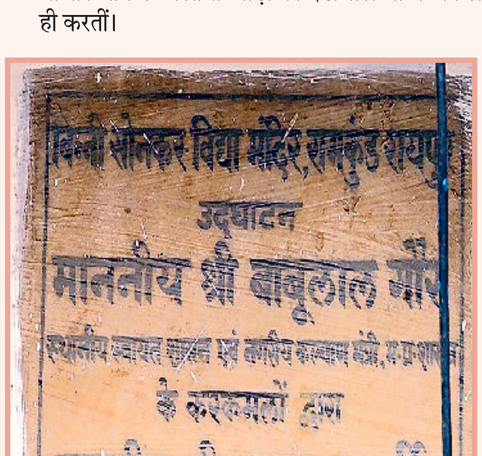

खुद अनपढ़ थीं लेकिन शिक्षा का महत्व पहचाना

बिन्नी बाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने रायपुर के लोहारचौक में शिवजी का एक मंदिर बनवाया था। समाज के सालाना अधिवेशन में वे एक दिन पूरे सोनकर समाज को भोज देतीं। 1991 में उन्हें पता चला कि रामकुंड में बच्चों के लिए कोई स्कूल नहीं है। बिन्नीबाई ने जमीन खरीद कर स्कूल भवन का निर्माण करा दिया। खुद अनपढ़ थीं पर शिक्षा का मोल वे जानती थीं।

प्रगट चारि पद धर्म के कलि महुं एक प्रधान । जेन केन बिधि दीन्हें दान करइ कल्यान ॥
उत्तर कांड, 103 (ख) श्रीरामचरित मानस

अर्थ- धर्म के चार चरण यानी सत्य, दया, तप और दान प्रसिद्ध हैं। इनमें से कलियुग में एक दानरूपी चरण ही प्रधान है। किसी प्रकार से भी दिए जाने पर दान कल्याण ही करता है। जो हम देते हैं वो ही हम पाते हैं। दान के विषय में यह बात हम सभी जानते हैं। दान, अर्थात देने का भाव, अर्पण करने की निष्काम भावना। दान की महिमा तभी होती है, जब वह निस्वार्थ भाव से किया जाता है। अगर कुछ पाने की लालसा में दान किया जाए तो वह व्यापार बन जाता है। देना उतना जरूरी नहीं होता जितना कि 'देने का भाव'। छत्तीसगढ़ की पावन धरा से अनेक महादानी विभूतियों ने जन्म लिया। इस माटी में जन्में दानवीरों ने पूरे जगत में नाम कमाया। इन्हीं दानवीरों में शामिल त्याग और सेवा की मूर्ति बिन्नी बाई ने मरीजों के परिजनों के लिए धर्मशाला निर्माण करवाया, शिव मंदिर बनवाया, साग भाजी बेचकर जीवन यापन करने वाली बिन्नी बाई की दानशीलता पर तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सम्मान निधि और विशिष्ट नागरिक का दर्जा देने का ऐलान किया लेकिन बिन्नी बाई ने इसे लेने से इंकार कर दिया।

त्याग और करुणा की देवी नगरमाता बिन्नी बाई

अपनी कड़ी मेहनत से जोड़ी पाई-पाई की राशि को जनसेवा में समर्पित करने वाली नगरमाता स्वर्गीय श्रीमती बिन्नी बाई सोनकर जी को मैं सादर नमन करता हूं। बिन्नी बाई सोनकर जैसे महान विभूतियों ने स्वयं निरक्षर होते हुए भी शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण का आदर्श प्रस्तुत किया है। नगर माता स्वर्गीय श्रीमती बिन्नी बाई सोनकर का यह महान त्याग और सेवा भाव हम सब के लिए प्रेरणादायक और अनुकरणीय है।
जय हिंद... जय छत्तीसगढ़, नगरमाता को सादर नमन

-विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सम्मान राशि लेने से इंकार

धर्मशाला के लोकार्पण कार्यक्रम में तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बिन्नी बाई को हर महीने एक हजार पेंशन देने का ऐलान किया। इस पर बिन्नी बाई ने सम्मान राशि लेने से सार्वजनिक तौर पर इंकार कर दिया। बिन्नी बाई ने कहा कि **मे ह चटनी-बासी खा के गुजारा करथौं, मोला रुपिया-पईसा के कोनो जरूरत नइ हे। अइसन काम बर कहूं अउ रुपिया के जरूरत होही तउनो ला मंय दे हौं।** मुख्यमंत्री सहित तमाम गणमान्य लोगों के सामने किसी को भी बिन्नी बाई के ऐसे उत्तर की उम्मीद नहीं थी। स्वभाव से स्पष्टवादी बिन्नी बाई जो भी बात मन में होती तो साफ शब्दों में कह देती थी।

सादा-सरल और अनुशासित जीवन

बिन्नी बाई व्यक्तिगत तौर पर सीधा सादा जीवन व्यतीत करती थीं। वे चाहतीं तो अपने लिए अच्छा सा घर बनवा सकती थीं, लेकिन वे आजीवन अपनी झोपड़ी में ही रहीं। अपने परिश्रम से कमाए हुए एक-एक पैसे का हिसाब रखतीं और खर्च भी काफी संभालकर करती थीं। जब उम्र ज्यादा होने लगी तो उन्होंने अपनी जमा-पूंजी जन कल्याण के कार्यों में लगाने का फैसला लिया। बिन्नी बाई के मन में ख्याल आया कि **'आखिर ए सब मैं काकर बर करत हौं' आखिर अतका पइसा ल मैं का करहूं? नता-गोता मन तो मोर ए पइसा खातिर लड़ई-झगरा मता डारहीं। तेकर ले कुछ अइसे करे जाय जेकर ले गरीब-गुरबा मन के मदद हो जाय, मैं उंकर सहारा बन जावंव।**

हरि ठाकुर के 'धान के कटोरा' में बिन्नी बाई

1997 में प्रसिद्ध इतिहासकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और अब दिवंगत हरि ठाकुर का छत्तीसगढ़ी में काव्य संग्रह धान के कटोरा प्रकाशित हुआ था। यह संग्रह उन्होनें बिन्नी बाई को संमर्पित किया था। संग्रह में एक कविता बिन्नी बाई पर भी थी

कस ओ बिन्नीबाई
तैं कहां पाये अतेक बड़ मन
पहिरे बर सौ रुपट्टी के लुगरा
अउ दान करे बर दस लाख रुपिया!
तोर मन ह कचोटिस काबर नही?
अपन सरी संपत्ति ल बेंचे के
करोड़पति घलो नइ करंय दान।

दिवंगत हरि ठाकुर के बेटे आशीष सिंह ठाकुर बताते हैं कि उनके पिताजी के निधन के बाद 4 दिसंबर 2001 को कड़कड़ाती ठंड में बिन्नी बाई उनके घर पहुंची थीं। हरि ठाकुर भी उन्हे मातृवत स्नेह करते थे। 16 अगस्त 2003 में हरि ठाकुर स्मारक संस्थान की स्थापना हुई। इस कार्यक्रम में संस्कृति मत्री धनेंद्र साहू की मौजूदगी में बिन्नी बाई ने कहा था- बहुत बड़े आदमी रहिस, तभो हजारों के भीड़ मं मोर पांव परय, मोर हाथ धर के मंच मं अपन तीर बइठावय अउ माला पहिरावय। ओखरे कस तुहू मन नाम कमावव।

'नगरमाता' का सम्मान

1998 में रायपुर नगर निगम के तत्कालीन महापौर बलवीर जुनेजा की पहल पर बिन्नीबाई को 'नगर माता की उपाधि से विभूषित किया गया। बिन्नीबाई सर्वथा उसी योग्य थीं भी। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के प्रथम वर्षगांठ के मौके पर छत्तीसगढ़ शासन ने उन्हें प्रथम 'मिनी माता सम्मान से सम्मानित किया। रायपुर के अलावा बिलासपुर, भिलाई और दुर्ग की संस्थाओं ने भी बिन्नीबाई का अभिनंदन किया।

जोगी ने दी थी 'दानवीर' की उपाधि

बिन्नी बाई ने लोहार चौक में शिव जी का मंदिर बनवाया। हर साल समाज के लिए भोजन का प्रबंध करवाती थी। बिन्नी बाई के नाम से भाटागांव में एक सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल का निर्माण हुआ। बिलासपुर में उनके स्वागत के लिए एक कार्यक्रम हुआ, जिसमें उन्होंने मौखिक दान दिया था।

-डॉ. सुखनंदन सोनकर, वरिष्ठ समाजसेवी

दान से ही भगवान प्रसन्न होते हैं

पहले उन्होंने अस्पताल में 10 लाख रुपए दान किया । मैने उनकों कहा दान से ही पून्य बढ़ता है और दान से ही भगवान प्रसन्न होते हैं । पहले उन्होंने रामकुंड में धर्मशाला बनवाई थी जो ठीक से नहीं बना था उसके के बाद उन्होंने दूसरी धर्मशाला बनवाई । धर्मशाला बनवाने के बाद उन्होंने रामकुंड में ही स्कुल बनवाया ।

-रामबिशाल सोनकर
बिन्नी बाई के भतीजे

नल कनेक्शन तक लेने से इंकार

नगरमाता बिन्नीबाई की दानशीलता के लिए अनेक समाजसेवी संस्थाओं ने भी उनका सम्मान किया, जिनमें लायंस क्लब भी शामिल है। लायंस क्लब में हुए कार्यक्रम में बिन्नी बाई ने कहा कि- मैं पढ़ी-लिखी नहीं हूं। मुझे बोलना नहीं आता, लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि इंसान को इंसान की सेवा करनी चाहिए। बिन्नी बाई जीवन भर सरकारी मदद या किसी सहायता से बचती रहीं। प्रशासन ने जब उनके लिए नल कनेक्शन लगवाना चाहा तो बिन्नी बाई ने मना कर दिया और कहा कि - मोला एक घघरी पानी की जरूरत हे, मे ह नल कनेक्शन लेके का करहूं।

सामाजिक कार्यों में लगाया जीवन

बिन्नी बाई ने जीवनभर अकेले संघर्ष किया। उनके स्वभाव में बनावटीपन बिल्कुल नहीं था। सभी से अच्छा व्यवहार उनके स्वभाव में शामिल था। उनकी व्यवहारकुशलता ने उन्हें सभी का प्रिय बनाया। उन्होंने अपना सारा जीवन सामाजिक कार्यों में लगा दिया।

डॉ. अशोक सोनकर, चिकित्सक, समाजसेवी

लोगों की तकलीफ को पहचाना

बिन्नी बाई ने बाहर गांवों से आने वाले मरीज और उनकी परिवारों की तकलीफ को पहचाना और मेकाहारा अस्पताल में धर्मशाला बनवाने का फैसला किया। उनके फैसले से हजारों परिवारों को राहत मिली। उनका किया हुआ दान धनाढ्य और पूंजीपति वर्ग के लिए तमाचे के समान है।

-जागेश्वर सिंह, छत्तीसगढ़ आंदोलन के प्रणेता

धर्म-कर्म में आस्था

बिन्नी बाई के माता- पिता कृषि और साग-सब्जी का व्यापार करते थे। बचपन से ही बिन्नी बाई ने इस काम में रुचि ली। बच्चे अनपढ़ ना रहें इसके लिए बिन्नी बाई ने स्कूल का निर्माण करवाया। धर्म-कर्म में आस्था भी शुरु से ही थी, इसलिए शिव मंदिर का निर्माण करवाया।

-शारदा प्रसाद, अध्यक्ष, सोनकर समाज

inh पर आज रात 8.00 बजे

जनसेवा में लगाई जीवन भर की कमाई

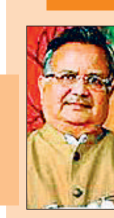

बिन्नी बाई ने जीवन भर सब्जी बेचकर पैसे कमाए और उसे जनसेवा मे लगाया । बड़े- बड़े अरबपति लोग धर्मशाला नहीं बनवा पाए। लेकिन बिन्नी बाई ने ना केवल धर्मशाला बनवाई साथ ही स्कूल बनवाकर जनहित में बड़ा काम किया। बिन्नी बाई जी निश्चित रुप से छत्तीसगढ़वासियों के लिए स्मरणीय और पूजनीय है ।

-डॉ. रमन सिंह, स्पीकर, छग. विधानसभा

बिन्नी बाई का जीवन प्रेरणादायी

बिन्नी बाई सोनकर ने पाई-पाई जोड़कर अपनी संपति को बेचकर करके जितना पैसा इकट्ठा किया था, उसे जनहित में लगाया। बिन्नी बाई ने मंदिर निर्माण कराया। अस्पताल में धर्मशाला बनवाई और बच्चों के लिए स्कूल खुलवाया। उनकी दानशीलता से प्रभावित होकर सरकार ने नगर माता का दर्जा दिया । उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है।

-टंकराम वर्मा,राजस्व मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

बिन्नी बाई से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए

बिन्नी बाई सोनकर ने सब्जी बेचकर पैसे इकट्ठे किए थे। उनके मन में शिक्षा के प्रति इतना ज्यादा लगाव था कि उन्होंने अपनी जमापूंजी देकर स्कूल भवन के लिए बिल्डिंग बनवाई। अपनी जमापूंजी को उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में खर्च किया। वास्तव में हमें बिन्नी बाई के व्यक्तित्व और कार्यों से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

-बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर सांसद

देवी का स्वरुप थीं बिन्नी बाई

नगर माता बिन्नी बाई सोनकर देवी का स्वरूप थीं। अपने जीवन में उन्होंने अधिक संघर्ष किया। सामाजिक सरोकार उनके अंदर कूट-कूटकर भरा हुआ था। बिन्नी बाई के जीवन से हमें कुछ सीखने की जरूरत है। बिन्नी बाई ने किसी के सामने हाथ नहीं फैलाए।

-सुनील सोनी, पूर्व सांसद, रायपुर

गरीबों की सेवा में लगाई जीवन

सेवा की मूर्ति थीं बिन्नी बाई बिन्नी बाई सोनकर को पूरा छत्तीसगढ़ जानता है । उन्होंने गरीबों की बहुत सेवा की उस समय मेरे बड़े भाई बलवीर जुनेजा महापौर थे, जिन्होने सेवा में कई बार उनका सहयोग भी किया। भाई साहब ने कई बार सेवा में उनका सहयोग भी किया और नगर माता की उपाधि भी दी ।

-कुलदीप जुनेजा, पूर्व विधायक, कांग्रेस

बिन्नी बाई की दानवीरता को प्रणाम

बिन्नी बाई ने जिस तरह सामाजिक क्षेत्र में योगदान दिया उसके कारण नगर माता की उपाधि दी गई। हमारे छत्तीसगढ़ और समाज के लिए बिन्नी बाई सोनकर अमर हो गई । मैं उन्हें नमन करता हूं।

-धनेंद्र साहू, पूर्व विधायक, कांग्रेस

बिन्नी बाई की जीवनी नहीं बल्कि फिलॉसफी

बिन्नी बाई सोनकर हम सबके लिए एक बहुत बड़ी उदाहरण है। बिन्नी बाई की जिंदगी मात्र जीवनी नहीं थी वो एक जीवन शास्त्र या फिलॉसफी थी। वे हम लोगों को जीने का तरीका सीखा गयी हैं। बिन्नी बाई ने साग सब्जी बेची और पैसा इकट्ठा कर दान कर दिया ।

-अमित जोगी, प्रदेश अध्यक्ष, जेसीसीजे

अस्पताल के पास बनवाई धर्मशाला

साल 1992-93 की बात है। बिन्नी बाई मेडिकल चेक-अप के लिए मेकाहारा गई थीं, तभी मेकाहारा अस्पताल के बाहर इलाज करवाने आए लोगों पर उनकी नजर पड़ी। दूर-दराज के गांवों से इलाज के लिए आए मरीज और उनके परिवारवाले खुले में ही खाना पका रहे थे। उन लोगों के लिए रहने ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं थी। ये देखकर बिन्नी बाई बहुत दुखी हुईं और उनकी भलाई के लिए कुछ करने की ठानी। इन लोगों की परेशानी दूर करने के लिए बिन्नी बाई ने धर्मशाला बनवाने का संकल्प लिया। उन्होंने अस्पताल के तत्कालीन सुपरिटेंडेंट डॉक्टर भोला और डीन डॉ मुखर्जी से चर्चा की। अस्पताल परिसर में धर्मशाला निर्माण के लिए शासन से अनुमति होनी जरूरी थी, जिसके लिए उन्होंने जेएल बोस से मुलाकात की। 10 नवंबर 1994 को आयुक्त कार्यालय में बैठक हुई। यहां बिन्नी बाई ने 10 कमरों के सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। नियमों के मुताबिक एक महीने में बिन्नी बाई ने 10 लाख रुपए अस्पताल प्रशासन के पास जमा कर दिए। 1995 में कलेक्टर

डीपी तिवारी ने अस्पताल के सामने झोपड़पट्टी हटवाकर जगह धर्मशाला निर्माण के लिए दी। भूमिपूजन तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री अशोक राव ने किया। धर्मशाला भवन का निर्माण लोकनिर्माण विभाग ने किया। 6 सितंबर 1996 को अविभाजित मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बिन्नी बाई सोनकर धर्मशाला का लोकार्पण किया।

एक और धर्मशाला का निर्माण

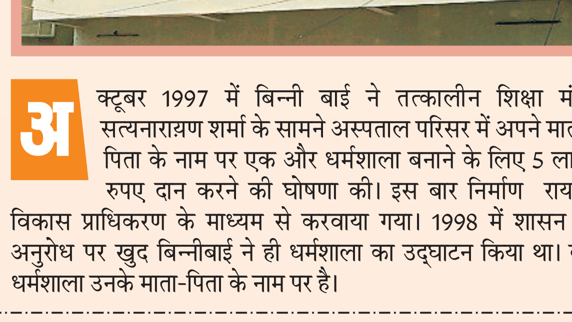

अक्टूबर 1997 में बिन्नी बाई ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री सत्यनारायण शर्मा के सामने अस्पताल परिसर में अपने माता-पिता के नाम पर एक और धर्मशाला बनाने के लिए 5 लाख रुपए दान करने की घोषणा की। इस बार निर्माण रायपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से करवाया गया। 1998 में शासन के अनुरोध पर खुद बिन्नीबाई ने ही धर्मशाला का उद्घाटन किया था। वह धर्मशाला उनके माता-पिता के नाम पर है।

'ज्यों की त्यों धरि दीनी चदरिया'

अगस्त 2004 में नगरमाता बिन्नीबाई की तबीयत खराब हुई तो उन्हें मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ और 20 अगस्त 2004 को वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com